केंद्र और राज्य शासन से विज्ञापन के लिए अनुमोदित

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

17 वर्षों से निरंतर....

Website:- www.malwaherald.com

RNI No. MPHIN/2010/33238
dainikmalwaherald@yahoo.com
malwaherald@gmail.com

महाकालेश्वर जी का संध्या काल आरती श्रृंगार दर्शन

मालवा हेराल्ड

सुविचार

खुद को क्या करना है, वो पता नहीं मगर दूसरों को क्या करना चाहिए, उसकी सलाह सबके पास है..!

वर्ष : 17 अंक : 82 | उज्जैन, मंगलवार 01 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 मूल्य-1 रुपए

सिंहस्थः 2028 के लिए मिल रहा जनसहयोग दुनिया के लिए उत्कृष्ट उदाहरण : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

बाबा महाकाल की पांचवीं सवारी के अवसर पर हुआ विशेष प्रसारण

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन पवित्र नगरों में एक है। हर काल में उज्जैन की की आभा, कीर्ति और प्रसिद्धि युगों-युगों तक रही है। उज्जैन पर बाबा महाकाल की विशेष कृपा है। पृथ्वी पर जन्म से लेकर मृत्यु तक सबका समय नियत है। लेकिन प्रत्येक प्राणी के लिए काल का निर्धारण बाबा महाकाल ने प्रत्येक प्राणी का किया है। काल की नगरी, गौरव की नगरी उज्जैन अपने गौरव को पुनः प्राप्त करने की दिशा में अग्रसर है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में भगवान महाकालेश्वर की पांचवीं सवारी के महाकालेश्वर मंदिर से राम घाट पहुंचने के पश्चात प्रसारण कक्ष से संबोधित किया।

सिंहस्थः 2028 को भव्य और दिव्य बनाएंगे, अभी से मिल रहा है पूर्ण जनसहयोग- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने संबोधन में कहा कि उज्जैन में अनेक विकास कार्य चल रहे हैं, महाकाल की कृपा से हिंदू, मुस्लिम सभी वर्गों के लोगों ने अपने मकान स्वयं तोड़कर विकास में सहयोग प्रदान किया है। सभी ने स्वेच्छा से मंदिर, मस्जिद और गुरुद्वारे तक हटाए। नागरिकों द्वारा मिल रहा यह स्वैच्छिक सहयोग भारत ही नहीं दुनिया के लिए एक उत्कृष्ट उदाहरण है। मध्यप्रदेश सरकार आगामी सिंहस्थः 2028 के भव्य और दिव्य आयोजन के लिए कटिबद्ध है। सभी प्रकार के विकास कार्य और जनकल्याणकारी कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। सम्राट विक्रमादित्य की नगरी पुनः उत्कृष्ट की ओर बढ़ रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बाबा महाकाल से सभी के लिए सुख, समृद्धि एवं खुशहाली की कामना कर रहे हैं।

सीधे प्रसारण से जुड़े लाखों श्रद्धालु- बाबा महाकाल की पांचवीं सवारी का जनसम्पर्क विभाग के माध्यम से लाइव प्रसारण हुआ, जिसके माध्यम से करोड़ों श्रद्धालु इसके साक्षी बने। अनेक राष्ट्रों से भी श्रद्धालुओं ने इस विशेष प्रसारण व्यवस्था का लाभ लिया। उज्जैन में सवारी के मार्ग में स्थित निवास करने वाले नागरिकों के साथ ही प्रदेश के स्थानों के श्रद्धालु सवारी की साक्षी बने। श्रद्धालुओं में छोटे बच्चे, युवा, महिलाएं बुजुर्ग सभी शामिल थे। उत्साह,उमंग और श्रद्धा की अभिव्यक्ति देखने को मिली।

दुनिया में बढ़ रहा है भारत का मान- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश और दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ रहा है। दूसरे देशों में रहने वाले भारतीयों को गर्व है कि वो भारतवासी हैं। सनातन संस्कृति के वेद वाक्य दुनिया में चारों दिशाओं में गूंज रहे हैं। मानवता धन्य हो रही है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी सरकार जनकल्याण के कार्यों को आगे बढ़ा रही हैं। हमारे उदार चरित्र के आधार पर भारत की कीर्ति दुनिया में फैल रही है। दुनिया में कोई प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति ऐसे नहीं हैं, जिन्हें इतने देशों ने सम्मानित किया हो। प्रधानमंत्री श्री मोदी को कल ही उज्बेकिस्तान ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से विभूषित किया है। बाबा महाकाल की कृपा से प्रधानमंत्री श्री मोदी को प्रदत्त यह 36वां पुरस्कार है।

न्यूज ब्रीफ

राम मंदिर को चार करोड़ का दान, खाते में निकले सिर्फ तीन रुपये, चेन्नई की श्रद्धालु का चेक फंसा

अयोध्या/ जीएनएस। राम मंदिर में कार्यरत कर्मचारियों और सेवादारों की सुविधाओं के लिए चेन्नई की महिला श्रद्धालु एस. नागलक्ष्मी की ओर से दिए गए चार करोड़ रुपये के सशर्त दान के चेक ने नया पेच खड़ा कर दिया है। ट्रस्ट को बैंक से संबंधित खाते में महज तीन रुपये का बैलेंस होने की जानकारी सामने आई। अब ट्रस्ट चेक जारी करने वाली महिला श्रद्धालु से संपर्क करने की तैयारी है। चेक बाउंस होने की दशा में बैंक महिला को नोटिस जारी कर सकता है। दरअसल, एस. नागलक्ष्मी 25 अगस्त को रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या आई थीं। दर्शन के बाद उन्होंने रामलला की सेवा में 10 हजार रुपये का समर्पण किया। इसके साथ ही राम मंदिर ट्रस्ट को चार करोड़ रुपये का चेक सौंपा। महिला ने स्पष्ट किया था कि यह धनराशि मंदिर में कार्यरत कर्मचारियों और सेवादारों की सुविधाओं पर ही खर्च की जाए। इसके लिए उन्होंने ट्रस्ट से लिखित आश्वासन भी मांगा था। ट्रस्ट की ओर से इस आशय का लिखित आश्वासन फिलहाल नहीं दिया गया। इसके बाद महिला श्रद्धालु चेक ट्रस्ट को सौंपकर चेन्नई लौट गईं। इसके बाद ट्रस्ट ने चेक को बैंक में जमा कराने की प्रक्रिया शुरू की। बैंक स्तर पर खाते की पड़ताल में पता चला कि संबंधित खाते में महज तीन रुपये का बैलेंस है। ऐसे में चार करोड़ रुपये का चेक फिलहाल भुगतान की स्थिति में नहीं है। बैंकिंग प्रक्रिया के तहत चेक में अंकित धनराशि के सापेक्ष खाते में बैलेंस न होने पर बैंक की ओर से खाताधारक को इसकी सूचना दी जाती है। इसी क्रम में अब बैंक महिला को नोटिस भेजकर चेक जारी करने और खाते में पर्याप्त धनराशि नहीं होने के संबंध में जानकारी करेगा। वहीं, चेक बाउंस होने की स्थिति में कानूनी कार्रवाई भी बैंक कर सकता है। हालांकि ट्रस्ट अभी महिला श्रद्धालु से वार्ता करने का प्रयास कर रहा है।

एक साथ पूरे राज्य में पैसे देने की योजना अधर में, पहले की तरह अलग-अलग जिलों में ही जाएगा पैसा

नई दिल्ली/ जीएनएस। झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना में एक साथ पूरे राज्य की महिलाओं के खाते में पैसा डालने की योजना फिलहाल अधर में है। सितंबर-अक्टूबर से हर महीने एक विशेष दिन को 'मंईयां सम्मान दिवस' घोषित कर एक साथ राशि भेजने का विचार था, लेकिन अब यह संभव नहीं दिख रहा। फिलहाल पैसा पहले की तरह अलग-अलग जिलों में महिलाओं के खातों में जाएगा। योजना में कोई अन्य परिवर्तन नहीं होगा और झारखंड सरकार का प्रयास है कि पूर्व की भांति महिलाओं को नियमित रूप से सम्मान राशि मिलती रहे। वरिष्ठ पत्रकार राकेश परिहार बताते हैं कि राज्य सरकार का सबसे बड़ा पैसा इस योजना में जा रहा है। यह महिलाओं की जिंदगी में सकारातमक बदलाव रहा है। झामुमो सरकार की यह सबसे महत्वाकांक्षी योजना है। मगर इस बजट पर गंभीर संकट के बादल मंडरा रहे हैं। केंद्र सरकार द्वारा हाल ही में संसद से पारित खान और खनिज (विकास और विनियमन) संशोधन विधेयक, 2026 के कारण राज्य सरकार को खनन से होने वाले अतिरिक्त राजस्व में भारी कमी का अनुमान है। इससे महिलाओं को प्रतिमाह मिलने वाली सम्मान राशि प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। योजना के तहत राज्य की करीब 51 लाख पात्र महिलाओं (18 से 50 वर्ष आयु वर्ग) को हर महीने 2,500 रुपये सीधे बैंक खाते में दिए जा रहे हैं। यह राशि मुख्य रूप से झारखंड मिनरल बेयरिंग लैंड सेस एक्ट, 2024 के तहत खनिज-युक्त भूमि पर लगाए गए सेस से जुटाई जा रही थी।

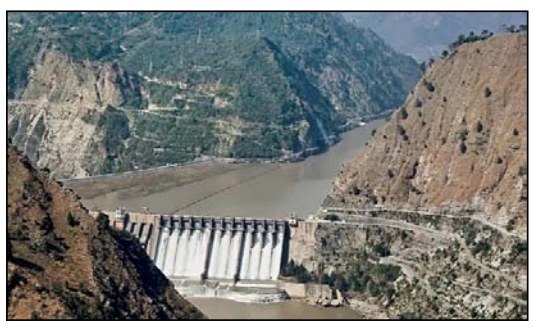

सिंधु जल संधि पर कोर्ट ऑफ ऑर्बिट्रेशन के फैसले को भारत ने किया खारिज, कहा- ये आपके अधिकार क्षेत्र में नहीं

नई दिल्ली/ जीएनएस। सिंधु जल संधि को लेकर कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन (अंतरराष्ट्रीय विवादों के लिए दुनिया का सबसे पुराना मंच) के ताजा फैसले को भारत ने सिरे से नकार दिया है।

विदेश मंत्रालय ने साफ किया है कि भारत ने इस फैसले को न सिर्फ पूरी तरीके से खारिज किया है बल्कि कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन की वैधता को नाकारा है।

भारत के कहा कि भारत के संप्रभु फैसलों पर किसी निकाय का कोई अधिकार क्षेत्र नहीं है। सोमवार को कोर्ट ऑफ आर्बिट्रेशन ने सिंधु जल संधि की स्थिति और अंतरिम उपायों से जुड़ा एक फैसला जारी किया है।

फैसले और कोर्ट को भारत ने किया खारिज- विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, इस तथाकथित कोर्ट का गठन वर्ल्ड बैंक ने संधि की शर्तों का साफ तौर पर उल्लंघन करते हुए किया था।

भारत इसके तथाकथित फैसले को पूरी तरह से खारिज करता है, ठीक वैसे ही जैसे उसने इस गैर-कानूनी ढंग से गठित संस्था के पहले के सभी फैसलों को खारिज किया है।

आर्बिट्रल का गठन ही सिंधु जल संधि का उल्लंघन- बयान में इस बात पर भी जोर दिया गया है कि भारत ने कभी भी कानून की नजर में इस गैर-कानूनी ढंग से गठित संस्था के अस्तित्व को मान्यता नहीं दी है, और हमेशा यही कहा है कि इस तथाकथित आर्बिट्रल संस्था का गठन ही सिंधु जल संधि का उल्लंघन है।

बयान में कहा गया, इसीलिए, भारत कभी भी इस संस्था के सामने पेश नहीं हुआ और उसने इसके पहले के फैसलों पर कोई ध्यान नहीं दिया है।

पार्टी में दोस्त ने खा लिए ज्यादा चिकन के पीस, गुस्साए साथी ने कर दी हत्या; कर्नाटक में सनसनीखेज मामला

बेंगलुरु/ जीएनएस। कर्नाट के बेलगावी से एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां एक पार्टी के दौरान चिकन के टुकड़े को लेकर हुए विवाद में एक युवक की हत्या कर दी गई।

यह घटना मुदलागी तालुक के हुनाश्याल पीजी गांव की है। उत्तर प्रदेश के रहने वाले दो दोस्तों के बीच पार्टी के दौरान शुरू हुई कहासुनी खूनी संघर्ष में बदल गई।

मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के पीलीभीत जिले के कबीरगंज गांव के रहने वाले सीताराम के तौर पर हुई है। वह मुदलागी की प्रिया स्टील कंपनी में काम करता था, साथ ही आरोपी अरुण कुमार भी वहीं काम करता था, जो कबीरगंज का ही रहने वाला है।

पुलिस के अनुसार, दोनों दोस्त एक साथ पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान थाली में रखे चिकन को टुकड़ों को लेकर दोनों के बीच बहस छिड़ गई। आरोपी अरुण का आरोप था कि सीताराम उससे ज्यादा चिकन के टुकड़े खा रहा है।

देखते ही देखते यह मामूली नोक-झोंक इतनी बढ़ गई कि गुस्से में आकर अरुण ने चाकू निकालकर सीताराम के सीने में घोंप दिया।

इस वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी ने मामले को छिपाने की साजिश रची। वह गंभीर रूप से घायल हुए सीताराम को तुरंत गोकक सरकारी अस्पताल ले गया। वहां उसने डॉक्टरों से झूठ बोला कि सीताराम किसी इमारत से गिरकर घायल हुआ है।

एग्जाम रिफॉर्म्स के बाद स्कूल ठीक करो अभियान, क्या CJP बदल रही देश की सियासत का एजेंडा?

नई दिल्ली/ जीएनएस। कॉलेजों से लेकर प्राइमरी स्कूलों तक और जंतर-मंतर से लेकर देश के गांवों तक, हर तरफ छात्रों का विरोध-प्रदर्शन देखने को मिल रहा है।

कॉकरोच जनता पार्टी के स्कूल ठीक करो अभियान ने देश भर में सरकारी स्कूलों की बदहाली को चर्चा के केंद्र में ला खड़ा किया है।

इससे पहले NEET पेपर लीक मामले में Gen Z युवाओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग उठाई थी। अब उसी राह पर चलते हुए छोटे-छोटे स्कूली बच्चों ने भी बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर और सरकारी जवाबदेही को लेकर सड़कों पर मोर्चा संभाल लिया है।

CJP का सोशल ऑडिट- CJP ने अपनी मुहिम के तहत सोशल मीडिया पर देश भर के बदहाल सरकारी स्कूलों के फोटो और वीडियो अपलोड करना शुरू किया, जिसने कई राज्य सरकारों के दावों की पोल खोल दी। हालांकि, CJP की टीमों का ग्राउंड वर्क के दौरान कई राज्यों के प्रशासन से सीधा टकराव भी हुआ।

राजस्थान में CJP के इस अभियान के चलते राज्य शिक्षा विभाग ने तुरंत प्रभाव से सरकारी स्कूलों में बाहरी लोगों और मीडिया के प्रवेश पर कड़े नियम लागू कर दिए। बिना प्रिंसिपल की पूर्व अनुमति के फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी या लाइव स्ट्रीमिंग पर रोक लगा दी गई।

इसी कड़ी में 21 अगस्त को जब CJP की एक टीम राजस्थान के एक स्कूल का निरीक्षण करने पहुंची, तो वहां स्थानीय लोगों के साथ उनकी तीखी बहस, धक्का-मुक्की और पत्थरबाजी की घटनाएं सामने आईं।

यूपी से महाराष्ट्र तक छात्रों का गुस्सा- उत्तर प्रदेश में सरकारी स्कूलों की खस्ताहाली को लेकर बच्चे खुद सड़कों पर उतर आए।

कश्मीर में MBBS इंटर्न्स का फूटा गुस्सा, स्टाइपेंड 30 हजार करने की मांग

श्रीनगर/ जीएनएस। भत्ते में बढ़ोतरी की मांग को लेकर जम्मू-कश्मीर के कई सरकारी मेडिकल कालेजों और अस्पतालों में एमबीबीएस इंटर्न्स ने सोमवार को मिलकर प्रदर्शन शुरू किया। उनकी मांग है कि उनके मौजूदा मासिक भत्ते को बढ़ाकर 30,000 किया जाए। जानकारी के अनुसार इंटर्नस ने श्रीनगर, बारामूला, हंदवाड़ा, अनंतनाग, में उक्त मांग को लेकर प्रदर्शन किया। श्रीनगर के बेमिना इलाके में स्थित जेवीसी कालेज में प्रदर्शन कर रहे इंटर्न्स ने कहा कि जब तक अधिकारी उनकी मांग नहीं मानते, उनका प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा, हमारी क्लिनिकल ज़िम्मेदारियों, काम के बोझ और बढ़ते रहने के खर्च को देखते हुए मौजूदा भत्ता काफी नहीं है। उन्होंने कहा कि इंटर्न रेगुलर तौर पर इमरजेंसी डिपार्टमेंट, वार्ड, आपरेटिंग थिएटर और आईसीयू में तैनात होते हैं और अपनी ज़रूरी इंटर्नशिप के दौरान मरीज़ों की देखभाल में सीनियर डॉक्टरों की मदद करते हैं।

साड़ी पहन नंगे पैर दौड़ी 47 साल की मां, बेटी की फीस भरने के लिए जीता 3 हजार रुपये का इनाम

मुंबई/ जीएनएस। वो मां है, कुछ भी कर सकती है। ये बात एक बार फिर साबित हुई है। महाराष्ट्र के बीड जिले के अंबाजोगाई की रहने वाली 47 साल की महिला ने एक ऐसी मिसाल पेश की है, जो मां के दृढ़ संकल्प की कहानी बयां करती है।

रमाबाई रणवीर नाम की महिला ने अपनी बेटी की स्कूल फीस भरने के लिए मैराथन में हिस्सा लिया। रमाबाई ने न सिर्फ हिस्सा लिया, बल्कि ये दौड़ भी जीती।

रमाबाई की जीत में मां का समर्पण- रमाबाई रणवीर की ये जीत और भी खास इसलिए थी, जहां बाकी लोग स्पोर्ट्स शूज और ट्रैक सूट पहनकर मैराथन में दौड़ रहे थे, वहीं रमाबाई साड़ी पहने नंगे पैर इस दौड़ में उतरीं और मैराथन जीत ली। रमाबाई ने भारतीय शिक्षण प्रसारक संस्था के खोलेश्वर एजुकेशनल कॉम्प्लेक्स के अमृत महोत्सव समारोह के तहत आयोजित अमृत दौड़ में हिस्सा लिया था। उन्होंने दौड़ जीती और 3,000 रुपये का नकद इनाम जीता, जिसका इस्तेमाल वह अपनी बेटी की पढ़ाई के लिए करेंगी।

यह मैराथन अंबाजोगाई में आयोजित की गई थी और छत्रपति शिवाजी महाराज चौक से शुरू होकर भाग्यनगर चौक पर खत्म हुई। इस दौड़ में बड़ी संख्या में स्थानीय युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया।

साधारण वेशभूषा असाधारण काम- रमाबाई रणवीर साधारण साड़ी और चप्पल पहनकर कार्यक्रम स्थल पर पहुंची थीं। वह एक आम प्रतिभागी के तौर पर प्रतियोगिता में शामिल हुई थीं। दौड़ से पहले रमाबाई को देखकर कोई नहीं कह सकता था कि वो ये दौड़ जीतेंगी, लेकिन आखिर में वो ही विजेता बनीं।

जब दौड़ शुरू हुई, तो रमाबाई पूरे संकल्प के साथ दौड़ीं, लेकिन दौड़ के दौरान उनकी चप्पलें फिसलने लगीं और उनकी रफ्तार पर असर पड़ा। रुकने के बजाय, उन्होंने चप्पलें उतारकर अपने हाथों में ले लीं और नंगे पैर दौड़ना जारी रखा।

पीएम मोदी और पुतिन की मुलाकात, तेल-गैस से ईरान युद्ध समेत कई मुद्दों पर थोड़ी देर में होगी चर्चा

नई दिल्ली/ जीएनएस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उज्बेकिस्तान की दो दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद रविवार को किर्गिस्तान की राजधानी बिश्केक पहुंचे। यहां पीएम मोदी की मुलाकात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से होने वाली है।

पीएम मोदी शंघाई सहयोग संगठन के 26वें शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए किर्गिस्तान गए हैं। इस संगठन को बने 25 साल पूरे हो गए हैं। यह दो दिवसीय शिखर सम्मेलन 31 अगस्त और 1 सितंबर को आयोजित किया गया है।

पीएम मोदी और पुतिन की होगी मुलाकात - मध्य एशिया में हो रहे इस शिखर सम्मेलन में देश-दुनिया के कई बड़े नेता शिरकत करने वाले हैं। इसी सम्मेलन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति पुतिन की मुलाकात होने वाली है। दोनों देशों के नेताओं के बीच तेल-गैस की सप्लाई से ले मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध और रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर भी चर्चा हो सकती है।

रूसी राष्ट्रपति से मिलने से पहले स्ट्ह समिट के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात आर्मेनिया के प्रधानमंत्री निकोल पाशिन्यान से हुई। पीएम मोदी ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान से भी मिले।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पीएम मोदी के दौरे के बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर जानकारी देते हुए बताया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 26वें स्ट्ह लीडरशिप समिट में हिस्सा लेने के लिए बिश्केक पहुंच गए हैं। एयरपोर्ट पर किर्गिज गणराज्य के कैबिनेट ऑफ मिनिस्टर्स के चेयरमैन, आदिलबेक कासिमालीव ने प्रधानमंत्री का स्वागत किया।

रणधीर जायसवाल ने शिखर सम्मेलन के बारे में जानकारी देते हुए बताया, स्ट्ह समिट क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर बातचीत और सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए दस सदस्य देशों, पंद्रह पार्टनर देशों और दो ऑब्जर्वर देशों को एक साथ लाता है।

विकसित भारत के संकल्प से जोड़ें सेवा-सुशासन की 25 वर्षों की यात्रा : शिवप्रकाश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री श्री शिवप्रकाश एवं मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को ओरछा में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक के दूसरे दिन विभिन्न सत्रों को संबोधित किया। श्री शिवप्रकाश ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 25 वर्षों की यात्रा को विकसित भारत के संकल्प से जोड़कर आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जनता की सेवा ही नारायण सेवा है और इसी भाव के साथ संगठन का विस्तार जन-जन तक किया जाना चाहिए।

श्री शिवप्रकाश ने कहा कि संत शिरोमणि रविदास महाराज की 650वीं जयंती के अवसर पर चल रहे 'समरसता संकल्प' के कार्यक्रमों को सत्ता और संगठन मिलकर व्यापक स्तर पर आयोजित करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से उनकी 25 वर्षों की लोकसेवा यात्रा और देश में हुए परिवर्तन को जनता तक पहुंचाया जाएगा। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार स्वतंत्रता से पहले देश के सामने आजादी का स्पष्ट लक्ष्य था, उसी प्रकार आज विकसित भारत का लक्ष्य सामने है। विकसित भारत का संकल्प अब केवल भाजपा या सरकार का नहीं, बल्कि देशवासियों का संकल्प बन चुका है।

उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक जीवन की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 1974 के गुजरात छात्र आंदोलन से शुरू हुई उनकी यात्रा 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री बनने के बाद नए दायित्वों के साथ आगे बढ़ी। गुजरात में भूकंप जैसी आपदा के दौरान नेतृत्व से लेकर सरदार सरोवर बांध जैसी लंबित परियोजनाओं को पूरा करने तक उनकी कार्यशैली संकल्प और सिद्धि की यात्रा रही है। उन्होंने सिकल सेल एनीमिया के उन्मूलन के संकल्प और इस दिशा में किए जा रहे प्रयासों का भी उल्लेख किया।

श्री शिवप्रकाश ने कहा कि वर्ष 2012 के आसपास देश में निराशा का वातावरण था, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आशा के रूप में सामने आए। उनके नेतृत्व में समाज के विभिन्न वर्गों को सम्मान और प्रतिष्ठा दिलाने, महिलाओं की बैंकिंग एवं आर्थिक भागीदारी बढ़ाने तथा देश में अधोसंरचना और आर्थिक गतिविधियों के विस्तार की दिशा में कार्य हुआ। उन्होंने धारा 370 हटाने और ऑपरेशन सिंदूर का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसे निर्णय देश की दृढ़ इच्छाशक्ति और मजबूत नेतृत्व को दर्शाते हैं।

उन्होंने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि स्टार्टअप के माध्यम से युवाओं को नए अवसर मिले हैं, भारत रक्षा उपकरणों का निर्यात कर रहा है और कई देशों में भारतीय यूपीआई का उपयोग हो रहा है। 'वोकल फॉर लोकल' के माध्यम से स्थानीय उत्पादों और उद्यमियों को प्रोत्साहन मिला है। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर भारत का अर्थ केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता नहीं, बल्कि देश की क्षमता और सामर्थ्य को विश्व के सामने स्थापित करना भी है।

श्री शिवप्रकाश ने कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संगठन के प्रति समर्पण और कार्यकर्ता निर्माण की प्रेरणा लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बूथ स्तर तक के कार्यकर्ताओं से संवाद करते हैं और कार्यकर्ताओं को आगे बढ़ाने में उनकी भूमिका प्रेरणादायी है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से भारत के हित को सर्वोच्च मानकर विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में पूरी शक्ति से जुटने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कांग्रेस पर समाज में वर्ग संघर्ष बढ़ाने का आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा सामाजिक समरसता और 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश सरकार ने अलग-अलग वर्षों को विशेष प्राथमिकताओं के लिए समर्पित किया है। वर्ष 2025 को 'उद्योग वर्ष' और वर्ष 2026 को 'किसान कल्याण वर्ष' के रूप में मनाया जा रहा है, जबकि वर्ष 2027 को माता-बहनों के सशक्तिकरण और कल्याण के लिए समर्पित किया जाएगा।

डॉ. यादव ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं के सम्मान और आत्मनिर्भरता के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि लाड़ली बहना योजना के तहत 1 करोड़ 25 लाख बहनों के खातों में लगातार राशि पहुंचाई जा रही है और अब तक 55 हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं को आर्थिक सहायता के साथ रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ने की दिशा में भी काम कर रही है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के बजट, बिजली, शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में प्रगति का दावा करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का बजट अब 4.38 लाख करोड़ रुपये और बिजली उत्पादन क्षमता 31 हजार मेगावाट तक पहुंच गई है। एमबीबीएस सीटों की संख्या बढ़कर 6250 और मेडिकल कॉलेजों की संख्या 39 हो गई है। उन्होंने कहा कि दो वर्षों में ढाई लाख पदों पर भर्ती का लक्ष्य रखा गया है, जबकि पुलिस सहित विभिन्न विभागों में भर्ती प्रक्रियाएं जारी हैं।

डॉ. यादव ने केन-बेतवा नदी जोड़ो परियोजना को बुंदेलखंड के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इससे सिंचाई, पेयजल, उद्योग और बिजली के क्षेत्र में क्षेत्र की तस्वीर बदलने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 को कृषक कल्याण वर्ष के रूप में मनाते हुए किसानों की आय, सिंचाई, बिजली और कृषि उत्पादन बढ़ाने के लिए लगातार निर्णय लिए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन, सड़क, विमानन और शहरी अधोसंरचना के क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। दतिया, सतना और रीवा में नए एयरपोर्ट शुरू होने, होमस्टे योजना से स्थानीय रोजगार बढ़ने तथा भोपाल, इंदौर और उज्जैन को मेट्रोपॉलिटन क्षेत्र के रूप में विकसित करने की दिशा में कार्य का उल्लेख उन्होंने किया। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 3.62 लाख से अधिक जल संरचनाओं पर कार्य होने की जानकारी भी दी गई।

बैठक के दौरान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले 'सेवा संकल्प अभियान' को लेकर कार्यशाला भी आयोजित हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि अभियान का उद्देश्य केंद्र सरकार के सेवा, सुशासन और जनकल्याण के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। भाजपा की राष्ट्रीय मंत्री एवं सांसद सुश्री कविता पाटीदार तथा प्रदेश महामंत्री श्री राहुल कोठारी ने प्रस्तुति के माध्यम से अभियान के तहत प्रस्तावित कार्यक्रमों और गतिविधियों की रूपरेखा रखी।

18.89 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ आदतन आरोपी राहुल सौदागर गिरफ्तार

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 18.89 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है। जब्त मादक पदार्थ की अनुमानित कीमत करीब 1.80 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी राहुल सौदागर पूर्व से आपराधिक प्रवृत्ति का है और उसके खिलाफ आबकारी तथा एनडीपीएस एक्ट सहित कई अपराध दर्ज हैं। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त अपराध के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और इनके नेटवर्क से जुड़े आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 31 अगस्त को क्राइम ब्रांच की टीम मादक पदार्थों के संदिग्धों की पतारसी के लिए पंचमुखी हनुमान मंदिर रोड, अरविंदो लवकुश चौराहा पहुंची थी। इस दौरान पुलिस टीम को सड़क किनारे सुनसान स्थान पर एक व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में खड़ा दिखाई दिया। पुलिस ने घेराबंदी कर उसे रोका और पूछताछ की। उसने अपना नाम राहुल सौदागर, निवासी छत्रीपुरा, इंदौर बताया। पंचों के समक्ष विधिवत तलाशी लेने पर उसके पास से 18.89 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर मादक पदार्थ जब्त कर लिया गया। पुलिस के अनुसार राहुल सौदागर ई-रिक्शा चलाने का काम करता है। उसके खिलाफ पहले से छत्रीपुरा, अपराध शाखा और छोटी ग्वालटोली थानों में एनडीपीएस एक्ट तथा आबकारी एक्ट के कई मामले दर्ज हैं। इनमें वर्ष 2020 में आबकारी एक्ट, वर्ष 2021 और 2022 में एनडीपीएस एक्ट एवं आबकारी एक्ट तथा वर्ष 2025 और 2026 में एनडीपीएस एक्ट के प्रकरण शामिल हैं। क्राइम ब्रांच द्वारा आरोपी से मादक पदार्थ की प्राप्ति और उसके नेटवर्क के संबंध में पूछताछ की जा रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी से मिली जानकारी के आधार पर अन्य संलिप्त व्यक्तियों और अवैध मादक पदार्थों के नेटवर्क के संबंध में विस्तृत जांच जारी है। कार्रवाई में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के नेतृत्व में टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

ट्रैफिक सुधार के लिए आयुक्त ने चौराहों का किया निरीक्षण, लेफ्ट टर्न विकास के दिए निर्देश

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में ट्रैफिक व्यवस्था को बेहतर बनाने के उद्देश्य से आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल ने सोमवार को विभिन्न प्रमुख चौराहों का निरीक्षण किया। उन्होंने लेफ्ट टर्न और चौराहा विकास कार्यों की स्थिति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। आयुक्त ने तीन इमली, चाणक्यपुरी और रसोमा चौराहे पर लेफ्ट टर्न विकसित करने तथा तीन इमली चौराहे पर सिग्नल लगाने के निर्देश दिए। आयुक्त ने तीन इमली ब्रिज के नीचे, अन्नपूर्णा चौराहा, हरसिद्धि चौराहा, नगर निगम चौराहा, रसोमा चौराहा, मैकेनिक नगर और न्यू पलासिया चौराहे का निरीक्षण किया।

जंजीरवाला चौराहे से लक्ष्मी मेमोरियल तक सड़क का काम अंतिम दौर में

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। पूर्वी इंदौर को बेहतर कनेक्टिविटी देने वाली जंजीरवाला चौराहे से लक्ष्मी मेमोरियल होते हुए अटल द्वार तक बनने वाली महत्वपूर्ण सड़क का निर्माण अब अंतिम दौर में पहुंच गया है। महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने सोमवार को निर्माणाधीन सड़क का निरीक्षण किया और जंजीरवाला चौराहे से लक्ष्मी मेमोरियल हॉस्पिटल तक सड़क निर्माण का शेष कार्य आगामी दो माह में पूरा करने के निर्देश संबंधित एजेंसी को दिए। काम में तेजी लाने के लिए रात्रि में भी निर्माण कार्य जारी रखने को कहा गया।

निरीक्षण के दौरान महापौर ने सड़क निर्माण की प्रगति के साथ इससे जुड़े अन्य जरूरी कार्यों की भी जानकारी ली। सड़क के साथ वॉटर लाइन, सीवरेज, केबलिंग और विद्युत संबंधी कार्य किए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में यूटिलिटी के लिए सड़क को दोबारा खोदने की जरूरत न पड़े। उन्होंने सभी यूटिलिटी कार्यों को भी शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। महापौर ने अधिकारियों और निर्माण एजेंसी के पदाधिकारियों से कहा कि शेष निर्माण कार्य को तेजी से पूरा किया जाए, लेकिन सड़क की गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता नहीं होना चाहिए। लंबे समय से प्रस्तावित इस सड़क का निर्माण अब लगभग पूर्ण होने की स्थिति में है, जिससे क्षेत्र के रहवासियों को बेहतर आवागमन सुविधा मिलने की उम्मीद है। पूर्वी इंदौर के लिए यह सड़क यातायात की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। सड़क शुरू होने के बाद क्षेत्र से आने-जाने वाले वाहनों को एक वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा।

शातिर वाहन चोर चंदन नगर पुलिस की गिरफ्त में, चार ऑटो रिक्शा बरामद

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में वाहन चोरी, चोरी और नकबजनी की वारदातों पर नियंत्रण के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत चंदन नगर पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से चोरी किए गए चार ऑटो रिक्शा बरामद किए गए हैं, जिनकी कुल अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपये है। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे की लत पूरी करने के लिए वाहन चोरी की वारदातों को अंजाम देता था।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री सुनील मेहता और अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जोन-4 श्री दिशेष अग्रवाल के मार्गदर्शन तथा सहायक पुलिस आयुक्त अन्नपूर्णा श्री शिवेंदु जोशी के नेतृत्व में कार्रवाई की गई। चंदन नगर थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले ने वाहन चोरी, चोरी एवं नकबजनी में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ के लिए टीम गठित कर लगातार गोपनीय सूचनाएं जुटाई जा रही थीं।

इसी दौरान पुलिस टीम को मुखबिर से सूचना मिली कि 20 अगस्त को रॉयल रेसीडेंसी के पास नूरानी नगर मेन रोड से चोरी हुए ऑटो रिक्शा को चुराने वाला व्यक्ति स्कीम नंबर 71 स्थित झोपड़पट्टी के पास खड़ा है। सूचना के आधार पर पुलिस ने घेराबंदी कर संदिग्ध को पकड़ा। पूछताछ में उसने अपना नाम फरीद खान, उम्र 28 वर्ष, निवासी असरफी नगर, खजराना, इंदौर बताया।

पुलिस के अनुसार पूछताछ में आरोपी ने 20 अगस्त को रॉयल रेसीडेंसी के पास नूरानी नगर मेन रोड से ऑटो रिक्शा क्रमांक MP09R8140 चोरी करना स्वीकार किया। इसके अलावा उसने ग्रीन पार्क से ऑटो रिक्शा क्रमांक MP09R5798, आजाद नगर से MP09RA3510 और नूरी कॉलोनी, जूनी इंदौर से MP09क्र6958 चोरी करना भी बताया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चारों ऑटो रिक्शा बरामद कर लिए हैं।

बरामद ऑटो रिक्शाओं में चंदन नगर थाने के अपराध क्रमांक 1028/26 और 962/26 से संबंधित दो वाहन, आजाद नगर थाने के अपराध क्रमांक 492/26 से संबंधित एक वाहन तथा जूनी इंदौर थाना क्षेत्र से चोरी किया गया एक ऑटो रिक्शा शामिल है। सभी वाहनों की कुल अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस के मुताबिक आरोपी के खिलाफ पहले से खजराना, आजाद नगर और चंदन नगर थानों में करीब छह अपराध पंजीबद्ध हैं। आरोपी को चंदन नगर थाने में दर्ज वाहन चोरी के मामले में गिरफ्तार कर लिया गया है। उससे वाहन चोरी, चोरी और नकबजनी की अन्य वारदातों के संबंध में पूछताछ की जा रही है।

कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक तिलक कारोले, प्रधान आरक्षक रामचंद्र सोलंकी, बलराम चौहान, जितेंद्र सोलंकी तथा आरक्षक धीरज पाण्डेय, अनिल मकवाना और अरुण जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

39.95 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ चार आरोपी गिरफ्तार, दो मोटरसाइकिलें भी जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त और तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत क्राइम ब्रांच इंदौर ने चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से कुल 39.95 ग्राम ब्राउन शुगर और दो मोटरसाइकिलें जब्त की गई हैं। जब्त सामग्री की कुल अनुमानित कीमत करीब 5.40 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी पूर्व से आपराधिक प्रवृत्ति के हैं और उनके खिलाफ विभिन्न थानों में गंभीर धाराओं के कई अपराध दर्ज हैं।

पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर के निर्देश पर पुलिस उपायुक्त अपराध के मार्गदर्शन में क्राइम ब्रांच द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी और इससे जुड़े आरोपियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 31 अगस्त को क्राइम ब्रांच की टीम मादक पदार्थों के संदिग्धों की पतारसी के लिए एमआर-10 रोड स्थित मेट्रो पोल नंबर ष्टक्क330 के सामने सर्विस रोड पर पहुंची थी।

इस दौरान पुलिस टीम को दो मोटरसाइकिलों पर चार व्यक्ति संदिग्ध अवस्था में बैठे दिखाई दिए। घेराबंदी कर पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम अभिजीत उर्फ चालीस, चंद्रशेखर उर्फ अतुल, विशेष उर्फ बच्चू और गोपाल उर्फ धोड़ बताए। पंचों के समक्ष विधिवत तलाशी लेने पर अभिजीत और चंद्रशेखर के पास से 18.10 ग्राम तथा विशेष और गोपाल के पास से 21.85 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। इस तरह आरोपियों के कब्जे से कुल 39.95 ग्राम अवैध मादक पदार्थ बरामद किया गया।

पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर ब्राउन शुगर के साथ दो हीरो स्प्लेंडर मोटरसाइकिलें भी जब्त की हैं। ब्राउन शुगर की अनुमानित कीमत करीब चार लाख रुपये और दोनों मोटरसाइकिलों की अनुमानित कीमत करीब 1.40 लाख रुपये बताई गई है।

गिरफ्तार आरोपियों में अभिजीत उर्फ चालीस थाना बाणगंगा क्षेत्र का निवासी है और दसवीं कक्षा तक पढ़ा है। वह वर्तमान में बेरोजगार बताया गया है। चंद्रशेखर उर्फ अतुल भी बाणगंगा थाना क्षेत्र का निवासी है। वह 12वीं तक शिक्षित है और मीशो कंपनी में पार्सल डिलीवरी का काम करता है। विशेष उर्फ बच्चू बाणगंगा क्षेत्र का निवासी है, जिसने सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की है और ठेले पर फल बेचने का काम करता है। गोपाल उर्फ धोड़ भी बाणगंगा क्षेत्र का निवासी है तथा आठवीं कक्षा तक शिक्षित है और ड्राइविंग का काम करता है।

पुलिस के मुताबिक आरोपियों में गोपाल उर्फ धोड़ के खिलाफ चोरी, नकबजनी और आर्म्स एक्ट सहित वर्ष 2015 से कई अपराध दर्ज हैं। विशेष उर्फ बच्चू के खिलाफ मल्हारगंज, तुकोगंज, विजयनगर और बाणगंगा सहित विभिन्न थानों में चोरी, लूट, मारपीट, आर्म्स एक्ट, आगजनी और एनडीपीएस एक्ट के कई प्रकरण दर्ज हैं। अभिजीत उर्फ चालीस के खिलाफ भी बाणगंगा और मल्हारगंज थानों में मारपीट, आर्म्स एक्ट, चोरी, लूट और एनडीपीएस एक्ट सहित कई मामले पंजीबद्ध होना पाए गए हैं। चंद्रशेखर उर्फ अतुल के आपराधिक रिकॉर्ड का विस्तृत विवरण उपलब्ध जानकारी में नहीं दिया गया है।

क्राइम ब्रांच के अनुसार आरोपियों से पूछताछ के आधार पर अवैध मादक पदार्थों की सप्लाई से जुड़े अन्य लोगों और नेटवर्क के संबंध में जांच की जा रही है। कार्रवाई में क्राइम ब्रांच थाना प्रभारी के नेतृत्व में पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। क्राइम ब्रांच इंदौर के अनुसार वर्ष 2026 में 1 जनवरी से 31 अगस्त तक एनडीपीएस एक्ट के तहत 64 प्रकरणों में 134 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। इन कार्रवाइयों में 2.95816 किलोग्राम एमडी ड्रग्स, 28.338 किलोग्राम गांजा, 500 किलोग्राम भांग, 327.42 ग्राम ब्राउन शुगर और 10 ग्राम कोकीन सहित करीब 3 करोड़ 64 लाख 28 हजार रुपये मूल्य के मादक पदार्थ एवं वाहन जब्त किए गए हैं।

आदतन अपराधियों पर पुलिस कमिश्नर का सख्त प्रहार, 12 बदमाशों पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कानून-व्यवस्था बनाए रखने और अपराध एवं अपराधियों पर प्रभावी नियंत्रण के उद्देश्य से इंदौर पुलिस ने आदतन एवं सक्रिय अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की है। पुलिस आयुक्त नगरीय इंदौर श्री संतोष कुमार सिंह के निर्देशन में की गई कार्रवाई के तहत सात कुख्यात बदमाशों को जिलाबदर किया गया है, जबकि पांच अन्य आदतन अपराधियों के खिलाफ निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं।

विभिन्न जोन के पुलिस अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदनों के परीक्षण और प्रकरणों के विचारण के बाद पुलिस आयुक्त ने मध्यप्रदेश राज्य सुरक्षा अधिनियम, 1990 के तहत यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार संबंधित बदमाश लंबे समय से आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहे हैं और इनके खिलाफ शहर के विभिन्न थाना क्षेत्रों में गंभीर धाराओं में कई अपराध दर्ज हैं। पूर्व में प्रतिबंधात्मक कार्रवाई के बावजूद आपराधिक गतिविधियों में सुधार नहीं होने तथा लोकशांति प्रभावित होने के कारण इनके खिलाफ यह कदम उठाया गया।

जिलाबदर किए गए बदमाशों में अरबाज खान उर्फ एहमद, अब्दुल रहीम उर्फ बाला, विशाल उर्फ पप्पी, विशाल उर्फ गोयल, पार्थ माकरड़, आकाश विसोटिया और राजा उर्फ विशाल राठौर शामिल हैं। इनमें अरबाज खान उर्फ एहमद, विशाल उर्फ पप्पी और पार्थ माकरड़ को छह-छह माह के लिए, जबकि अब्दुल रहीम उर्फ बाला, विशाल उर्फ गोयल, आकाश विसोटिया और राजा उर्फ विशाल राठौर को तीन-तीन माह के लिए जिलाबदर किया गया है।

इन सातों बदमाशों को निर्धारित अवधि तक जिला इंदौर की नगरीय एवं ग्रामीण सीमा तथा उससे लगे सीमावर्ती जिलों की राजस्व सीमाओं से बाहर रहने के आदेश दिए गए हैं। इसी क्रम में पांच अन्य आदतन अपराधियों पर निर्बंधन आदेश जारी किए गए हैं। इनमें राऊ थाना क्षेत्र के संतोष बागरी, राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र के सुभाष जाटव, संयोगितागंज थाना क्षेत्र के हरदीप बारबर, भंवरकुआं थाना क्षेत्र के हिमांशु दतोदिया और परदेशीपुरा थाना क्षेत्र के गणेश उर्फ बाड़ा शामिल हैं। संतोष बागरी, सुभाष जाटव, हरदीप बारबर और हिमांशु दतोदिया को एक-एक वर्ष तथा गणेश उर्फ बाड़ा को छह माह की अवधि के लिए निर्बंधित किया गया है।

निर्बंधन आदेश के तहत संबंधित बदमाशों को निर्धारित अवधि तक संबंधित थाना क्षेत्र में नियमित हाजिरी देना अनिवार्य होगा। उन्हें किसी भी अवैध अथवा आपराधिक गतिविधि में संलिप्त नहीं होने और लोकशांति एवं कानून-व्यवस्था भंग करने वाली गतिविधियों से दूर रहने के निर्देश दिए गए हैं। आदेश में निर्धारित अन्य प्रतिबंधात्मक शर्तों का पालन करना भी अनिवार्य होगा। पुलिस के अनुसार यदि किसी बदमाश द्वारा निर्बंधन आदेश की शर्तों का उल्लंघन किया जाता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कठोर वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। इन प्रकरणों में शासन की ओर से एडीपीओ श्री अजय प्रताप बुंदेला ने पैरवी की।

यातायात व्यवस्था सुचारु बनाने निगम की बड़ी कार्रवाई, 9 टन से अधिक सामग्री जब्त

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर और सुचारु बनाने तथा आम नागरिकों के आवागमन को आसान करने के उद्देश्य से नगर निगम ने फुटपाथ और दुकानों के बाहर सामान रखकर व्यापार करने वालों के खिलाफ रिमूव्हल कार्रवाई तेज कर दी है।

आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशानुसार निगम के रिमूव्हल विभाग ने सोमवार को शहर के प्रमुख मार्गों पर कार्रवाई करते हुए 9 टन से अधिक सामग्री जब्त की। निगम की टीम ने शास्त्री ब्रिज से रिवर साइड तथा मृगनयनी चौराहा से रीगल चौराहा तक सड़क और फुटपाथ पर सामान रखकर अतिक्रमण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की। इस दौरान फुटपाथ और दुकानों के बाहर रखा सामान, स्टैंड सहित करीब 6 टन सामग्री जब्त की गई। इसके साथ ही अवैध रूप से बनाए गए स्टैंड, ओटले और अन्य अस्थायी अतिक्रमण भी हटाए गए।

प्लास्टिक से हरियाली की ओर इंदौर, 12 दिनों में 2.1 टन सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्र

इंदौर/ हर्ष कुशवाहा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी की दिशा में इंदौर ने एक और मिसाल कायम की है। नगर निगम द्वारा 20 से 31 अगस्त तक शहर के 15 RRR केंद्रों पर चलाए गए आधा किलो प्लास्टिक लाओ, एक पौधा ले जाओ अभियान में 12 दिनों के दौरान 4,644 नागरिकों ने सहभागिता की और 2,196 किलोग्राम यानी करीब 2.1 टन सिंगल यूज प्लास्टिक जमा किया। इसके बदले नागरिकों को 4,041 पौधे वितरित किए गए।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव और आयुक्त श्री क्षितिज सिंघल के निर्देशन में संचालित इस अभियान का समापन सोमवार को रीजनल पार्क में "Give Plastic, Get Plant – Walk for a Greener Tomorrow" कार्यक्रम के साथ हुआ। समापन कार्यक्रम में नागरिक और विद्यार्थी अपने साथ प्लास्टिक लेकर पहुंचे। इस दौरान 360 किलोग्राम प्लास्टिक एकत्र किया गया और प्रतिभागियों को 600 पौधे वितरित किए गए।

महापौर श्री पुष्यमित्र भार्गव ने पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता करने वाले नागरिकों को MyBharat Portal, GOI के माध्यम से "Green Warrior Medal" से सम्मानित किया। कार्यक्रम में स्वास्थ्य प्रभारी श्री अश्विनी शुक्ल, अपर आयुक्त श्री प्रखर सिंह, स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर श्रीमती आरती माहेश्वरी, श्री प्रबल जैन एवं आरजे विनी उपस्थित रहे।

महापौर श्री भार्गव ने कहा कि इंदौर स्वच्छता के साथ पर्यावरण संरक्षण और जनभागीदारी के क्षेत्र में भी नए उदाहरण स्थापित कर रहा है। प्लास्टिक कचरे के उचित प्रबंधन को हरियाली से जोड़ने वाली यह पहल नागरिकों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

अभियान के दौरान प्रतिदिन औसतन करीब 325 नागरिक इससे जुड़े। 15 क्रक्रक केंद्रों से प्राप्त आंकड़ों के अनुसार प्रतिदिन लगभग 150 किलोग्राम प्लास्टिक एकत्र किया गया और करीब 287 पौधों का वितरण हुआ। अभियान में जनप्रतिनिधियों ने भी सक्रिय सहभागिता की। विभिन्न दिनों में 61 जनप्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया, जबकि उनके सहयोग और समर्थन से संबंधित 43 योगदान दर्ज किए गए।

23 अगस्त अभियान का सबसे सक्रिय दिन रहा। इस दिन 689 नागरिकों ने सहभागिता की और 340 किलोग्राम सिंगल यूज प्लास्टिक एकत्र किया गया। इसके बदले 656 पौधे वितरित किए गए। अभियान के दौरान नागरिक लगातार अपने घरों से प्लास्टिक लेकर RRR केंद्रों तक पहुंचे, जिससे यह पहल प्लास्टिक संग्रहण और पौधा वितरण तक सीमित न रहकर प्लास्टिक पृथक्करण, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा व्यापक जनजागरूकता अभियान बन गई।

अभियान में सक्रिय सहभागिता करने वाले पांच विद्यालयों को प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने अनुपयोगी एवं पुनः उपयोग योग्य वस्तुओं से तैयार विशेष 'वेस्ट-टू-आर्ट राखी' अतिथियों को भेंट की। कार्यक्रम में वेस्ट-टू-आर्ट के माध्यम से मछली का आकार भी तैयार किया गया, जिसमें एकत्रित सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग किया गया।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित नागरिकों और विद्यार्थियों ने स्वच्छ, प्लास्टिक मुक्त एवं हरित इंदौर के निर्माण की शपथ ली। इसके बाद आयोजित 'Walk for a Greener Tomorrow' में विद्यार्थियों, नागरिकों, जनप्रतिनिधियों एवं अन्य प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने नागरिकों को प्लास्टिक कचरा सड़क, नाली अथवा खुले स्थान पर नहीं फेंकने, उसे अलग से संग्रहित करने और निकटतम RRR केंद्र तक पहुंचाने का संदेश दिया।

अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की बैठक सम्पन्न, हिंदू समाज की एकता, संगठन और सेवा को मजबूत करने का आह्वान

जिला कार्यकारिणी की घोषणा-विनोद जाट जिलाध्यक्ष एवं गोपालसिंह राजावत जिला महामंत्री नियुक्त हुए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद एवं राष्ट्रीय बजरंग दल की महत्वपूर्ण बैठक नगरपालिका सभागृह, मंदसौर में संतों के सान्निध्य में सम्पन्न हुई। बैठक में संगठन के प्रमुख लक्ष्यों अब तो हिंदू ही आगे, समृद्ध हिन्दू-सुरक्षित हिंदू एवं सम्मानयुक्त हिंदू सहित विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में पधारे परिषद के प्रांत अध्यक्ष महंत ओमप्रकाश नाथ ने अपने आशीर्वचन में कहा कि हिंदू समाज की एकता, संगठन और सामाजिक समरसता को मजबूत करना वर्तमान समय की आवश्यकता है। प्रत्येक कार्यकर्ता समाजहित में सक्रिय रहते हुए संगठन के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने का कार्य करे। प्रांत महामंत्री किशोर यादव ने कहा

कि संगठन की वास्तविक शक्ति उसके समर्पित एवं सक्रिय कार्यकर्ताओं में है। गांव-गांव एवं प्रत्येक बस्ती तक पहुंच बनाकर हिंदू समाज को संगठित, जागरूक एवं सशक्त बनाने के लिए कार्यकर्ताओं को निरंतर प्रयास करना चाहिए।

प्रांत संगठन महामंत्री संजय यादव ने संगठन विस्तार पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने क्षेत्र में निरंतर संपर्क एवं संवाद बनाए रखे। सेवा कार्यों के माध्यम से समाज के बीच संगठन की मजबूत उपस्थिति बनाने के साथ अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने का कार्य किया जाए। भागवताचार्य दशरथ भाईजी ने कहा कि सनातन संस्कृति एवं हिंदू संस्कारों की रक्षा के लिए नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ना आवश्यक है। परिवार एवं समाज में संस्कारों का वातावरण निर्माण करना हम सभी की जिम्मेदारी है। पं. श्री विष्णुनारायणजी ने कहा कि धर्म एवं संस्कृति के प्रति जागरूकता के साथ समाज में आपसी भाईचारा, सेवा एवं समरसता की भावना को मजबूत करना आवश्यक है। धार्मिक एवं सामाजिक गतिविधियों के माध्यम से समाज को सकारात्मक दिशा देने का कार्य किया जाना चाहिए। बैठक में परिषद के विभिन्न लक्ष्यों एवं अभियानों को लेकर भी कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया गया। इनमें भारत में हिंदू बहुमत, जनसंख्या नियंत्रण कानून, तीन बच्चे हिंदू सच्चे, हर गांवदूहर कॉलोनी में हनुमान चालीसा केंद्र, हर घर से एक मुट्ठी अनाज एवं स्वास्थ्य परीक्षण जैसे विषयों पर चर्चा की गई। पदाधिकारियों ने कार्यकर्ताओं से इन अभियानों को समाज के बीच प्रभावी रूप से आगे बढ़ाने का आह्वान किया। बैठक के दौरान अंतरराष्ट्रीय हिंदू परिषद की मंदसौर जिला कार्यकारिणी की घोषणा की गई। इसमें विनोद जाट को जिला अध्यक्ष, गोपाल सिंह राजावत को जिला महामंत्री, नरेंद्र सिंह तोमर को जिला उपाध्यक्ष एवं अक्षत भार्गव को जिला मंत्री का दायित्व सौंपा गया। वहीं राष्ट्रीय बजरंग दल मंदसौर नगर में राकेश कुमावत को नगर अध्यक्ष, लक्की राव मराठा को नगर महामंत्री, गौरव मराठा को नगर मंत्री एवं पारस तंवर को नगर उपाध्यक्ष का दायित्व प्रदान किया गया। कार्यक्रम में हरिशंकर शर्मा, एमपी सिंह परिहार,सुरेंद्र कुमार रामावत, घनश्याम सोनी, राजेंद्र सिंह पवार, कमलेश नागदा, डॉ अमोद बिहारी सक्सेना, सचिन गुप्ता, निरंजन भारद्वाज, बंसीलाल टांक, अभिषेक सोनी, राजेश चौहान, सुभाष गुप्ता, वर्दीचंद कुमावत, भगवानदास मेघनानी, किशोर कोठारी, कमलसिंह चौहान, अशोक पालीवाल, राजू कुमावत, हेमंत सुरा, रामनारायण तनोजिया, महेंद्र सिंह सिसोदिया, हरीश सालवी, योगेश गौड़, मनोहर सिंह चंद्रावत, विजय राज सिंह सिसोदिया, भोला सोनी आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। संचालन एडवोकेट सत्येंद्र सिंह सोम ने किया। आभार नरेंद्र सिंह तोमर ने माना।

जिला पंचायत सीईओ ने जिला चिकित्सालय का किया निरीक्षण

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पंचायत सीईओ श्री अमन वैष्णव ने सोमवार को जिला चिकित्सालय नीमच का निरीक्षण कर अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विभिन्न वार्डों, आईसीयू एवं इमरजेंसी का निरीक्षण किया तथा भर्ती मरीजों से उपचार, दवाइयों एवं उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं के संबंध में जानकारी ली।

सीईओ श्री वैष्णव ने चिकित्सकों एवं स्वास्थ्यकर्मियों को निर्देश दिए कि इमरजेंसी में आने वाले मरीजों को तत्काल एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने ड्यूटी के दौरान चिकित्सकों एवं स्टाफ को पूरी मुस्तैदी एवं संवेदनशीलता के साथ कार्य करने के निर्देश दिए।

उन्होंने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने तथा वार्डों, आईसीयू, इमरजेंसी एवं अन्य परिसरों में नियमित स्वच्छता सुनिश्चित करने को कहा। साथ ही मरीजों को आवश्यक दवाइयां, जांच एवं उपचार की सुविधाएं समय पर उपलब्ध कराने तथा अस्पताल की व्यवस्थाओं की निरंतर निगरानी करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डी. प्रसाद, सिविल सर्जन डॉ. महेंद्र पाटिल सहित चिकित्सक एवं स्वास्थ्य विभाग का स्टाफ उपस्थित रहा।

सब जेल जावद में ब्रह्माकुमारी बहनों ने आयोजित किया आध्यात्मिक शिविर एवं राखी मिलन समारोह

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में सोमवार को सब जेल जावद में आध्यात्मिक शिविर एवं राखी मिलन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बंदियों को आध्यात्मिक चिंतन के माध्यम से जीवन में सकारात्मक बदलाव, नैतिक मूल्यों, शांति और सद्भाव के लिए प्रेरित करना रहा।

कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारी सविता दीदी, श्रुति दीदी, मेघना दीदी, योगिता दीदी एवं समता दीदी ने आध्यात्मिक प्रवचन दिए। उन्होंने बंदियों को आत्मचिंतन, सकारात्मक सोच तथा नैतिक मूल्यों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि जीवन में बुराइयों का त्याग कर सद्भाव, प्रेम और शांति के मार्ग पर आगे बढ़ने से व्यक्ति अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में राखी मिलन समारोह भी आयोजित किया गया। इस दौरान जिन बंदियों को राखी बांधने वाला कोई नहीं था, उन्हें ब्रह्माकुमारी बहनों ने पवित्र राखी बांधी।

उन्होंने रक्षाबंधन के आध्यात्मिक महत्व को समझाते हुए भाईचारे, प्रेम और आत्मिक संबंधों की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में बंदियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की तथा अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर सभी बंदियों को 'राष्ट प्रथम' की भावना के साथ जीवन पथ पर आगे बढ़ने की प्रेरणा दी गई। ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा बंदियों को पांच प्रतिज्ञाएं भी दिलाई गईं।

गृहमंत्री अमित शाह को बर्खास्त करने की मांग को लेकर युवा कांग्रेस का प्रदर्शन, नारेबाजी की

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। दिल्ली स्थित जंतर-मंतर पर विगत दिनों छात्र आंदोलन के दौरान केंद्र सरकार और गृह मंत्रालय के दबाव में हुई बर्बरता के विरोध में जिला युवा कांग्रेस द्वारा गांधी चौराहे पर उग्र विरोध प्रदर्शन किया गया। जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में एकत्रित हुए कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को तत्काल पद से बर्खास्त करने की मांग की। कार्यकर्ताओं ने केंद्र सरकार की तानाशाही नीतियों और छात्रों पर हुए अत्याचार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

प्रदर्शन को संबोधित करते हुए जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष दुर्गेश सिंह पटेल ने कहा कि दिल्ली में अपने संवैधानिक अधिकारों और मांगों को लेकर शांतिपूर्ण आंदोलन कर रहे निर्दोष छात्रों पर गृहमंत्री अमित शाह के इशारे पर पुलिस ने बर्बरता की सारी हदें पार कर दीं। छात्रों पर लाठीचार्ज किया गया, आंसू गैस के गोले छोड़े गए और

पेलेट गन का इस्तेमाल कर उनके साथ अत्यंत अभद्र व्यवहार किया गया। पटेल ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि देश का युवा और छात्र वर्ग इस दमनकारी नीति को बर्दाश्त नहीं करेगा। जब तक लोकतंत्र की हत्या करने वाले और छात्रों की आवाज दबाने वाले गृहमंत्री अमित शाह अपने पद से इस्तीफा नहीं देते या उन्हें बर्खास्त नहीं किया जाता, तब तक युवा कांग्रेस चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में आंदोलन जारी रखेगी। गांधी चौराहा पर आयोजित इस जन-आक्रोश प्रदर्शन में युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व प्रदेश प्रभारी शिवी सिंह चौहान, जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेंद्र सिंह गुर्जर, संभाग प्रभारी जावेद पटेल, प्रदेश महासचिव विनोद पटेल, प्रदेश सचिव शहरयार शिबू, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष राखी सत्रावाला, ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष इष्टा भाचावत, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष मंथन धनोतिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राघव शक्तावत, कुलदीप सिसोदिया, जिला महासचिव नेहा जैन, जीवन चौहान, सुनील राठौर, कपिल सुरावत, विधानसभा अध्यक्ष बल्लू गुर्जर, हर्ष पाटीदार, राकेश पाटीदार, विधानसभा उपाध्यक्ष राहुल अहीर, कुमकुम सिसोदिया, ब्लॉक अध्यक्ष सम्यक जैन, महावीर भाटी, नितिन शर्मा, जितेंद्र धनगर, संदीप दास, शाहरुख शाह, जीतू बैरागी, राकेश पाटीदार, जयंतीलाल चौधरी, मीना चौहान, नम्रता सत्रावाला, याकूब मंसूरी, दीपक प्रजापत, दीपक गेहलोत सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सिंगोली हादसे पर फूटा आक्रोश: 'पूर्व मंत्री के ढाई दशक के कार्यकाल के बाद भी अस्पतालों में सिर्फ बिल्डिंगें, जीवन रक्षक सिस्टम गायब; मां-बेटे की मौत का जिम्मेदार कौन

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सिंगोली के जैन परिवार (मनीष जैन मोहिवाल और लाड बाई) की सड़क दुर्घटना के बाद उचित इलाज के अभाव में हुई असामयिक मौत का मामला अब गहराता जा रहा है। इस हृदय विदारक हादसे ने सिंगोली से लेकर जिला मुख्यालय नीमच तक की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्थाओं, वेंटिलेटर व एंबुलेंस तंत्र की लाचारी और संवेदनहीनता को पूरी तरह बेनकाब कर दिया है। इस पूरे घटनाक्रम को लेकर क्षेत्र की जनता और जैन समाज में भारी रोष व्याप्त है।

इस गंभीर मुद्दे पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए नीमच जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष श्री मनीष जैन ने स्थानीय प्रशासन और क्षेत्रीय विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा पर सीधे और गंभीर आरोप लगाए हैं।

सभ्य जैन समाज की शांति को कमजोरी न समझे प्रशासन- कांग्रेस नेता मनीष जैन ने बेहद भावुक और आक्रोशित शब्दों में कहा कि, भारत ही नहीं बल्कि पूरे विश्व में जैन समाज को सबसे सभ्य, शांत और अहिंसक समाज माना जाता है। यह समाज हमेशा कानून-व्यवस्था का सम्मान करता है। उन्होंने व्यवस्था की दुखती रग पर हाथ रखते हुए कहा कि, यदि आज यही दर्दनाक हादसा किसी अन्य उग्र या मुखर समाज के व्यक्ति के साथ हुआ होता, तो अब तक सड़कों पर शव को रखकर चक्काजाम और धरना-प्रदर्शन शुरू हो जाता, और पूरा प्रशासनिक अमला घुटनों के बल माफी मांग रहा होता। लेकिन जैन समाज अपनी सभ्यता और संस्कारों के कारण शांत है, तो इसका यह मतलब कतई नहीं है कि लचर चिकित्सा प्रणाली के चलते उनके अपनों की जान पानी की तरह बहने दी जाए।

जापान बनाम कोटा- दोहरी नीति पर उठाए सवाल- क्षेत्रीय विधायक व पूर्व कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा की प्राथमिकताओं पर तंज कसते हुए मनीष जैन ने पूछा, विधायक जी पिछले ढाई दशक (25 साल) से इस क्षेत्र का लगातार प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पद पर भी रह चुके हैं। जब आप क्षेत्र के एक विद्यार्थी को मध्य प्रदेश से भी आगे, सीधे पढ़ाई के लिए जापान भेजने का प्रबंध कर सकते हैं और उसकी वाहवाही लूटते हैं, तो फिर सिंगोली के किसी गंभीर और आपातकालीन मरीज को त्वरित इलाज के लिए पड़ोसी शहर कोटा (राजस्थान) रेफर करने में यह दोहरी नीति और जटिल मापदंड क्यों अपनाया जाता है? क्या सिंगोली के नागरिकों की जान इतनी सस्ती है?

बदले में जनता को क्या मिला- कांग्रेस नेता ने कहा कि 25 सालों का लंबा कार्यकाल और पूर्व कैबिनेट मंत्री का रसूख किसी भी क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं का कायापलट करने के लिए पर्याप्त होता है। परंतु आज भी सिंगोली और नीमच के सरकारी अस्पतालों में केवल बड़ी-बड़ी बिल्डिंगें ही नजर आती हैं,

धरातल पर न तो जीवन रक्षक प्रणालियां वेंटिलेटर हैं और न ही पर्याप्त विशेषज्ञ डॉक्टर व पैरामेडिकल स्टाफ उपलब्ध हैं। साधारण बीमारियों के लिए लोग सरकारी अस्पताल नहीं जाते, लेकिन आपातकालीन स्थिति में भी यदि वेंटिलेटर युक्त एंबुलेंस और ऑक्सीजन न मिले, तो यह बेहद शर्मनाक है।

यदि समय पर ये सुविधाएं मिल जातीं, तो आज दोनों जानें बच सकती थीं।

जनता पूछ रही सवाल– आखिर जिम्मेदार कौन- मनीष जैन ने सीधे शब्दों में शासन और प्रशासन को कटघरे में खड़ा करते हुए अंतिम सवाल पूछा है कि, इस खराब और लाचार चिकित्सा प्रणाली के चलते दो मासूम बच्चों के सिर से उनके पिता और दादी का साया छीनने वाली इस मौत का असली जिम्मेदार कौन है?

क्या इस लचर सिस्टम की बलि चढ़ने वाले इस जैन परिवार को कभी न्याय मिलेगा?

नल जल योजनाओं के मेंटेनेंस का कार्य महिला स्वयं सहायता समूहों को दिया जाए

मंदसौर/ भारतसिंह तोमर/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में नल जल योजनाओं के मेंटेनेंस का कार्य महिला स्वयं सहायता समूह को दिया जाए ताकि वे आर्थिक रूप से और अधिक आत्मनिर्भर हो सके समूहों द्वारा नल जल योजनाओं के वाल्व खोलने, बंद करने तथा जलकर वसूली का कार्य भी किया जाएगा।

उक्त निर्देश कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने कलेक्ट्रेट में सोमवार को आयोजित बैठक में दिए। सीईओ जिला पंचायत अनुकूल जैन, कार्यपालन यंत्री जल निगम अली असगर, कार्यपालन यंत्री पीएचई वैभव भावसार तथा अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में कलेक्टर द्वारा गांधी सागर-1 एवं गांधी सागर-2 समूह जल प्रदाय योजना तथा एकल ग्रामीण जल प्रदाय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। गांधी सागर-1 /2 परियोजना का कार्य शीघ्र पूर्ण कर कमीशनिंग प्रारंभ किया जाए। सड़क पुनर्स्थापन की गुणवत्ता सुनिश्चित की जाए तथा समस्त सड़क पुनर्स्थापन कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण किए जाएं। जहां वी.डी.एन. कार्य पूर्ण हो चुका है, वहां जल निगम द्वारा ग्राम पंचायत के सहयोग से वैकल्पिक स्थानीय स्रोत से योजना को कमीशन किया जाए। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि योजना के अंतर्गत ग्रामस्तरीय रखरखाव हेतु विस्तृत कार्ययोजना तैयार की जाए तथा वाल्व संचालन एवं कर संग्रहण में स्वयं सहायता समूहों को शामिल किया जाए। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को शेष 25 गांवों का कार्य पूर्ण कर हैंडओवर करने के निर्देश दिए गए। सामूहिक अंशदान के भुगतान की प्रक्रिया पंचायत दर्पण पोर्टल के माध्यम से किए जाने संबंधी जानकारी ली गई। घरेलू नल कनेक्शन स्टैंड पोस्ट के बिना भी चालू किए जाएं तथा उन पर अस्थायी रूप से प्लास्टिक वाल्व लगाकर पाइप को बंद रखा जाए। उपभोक्ता अंत तक 0.2 पीपीएम अवशिष्ट क्लोरीन बनाए रखने हेतु इंटरमीडिएट क्लोरीनेशन सुनिश्चित किया जाए। जल जीवन मिशन के अंतर्गत जिन बचे हुए गांवों में वी.डी.एन. कार्य नहीं हुआ है, उन्हें चिन्हित कर जल निगम अथवा ग्राम पंचायत के माध्यम से जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

पंचायत उप निर्वाचन-2026 की घोषणा के साथ नीमच जिले में आदर्श आचार संहिता लागू

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। मध्यप्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग, भोपाल द्वारा पंचायतों के उप निर्वाचन-2026 के लिए निर्वाचन कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही नीमच जिले के संबंधित ग्राम पंचायतों, निर्वाचन क्षेत्रों एवं वार्डों में आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। यह आचार संहिता निर्वाचन परिणाम की घोषणा की तिथि तक प्रभावशील रहेगी।राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुपालन में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्री हिमांशु चंद्रा ने सोमवार, 31 अगस्त 2026 को आदेश जारी कर जिले के संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी आदेश के अनुसार, आदर्श आचार संहिता के प्रभावशील होने के साथ ही संबंधित निर्वाचन क्षेत्रों में निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देश लागू होंगे। सभी संबंधित अधिकारी-कर्मचारियों को निर्वाचन प्रक्रिया के दौरान आयोग के निर्देशों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

झांतला स्थित स्वयंभू भैरूनाथ की नगरी में धाकड़ समाज की विशेष बैठक संपन्न

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। झांतला स्थित स्वयंभू भैरूनाथ की पावन नगरी के धर्मशाला परिसर में रविवार को बड़ी संख्या में सिंगोली-रतनगढ़ धाकड़ समाज सामूहिक विवाह सम्मेलन समिति की एक विशेष और महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस पावन परिसर में आयोजित बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी तृतीय सामूहिक विवाह सम्मेलन की प्रारंभिक रूपरेखा तैयार करना और नवीन कार्यकारिणी का गठन करना था। बैठक में क्षेत्र के समस्त गांवों से आए धाकड़ समाज के वयोवृद्ध बुजुर्गों, प्रबुद्ध जनों और युवाओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की।सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी घोषितबैठक में समाज की एकजुटता को प्राथमिकता देते हुए सर्वसम्मति से नवीन पदाधिकारियों की घोषणा की गई। इसमें श्री शांतिलाल जी महुपुरा मौलकी को अध्यक्ष, श्री गोपाल जी धाकड़ नीमकाखेड़ा को सचिव तथा श्री गोपाल जी धाकड़ (एग्रो एजेंसी, झांतला) को कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों का उपस्थित समाज जनों द्वारा हर्षोल्लास के साथ स्वागत किया गया और बधाई दी गई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए धाकड़ युवा महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अर्जुन धाकड़ ने समाज को विस्तार से संबोधित किया।

सिस्टम के ऑक्सीजन विहीन तंत्र ने उजाड़ा हंसता-खेलता परिवार: सिंगोली अस्पताल की बदहाली से तड़प-तड़प कर रास्ते में थमी मां-बेटे की सांसें

सिंगोली/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। सड़क हादसे के बाद समय पर प्राथमिक उपचार, लाइफ सपोर्ट एंबुलेंस और ऑक्सीजन न मिलने के कारण सिंगोली के एक प्रतिष्ठित जैन परिवार के दो सदस्यों की दर्दनाक मौत ने पूरी व्यवस्था को कटघरे में खड़ा कर दिया है। सिंगोली निवासी मनीष जैन (पुत्र हरकचंद जैन) और उनकी माता श्रीमती लाड बाई (पत्नी हरकचंद जी जैन) की सड़क दुर्घटना के बाद उचित इलाज न मिलने से हुई असामयिक मृत्यु ने पूरे नगर को झकझोर कर रख दिया है। इस भयानक त्रासदी के बाद पीड़ित जैन परिवार गहरे सदमे और डिप्रेशन (अवसाद) में डूब गया है।

ससुराल पक्ष आया सामने, बयां किया आंखों देखा दर्द - इस कठिन घड़ी में मृतक मनीष जैन का ससुराल पक्ष खुलकर सामने आया है और उन्होंने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था तथा प्रशासन के खिलाफ अपना गहरा आक्रोश व्यक्त किया है। ससुराल पक्ष के लोगों का कहना है कि दुर्घटना के तुरंत बाद घायलों को सिंगोली के %सरकारी बड़े अस्पताल% ले जाया गया था। अस्पताल का ढांचा तो बड़ा है, लेकिन उसके भीतर सुविधाएं और जांच के उपचार शून्य हैं। डॉक्टरों ने गंभीर रूप से घायल मां-बेटे को देखने के बाद प्रॉपर इलाज शुरू करने के बजाय उन्हें तुरंत अन्यत्र रेफर कर दिया।रास्ते में तड़पते रहे घायल, ऑक्सीजन के अभाव में तोड़ा दमसबसे शर्मनाक बात यह रही कि इतनी गंभीर स्थिति होने के बावजूद सिंगोली अस्पताल प्रशासन घायलों को कोई भी सरकारी एंबुलेंस या लाइफ सपोर्ट वाहन मुहैया नहीं करा सका। मजबूरन, घायलों के परिचितों को अपने निजी साधन से उन्हें अस्पताल ले जाना पड़ा। कोटा निवासी और मृतक मनीष जैन के साला प्रमोद जैन ने नम आंखों और भरे गले से सिस्टम पर सवाल दागते हुए कहा, ÷अगर अस्पताल प्रशासन हमें समय पर एंबुलेंस दे देता, जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर और एक कंपाउंडर (पैरामेडिकल स्टाफ) मौजूद होता, तो हमारे जीजाजी और उनकी माता श्री जी आज जिंदा होते। उन्होंने बीच रास्ते में सिर्फ और सिर्फ ऑक्सीजन के अभाव में तड़प-तड़प कर दम तोड़ा है।

यह मौत नहीं, सिस्टम द्वारा की गई हत्या है।

प्रमोद जैन का सरकार से बड़ा सवाल प्रशासनिक सीमाएं या जनता की जान- प्रमोद जैन ने सिंगोली और नीमच जिले के पूरे हेल्थ सिस्टम में बदलाव लाने पर जोर देते हुए एक बेहद गंभीर नीतिगत विसंगति को उजागर किया।

उन्होंने कहा कि सिंगोली भौगोलिक रूप से मध्य प्रदेश के अंतिम छोर पर है और राजस्थान की सीमा (कोटा) के बेहद नजदीक है। प्रमोद जैन ने सवाल उठाया, ÷सिंगोली से अगर किसी गंभीर मरीज को नीमच जिला चिकित्सालय रेफर किया जाता है, तो वहां भी साधनों का घोर अभाव होने के कारण डॉक्टर अंततः उसे राजस्थान के उदयपुर ही रेफर करते हैं।

जब नीमच जिला अस्पताल खुद लाचार है, तो सिंगोली प्रशासन मरीजों को पास में स्थित राजस्थान के बड़े मेडिकल हब कोटा में सीधे रेफर क्यों नहीं करता?

प्रशासनिक सीमाओं की इस कागजी लकीर के कारण मरीजों के कीमती घंटे (गोल्डन आवर) बर्बाद हो जाते हैं, जिसका खामियाजा जनता को अपनी जान देकर चुकाना पड़ रहा है।

÷इस दोहरी मौत के लिए सिंगोली नगर पालिका, स्थानीय अस्पताल प्रबंधन, जिला प्रशासन सहित क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों (विधायक एवं सांसद) को सीधे तौर पर जिम्मेदार ठहराया गया है।

मामले में अस्पताल प्रबंधन/डॉक्टरों का आधिकारिक पक्ष- इस पूरे गंभीर प्रकरण में जब सिंगोली चिकित्सालय प्रबंधन और ड्यूटी डॉक्टरों से उनका पक्ष जाना गया, तो उन्होंने अपनी सफाई में स्पष्ट किया कि÷इस प्रकरण में मरीज को सड़क दुर्घटना के बाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सिंगोली लाया गया था। मरीज का तत्काल चिकित्सकीय परीक्षण किया गया तथा आवश्यकतानुसार प्राथमिक उपचार एवं उपचार संबंधी सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर की गईं। मरीज की स्थिति एवं आवश्यकता को देखते हुए उच्चतर चिकित्सा संस्थान में उपचार की जरूरत होने पर उसे बिना अनावश्य किट विलंब के आगे रेफर किए जाने की सलाह दी गई। अस्पताल की ओर से उपचार में किसी प्रकार की जानबूझकर देरी या लापरवाही नहीं की गई है। मरीज को उपलब्ध चिकित्सा संसाधनों के अनुसार समय पर उपचार एवं उचित रेफरल प्रदान किया गया।

इस संबंध में अस्पताल के उपचार रिकॉर्ड उपलब्ध हैं, जिन्हें आवश्यकता पड़ने पर सक्षम अधिकारियों के समक्ष प्रस्तुत किया जा सकता है।

हमारी प्राथमिकता हमेशा मरीज को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराना और आवश्यकता होने पर उच्चतर केंद्र पर रेफर करना है।

जनता के सुलगते सवाल- अस्पताल भले ही अपने रिकॉर्ड को दुरुस्त बताकर पल्ला झाड़ रहा है, लेकिन प्रमोद जैन और पीड़ित परिवार का सवाल सीधा है–यदि रेफरल समय पर हुआ, तो मरीज को लाइफ सपोर्ट (ऑक्सीजन और कंपाउंडर) क्यों नहीं मिला? सिंगोली जैसे बड़े अस्पताल में आपातकालीन एंबुलेंस की अनुपलब्धता के कारण परिजनों को निजी साधन का सहारा क्यों लेना पड़ा? इन सुलगते सवालों का जवाब देने से फिलहाल स्थानीय प्रशासन और जनप्रतिनिधि बच रहे हैं। पीड़ित परिवार ने इस घोर लापरवाही के खिलाफ मध्य प्रदेश मानवाधिकार आयोग, जिला कलेक्टर और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराने का निर्णय लिया है।

नीमच में दिनदहाड़े चेन स्नेचिंग का सनसनी खेज खुलासा

नीमच/ सतीश सैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला पुलिस ने जवाहर नगर में दिनदहाड़े एक महिला से हुई चेन स्नेचिंग की वारदात का पर्दाफाश करने में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने मामले में दो शातिर अंतरराज्यीय आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटी गई सोने की चेन और वारदात में प्रयुक्त चोरी की मोटरसाइकिल बरामद की है। पकड़े गए आरोपियों का पुराना आपराधिक रिकॉर्ड है और वे नशे व मौज-शौक के लिए बुजुर्ग महिलाओं को निशाना बनाते थे।मौज-शौक और नशे के लिए करते थे लूटपुलिस पूछताछ में आरोपियों ने कबूला कि वे अपनी नशे की लत और महंगे शौक पूरे करने के लिए राह चलती कमजोर और बुजुर्ग महिलाओं को चिन्हित करते थे। चोरी की बाइक (क्र. ऋ्र 06 ङ्क्स 9706) पर सवार होकर वे रेकी करते थे और मौका मिलते ही झपट्टा मारकर सोने की चेन लूट लेते थे। पुलिस व सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए वे हमेशा सुनसान और देहाती रास्तों का इस्तेमाल कर फरार होते थे।आरोपियों पर दर्ज हैं कई गंभीर मामले पकड़े गए आरोपियों का लंबा आपराधिक इतिहास रहा है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी रंजीत के खिलाफ मध्य प्रदेश के विभिन्न थानों में 36 गंभीर अपराध दर्ज हैं। वहीं उसके साथी मोहम्मद सईद के खिलाफ भी 9 आपराधिक मामले दर्ज होना पाए गए हैं।

सम्पादकीय

हर मिनट का हिसाब दे संसद

पीआरएस लेजिस्लेटिव रिसर्च के संसदीय उत्पादकता डैशबोर्ड के अनुसार संसद के मानसून सत्र में लोकसभा ने 17.5 घंटे यानी निर्धारित समय का 15 प्रतिशत काम किया, जबकि राज्यसभा ने 37.37 घंटे यानी 33 प्रतिशत काम किया। पूरे सत्र में प्रत्येक सदन के लिए लगभग 114 घंटे निर्धारित थे। इस हिसाब से लोकसभा में करीब 96.5 घंटे और राज्यसभा में 76.6 घंटे का काम नहीं हो सका। दोनों सदनों को जोड़ें तो कुल 173.1 सदन-घंटे का काम नहीं हुआ। आम तौर पर बताए जाने वाले प्रति सदन प्रति मिनट 1.25 लाख रुपये को 173.1 घंटे की कमी पर लागू करें तो पूरे सत्र की संकेतात्मक अवसर लागत करीब 130 करोड़ रुपये बैठती है। यह ऐसी धनराशि नहीं है, जिसे वापस पाया जा सकता था। कर्मचारियों, सुरक्षा, प्रसारण और बुनियादी ढांचे पर खर्च चलता ही रहता है।

यह करदाताओं के पैसे से उपलब्ध उस क्षमता का पैमाना है, जो संसदीय काम में नहीं रूपांतरित हो सकी। वित्तीय लागत तो समस्या का केवल दिखाई देने वाला सिरा है। जब प्रश्नकाल नहीं चलता तो मंत्री उन सवालों से बच जाते हैं, जिन्हें पूछने के लिए करदाता संसद का खर्च उठाते हैं। जब शून्यकाल शोर में डूब जाता है तो निर्वाचन क्षेत्रों की चिंताओं का राष्ट्रीय मंच छिन जाता है। जब विधायी समय सिकुड़ता है तो विधेयक या तो अटकते हैं या पर्याप्त पड़ताल के बिना पारित हो जाते हैं। यह अब अपवाद नहीं, आदत बनती जा रही है। संसद तब काम करती है, जब राजनीतिक पक्ष तमाशे की जगह विचार-विमर्श को चुनते हैं। जेन-जी और मिलेनियल्स गतिविधि और उपलब्धि का फर्क अच्छी तरह समझते हैं। उनकी पेशेवर और नागरिक जिंदगी रियल-टाइम डैशबोर्ड, सेवा रेटिंग, डिलीवरी की समयसीमा और सामने दिखते परिणामों से जुड़ी है। वे पूछते हैं, 'आपकी मौजूदगी से बदला क्या?' सर्वोच्च विचार-विमर्श संस्था के लिए वे इस पुराने मानक को स्वीकार नहीं करेंगे।

संसद कोई कंपनी नहीं है और सांसद कार्यपालिका के कर्मचारी नहीं हैं। असहमति भी एक पक्ष है। एक तीखा सवाल काम है। किसी विधेयक के विरुद्ध तर्कपूर्ण भाषण काम है। विरोध भी संसद का वैध साधन है, लेकिन बार-बार नारेबाजी करके सदन स्थगित कराना अलग बात है। इससे एक समूह का विरोध हर दूसरे सदस्य और मतदाता के अधिकार पर वीटो बन जाता है। संसद को सुचारु रूप से चलाने की जिम्मेदारी साझा है। कामकाज की सूची पारदर्शी ढंग से रखना, पर्याप्त समय पहले सूचना देना, विपक्ष के जायज मुद्दों के लिए स्थान देना और मंत्रियों से जवाब सुनिश्चित करना सरकार का पहला दायित्व है, लेकिन संस्थागत कामकाज में विपक्ष कोई दर्शक नहीं है। जिस मंच से वह कार्यपालिका की जांच करता है, उसे बचाए रखने की उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी उसकी भी है। सदन चलाने की जिम्मेदारी एक दल को सौंपकर दूसरा दल व्यवधान को अपनी मुख्य उपलब्धि नहीं बना सकता। संसद में जिस मंत्री से जवाब मांगा जा रहा हो, वह हर आरोप सुनकर सदन में उत्तर देने को तैयार हो, तो संसदीय मंच से इन्कार क्यों? जवाब मांगना और फिर उसे सुनने से इन्कार करना जांच नहीं, विरोधाभास है। अमित शाह के मामले में ऐसा ही हुआ।

जो विपक्ष जवाबदेही की मांग करता है, उसका मूल्यांकन उसके सवालों, विकल्पों और हस्तक्षेपों की गुणवत्ता से होना चाहिए, न कि उसके कारण हुए स्थगनों की संख्या से। उपस्थिति और भत्ते की व्यवस्था इस प्रतीकात्मक समस्या को सामने लाती है। वर्तमान दैनिक भत्ता 2,500 रुपये है और संसद की बैठक वाले दिन सदस्य इस भत्ते की पात्रता प्रक्रिया के तहत उपस्थिति रजिस्टर पर हस्ताक्षर करता है। यात्रा भत्ता एक अलग वैधानिक अधिकार है और उसे इन हस्ताक्षरों से जोड़कर नहीं देखा जाना चाहिए। 2026-27 में लोकसभा और राज्यसभा के लिए 1,491.99 करोड़ रुपये के संयुक्त आवंटन के सामने यह राशि मामूली है, पर संदेश महत्वपूर्ण है। हस्ताक्षर मौजूदगी साबित करता है, कार्य-निष्पादन नहीं।

भारत को सरकार, विपक्ष और पीठासीन अधिकारियों की सहमति से एक 'संसदीय कार्य-निष्पादन संकल्प' चाहिए। इसका पहला नियम सरल होना चाहिए- बिना भरपाई के कोई घंटा बर्बाद नहीं होगा। यदि व्यवधान के कारण निर्धारित काम नहीं हो पाता, तो सदन देर तक बैठे, एक अतिरिक्त दिन काम करे या उसी सत्र में उस समय की भरपाई करे। राजनीतिक असहमति कार्यसूची का क्रम बदल सकती है, लेकिन वह कुल संसदीय काम को कम नहीं कर सकती। दूसरा, विरोध के अधिकार के साथ बहस की सुनिश्चित राह भी होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को यह संकल्प लेना चाहिए कि एक बार समय आवंटित होने पर बहस अवश्य होगी। सरकार जवाब दे, विपक्ष सुने, प्रतिवाद करे और मतदान करे। जवाबदेही संसद की दोतरफा प्रक्रिया है, टेलीविजन का एकतरफा प्रदर्शन नहीं। तीसरा, संसद को एक समान रियल-टाइम डैशबोर्ड प्रकाशित करना चाहिए। इसमें सत्यापित उपस्थिति, सदन में मौजूद रहने की अवधि, पूछे गए प्रश्न, बहस में भागीदारी, समिति का काम, गैर-सरकारी सदस्यों का कार्य, जांच के लिए भेजे गए विधेयक, गंवाया गया समय और उसकी भरपाई का ब्योरा हो।

कर्म को साधना बनाता है निष्काम भाव : सहज योग

मानव जीवन कर्मप्रधान है। कर्म के बिना जीवन की कल्पना संभव नहीं, लेकिन कर्म की वास्तविक सार्थकता इस बात में है कि उसे किस भाव से किया जा रहा है। जब कर्म के साथ 'मैंने किया' का भाव जुड़ जाता है, तो सहज रूप से किया गया कार्य भी अहंकार का कारण बन सकता है। इसके विपरीत जब कर्म निःस्वार्थ भाव और ईश्वर के प्रति समर्पण के साथ किया जाता है, तो वही कर्म सच्ची साधना का रूप ले लेता है।

सहज योग की संस्थापिका श्री माताजी निर्मला देवी ने आत्म-साक्षात्कार और ध्यान के माध्यम से मनुष्य को अपने भीतर की दिव्य शक्ति को पहचानने का मार्ग बताया। सहज योग में साधक को यह अनुभव करने की प्रेरणा दी जाती है कि जीवन में किए जाने वाले शुभ कर्मों के पीछे ईश्वर की शक्ति कार्य करती है और मनुष्य उस शक्ति का केवल माध्यम है।

सामान्य जीवन में अपने अच्छे कार्यों पर गर्व करना स्वाभाविक है, लेकिन जब गर्व 'मैंने यह किया', 'मेरे कारण यह संभव हुआ' जैसी भावना में बदल जाता है, तब कर्ता भाव उत्पन्न होता है। यही कर्ता भाव आध्यात्मिक उन्नति में बाधा बन सकता है। सहज योग साधना व्यक्ति को इस 'मैं' के भाव से ऊपर उठकर अपने कर्मों को परमात्मा को समर्पित करने की प्रेरणा देती है।

सहज योग ध्यान में इड़ा, पिंगला और सुषुम्ना नाड़ियों का विशेष महत्व बताया गया है। इड़ा और पिंगला के संतुलन से साधक के भीतर संतुलन और जागरूकता विकसित होती है तथा वह सुषुम्ना मार्ग के माध्यम से आध्यात्मिक उत्थान की दिशा में आगे बढ़ता है। ध्यान के नियमित अभ्यास से व्यक्ति अपने विचारों और भावनाओं को अधिक सजगता से देखता है तथा आंतरिक शांति का अनुभव करता है।

सेवा भी साधना का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सेवा करते समय यदि प्रशंसा, सम्मान या व्यक्तिगत श्रेय की अपेक्षा न हो, तो सेवा वास्तव में निष्काम कर्म बन जाती है। 'कर्ता और करविता ईश्वर है, मैं केवल उसका माध्यम हूं'यह भाव मनुष्य को अहंकार से दूर कर भीतर से अधिक शांत और संतुष्ट बनाने में सहायक हो सकता है। आज के तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में सहज योग ध्यान व्यक्ति को अपने भीतर लौटने, आत्म-साक्षात्कार की दिशा में बढ़ने और जीवन में संतुलन स्थापित करने का अवसर प्रदान करता है।

आइए, सहज योग से जुड़ें, ध्यान की सरल तकनीक सीखें और अपने कर्मों को निःस्वार्थ भाव से ईश्वर को समर्पित करने का प्रयास करें। सहज योग ध्यान केंद्र सभी नए साधकों का स्वागत करता है।

किसी की प्यास ने बदल दी एक आईएएस अधिकारी की मंजिल

त्यागपत्र आमतौर पर सेवा का अंत माना जाता है, लेकिन हर विदाई अंत नहीं होती। कुछ विदाइयां यह सवाल छोड़ जाती हैं कि असली सेवा आखिर होती क्या है–कुर्सी पर बैठकर निर्णय लेना या उस कुर्सी से बाहर निकलकर उन लोगों के बीच जाना, जिनके सपनों के नाम पर व्यवस्था खड़ी की गई है। उत्तर प्रदेश कैडर की 2013 बैच की आईएएस अधिकारी दिव्या मित्तल का लगभग 13 साल की सेवा के बाद इस्तीफा इसी सवाल को सामने रखता है। उनका कहना–'अब जनता के सपनों को जीने का समय आ गया है'–सिर्फ नौकरी छोड़ने की घोषणा नहीं, बल्कि उस यात्रा का अगला पड़ाव है जिसमें पद साधन था और मनुष्य मंजिल।

दिव्या मित्तल की कहानी में चमक भी है और बेचैनी भी। आईआईटी दिल्ली और आईआईएम बैंगलोर से पढ़ाई, फिर लंदन में जेपी मॉर्गन जैसी प्रतिष्ठित संस्था की नौकरी–दुनिया की नजर में इससे बेहतर उपलब्धि क्या होती? मगर जीवन की कठिन कमी कभी-कभी उपलब्धियों से पूरी नहीं होती। विदेश में रहते हुए उन्हें अपने देश से दूर होने की टीस महसूस हुई। उन्होंने माना कि उनकी शिक्षा, आत्मविश्वास और दुनिया में कहीं भी सिर उठाकर चलने की क्षमता इसी मिट्टी का ऋण है। उसी ऋण ने उन्हें लौटाया। दो बार यूपीएससी दी; पहली बार (2012) आईपीएस चयन और दूसरी बार (2013) अखिल भारतीय रैंक 68 के साथ आईएएस। यह केवल परीक्षा की सफलता नहीं थी, बल्कि भीतर उठती पुकार का जवाब था।

मिर्जापुर ने उस पुकार को अर्थ दिया। लहुरियादह (मिर्जापुर के हलिया ब्लॉक का पहाड़ी गांव) में जब पाइप के रास्ते पानी पहुंचा और करीब सत्तर-पचहत्तर साल बाद पहली बार किसी नल से पानी निकला, तब विकास किसी सरकारी रिपोर्ट का शब्द नहीं रहा। वह पानी बनकर सामने था। एक वृद्ध महिला ने कोई भाषण या औपचारिक धन्यवाद नहीं दिया; उन्होंने बस कांपते हाथों से दिव्या के सिर पर हाथ रखा और आशीर्वाद दिया। उस स्पर्श ने शायद किसी प्रशस्ति-पत्र से अधिक गहरी बात कह दी। दिव्या ने लिखा कि वह यह सोचकर आई थीं कि कुछ देने जा रही हैं, जबकि असल में सबसे ज्यादा उन्होंने ही पाया। यही वह क्षण है जब अधिकारी की आंख से फाइल हटती है और सामने इंसान दिखाई देता है। उनके अनुभवों की दूसरी किताब देवरिया और मिर्जापुर ने मिलकर लिखी। देवरिया ने उन्हें बताया कि सही के साथ खड़ा होना सुविधा नहीं, कर्तव्य है। मिर्जापुर ने सिखाया कि 'असंभव' हमेशा पत्थर पर लिखी हुई सच्चाई नहीं होता; कई बार वह केवल किसी की बनाई हुई धारणा होता है। जमीन का अधिकार पाकर परिवार की आंखों में लौटती चमक, विकलांग व्यक्ति को मिलती गरिमा या किसान के खेत तक पहुंचता पानी–इन छोटे दिखने वाले बदलावों ने प्रशासन की बड़ी-बड़ी परिभाषाओं को उनके सामने छोटा कर दिया। तब सवाल उठना स्वाभाविक है कि जिसने व्यवस्था के भीतर रहकर इतने अर्थ खोज लिए, वह उसी व्यवस्था से बाहर क्यों चला गया?

इस प्रश्न का आसान उत्तर शायद कोई नहीं है। न उन्होंने किसी एक घटना को इस्तीफे का कारण बताया, न किसी टकराव को। उनका कहना है–'कुछ भी ट्रिगर नहीं हुआ। पिछले कुछ महीनों से लग रहा था कि मैं इस काम से हो गई हूं।' इस वाक्य को शिकायत की तरह पढ़ना भूल होगी। यह उस व्यक्ति की स्वीकारोक्ति है जिसने अपने हिस्से का रास्ता चलकर महसूस किया कि अब दिशा बदलनी चाहिए। व्यवस्था में रहकर परिवर्तन करना एक रास्ता है, लेकिन हर परिवर्तन का पता सरकारी पदनाम से होकर नहीं गुजरता। कभी-कभी पद से बाहर निकलना भी अपने विश्वास के प्रति ईमानदारी होता है।

यही कारण है कि उनका इस्तीफा उन युवाओं के लिए महत्वपूर्ण है, जो सिविल सेवा को अंतिम मंजिल मानकर वर्षों तक किताबों, परीक्षाओं और रैंक के बीच अपना भविष्य खोजते हैं। दिव्या का जीवन बताता है कि आईएएस बनना उपलब्धि हो सकती है, उद्देश्य नहीं। लंदन की सुरक्षित और प्रतिष्ठित नौकरी छोड़कर भारत लौटना एक चुनाव था; आईएएस की प्रतिष्ठित कुर्सी छोड़ना दूसरा। दोनों फैसलों के पीछे एक ही बेचैनी थी–अपने देश और लोगों के लिए कुछ करने की। अब उनके इस्तीफे के बाद राजनीति में जाने की अटकलें हैं। उनका जवाब है–'जब समय आएगा, तब बोलूंगी।' शायद यह मौन जल्दबाजी से बेहतर है, क्योंकि हर सपना घोषणा से नहीं, तैयारी से आकार लेता है।

दिव्या का जाना प्रशासनिक व्यवस्था के सामने एक असहज आईना रखता है। सिविल सेवा राज्य की रीढ़ है और स्वेच्छा से अलग होने वाला हर अधिकारी एक सवाल छोड़ता है–क्या व्यवस्था उन लोगों के लिए पर्याप्त जगह बना पा रही है, जिनकी बेचैनी केवल फाइल निपटाने से शांत नहीं होती? इसका अर्थ यह नहीं कि हर इस्तीफा व्यवस्था की विफलता है। लेकिन ऐसे फैसले हमें व्यवस्था के उद्देश्य पर फिर सोचने को मजबूर करते हैं। पद रहते हुए दिव्या ने पानी पहुंचाया; अब पद से बाहर निकलकर भी वे शायद उन प्यासों तक पहुंचना चाहती हैं, जिन्हें सरकारी सीमाएं नहीं छू पातीं। सेवा का रास्ता बदल सकता है, सेवा की प्यास नहीं। आखिर में बचता है वही कांपता हाथ, जो एक बुजुर्ग महिला ने उनके सिर पर रखा था। सरकारी कुर्सी बदलती है, पदनाम मिट जाता है, फाइलें दूसरी मेज पर चली जाती हैं; लेकिन किसी की आंख में लौटी उम्मीद और किसी आंगन में पहली बार बहा पानी स्मृति से नहीं जाता। दिव्या मित्तल का इस्तीफा इसलिए महत्वपूर्ण नहीं कि एक आईएएस अधिकारी ने नौकरी छोड़ दी। महत्वपूर्ण यह है कि उन्होंने पद और उद्देश्य में फर्क करने का साहस दिखाया। कुर्सी सेवा का माध्यम थी; जनता का सपना मंजिल। अब देखना है कि पद से मुक्त हुई यह ऊर्जा किस दिशा में बहती है। कुछ सपने कुर्सी पर बैठकर पूरे होते हैं, कुछ कुर्सी छोड़ने के बाद चलना शुरू करते हैं।

-प्रो. आरके जैन

इमरान खान की किस्मत का सवाल अब वैश्विक क्रिकेट मुद्दा

एक क्रिकेटर के रूप में उन्होंने जो कुछ भी किया हो लेकिन इंगलैंड के पूर्व कप्तान और कमेंटेटर माइकल आथर्टन को अब उस व्यक्ति के रूप में याद किया जाएगा जिसने इमरान खान की किस्मत के सवाल को अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बना दिया। पाकिस्तानी सत्ता पिछले 75 वर्षों से कश्मीर के मुद्दे को अंतरराष्ट्रीय बनाने की कोशिश करती रही है लेकिन वह कतई नहीं चाहती थी कि इमरान का मुद्दा सीमा पार चर्चा का विषय बने। अब ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस भी इसमें सुर मिला चुके हैं। वह ऐसा करने वाले किसी देश के पहले मौजूदा कप्तान हैं।

ऐसे में आथर्टन को खेल में देशों से इतर एकजुटता कायम करने के लिए शायद सबसे बड़ा पुरस्कार दिया जाना चाहिए। उन्होंने लॉर्ड्स के लॉन्ग रूम में इमरान खान के बेटों कासिम और सुलेमान का साक्षात्कार लिया। स्काई स्पोर्ट्स ने लॉर्ड्स टेस्ट के पहले दिन दोपहर के भोजन के समय इसका प्रसारण किया।

यह प्रसारण पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) द्वारा मैच के बहिष्कार की धमकी के बावजूद किया गया। इस समय पीसीबी की कमान एक ऐसे व्यक्ति के हाथ में है जो दूसरी वजहों से खासे प्रभावशाली हैं। एशिया कप ट्रॉफी को लेकर चर्चा में रहे मोहसिन नकवी पाकिस्तान के गृह मंत्री हैं और उन्हें डॉनल्ड ट्रंप के पसंदीदा फील्ड मार्शल के सबसे वफादार साथी के रूप में देखा जाता है।

स्काई स्पोर्ट्स ने बाकी प्रसारण गंवाने का जोखिम उठाया। आथर्टन ने भविष्य में पाकिस्तान का वीजा न मिलने का जोखिम लिया और इंगलैंड क्रिकेट बोर्ड ने पाकिस्तान के साथ अपने सद्भावपूर्ण संबंधों को खतरे में डालने का जोखिम उठाया। इन तीनों ने ये जोखिम उठाकर भी इमरान की तकदीर की बहस को पाकिस्तान की घरेलू राजनीति से परे अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के मंच पर ला दिया। पाकिस्तानी सत्ता प्रतिष्ठान कभी नहीं चाहता कि ऐसा हो। तीन भारतीयों सहित 21 पूर्व क्रिकेट कप्तानों ने एक संयुक्त पत्र लिखकर इमरान के साथ मानवीय बरताव का आग्रह किया। पाकिस्तान के लिए इसे यह कहकर खारिज करना आसान था कि यह उन बीते दौर के लोगों की पुरानी यादों से उपजी भावुकता है जिनका अब कोई प्रभाव नहीं रहा। लेकिन अब स्थिति बदल गई है। जाहिर है पाकिस्तानी राजनीति में एक टेस्ट मैच के लंच ब्रेक जितना समय भी बहुत लंबा होता है।

अब इमरान की पहली पत्नी जेमिमा से हुए दोनों बेटे भी सामने आ गए हैं। ध्यान रहे उनकी तीसरी पत्नी बुशरा भी जेल में हैं। दोनों बेटे अपनी बात प्रभावशाली ढंग से रखते हैं और उनमें ईमानदारी, प्रेम और चिंता साफ दिखाई देती है। पाकिस्तान समेत पूरी क्रिकेट की दुनिया उन पर नजर रख रही है। पाकिस्तान का सबसे शर्मनाक रहस्य अब वैश्विक मुद्दा बन गया है। कम से कम उन देशों में जो क्रिकेट खेलते हैं। अब तक सत्ता प्रतिष्ठान दो बातों को लेकर आश्वस्त था। पहली, अमेरिका, चीन और पश्चिम एशिया जैसी वे ताकतें जो उसके लिए रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण हैं वे क्रिकेट की परवाह नहीं करतीं।

-सुनील कुमार महला

भागवत की अमेरिका यात्राः भारतीय चिंतन की सार्थक प्रस्तुति

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत की अगस्त 2026 की अमेरिका यात्रा को केवल प्रवासी भारतीयों के एक कार्यक्रम तक सीमित करके देखना उसके व्यापक अर्थ को छोटा करना होगा। न्यूयार्क में 29 अगस्त को आयोजित 'एक विश्व, एक मानवता' कार्यक्रम में उनका संबोधन ऐसे समय हुआ, जब संघ को लेकर भारत ही नहीं, विदेशों में भी अनेक धारणाएं, आरोप और पूर्वाग्रह सार्वजनिक विमर्श का हिस्सा बने हुए हैं। ऐसे वातावरण में भागवत ने जिस प्रकार विविधता, संवाद, सेवा, सह-अस्तित्व और मानवीय एकात्मता को केंद्र में रखा, उसने संघ की विचारधारा को उसके समर्थकों के लिए ही नहीं, बल्कि वैश्विक समाज के सामने भी एक अलग दृष्टि से प्रस्तुत किया। यह यात्रा इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है और उसके विचार अब भारत की सीमाओं से बाहर भी व्यापक चर्चा का विषय बन रहे हैं। भागवत का अमेरिका जाना वस्तुतः संघ के विचार को प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से समझाने का अवसर बना। संघ के बारे में भारत में लंबे समय से दो विपरीत धारणाएं दिखाई देती रही हैं। एक पक्ष उसे भारतीय संस्कृति, राष्ट्रभावना, सेवा और सामाजिक संगठन की विराट शक्ति मानता है, जबकि दूसरा पक्ष उसके विचारों को संकीर्ण धार्मिक राजनीति से जोड़कर देखता है। कांग्रेस सहित विभिन्न विपक्षी दलों ने समय-समय पर संघ और उसके विचारों पर गंभीर राजनीतिक प्रश्न उठाए हैं। अमेरिका में भी कार्यक्रम से पहले कुछ संगठनों और राजनीतिक व्यक्तियों ने भागवत की यात्रा और संघ की विचारधारा पर आपत्तियां व्यक्त कीं। ऐसे माहौल में किसी संस्था की वास्तविक छवि केवल आरोप-प्रत्यारोप से नहीं बनती, वह संवाद से बनती है। यही इस यात्रा का सबसे बड़ा महत्व है। भागवत ने अपने विचार विरोधियों पर आक्रमण करके नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन की व्याख्या करके सामने रखे। इससे संघ को लेकर बनी धारणाओं पर बहस का एक नया आधार तैयार हुआ।

न्यूयार्क में भागवत के वक्तव्य का सबसे अधिक चर्चित पक्ष उनका हिंदू-मुस्लिम संबंधों पर स्पष्ट कथन रहा। उन्होंने कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमानों के लिए स्थान नहीं होना चाहिए, तो वह हिंदू नहीं रह सकता। यह कथन राजनीतिक नारे से अधिक महत्वपूर्ण इसलिए है कि इसमें हिंदुत्व की उनकी व्याख्या को सामाजिक समावेश के साथ जोड़ा गया है। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि सत्य एक है और उसे समझने तथा व्यक्त करने के मार्ग अलग-अलग हो सकते हैं। भारतीय परंपरा की यही विशेषता है कि वह मतभिन्नता को अस्तित्व के संकट के रूप में नहीं, बल्कि सत्य की विविध अभिव्यक्तियों के रूप में देखने की क्षमता रखती है। यहां एक महत्वपूर्ण प्रश्न सामने आता है-यदि हिंदुत्व का अर्थ भारत की सांस्कृतिक चेतना है, तो क्या वह किसी समुदाय को भारत से बाहर कर सकता है? भागवत का उत्तर स्पष्ट रूप से नकारात्मक दिखाई देता है। उनका कथन हिंदुत्व की उस व्याख्या को सामने रखता है, जिसमें भारतीयता किसी एक पूजा-पद्धति की बपौती नहीं, बल्कि साझा सांस्कृतिक विरासत है।

भागवत ने अमेरिका में भारत की विविधता को उसकी कमजोरी नहीं, शक्ति बताया। उनके अनुसार विविधता और एकता भारत के स्वभाव में ही अंतर्निहित हैं। भारत में भाषा, जाति, पंथ, पूजा-पद्धति और परंपराओं की असंख्य धाराएं हैं, फिर भी इन्हें एक साझा सभ्यतागत चेतना जोड़ती रही है। यह संदेश आज के विश्व के लिए अत्यंत प्रासंगिक है। अनेक देशों में धार्मिक पहचान, नस्लीय भेद, सांस्कृतिक असहमति और राजनीतिक ध्रुवीकरण सामाजिक तनाव बढ़ा रहे हैं। ऐसे समय भारत का अनुभव यह बताता है कि भिन्नताओं को मिटाना आवश्यक नहीं, उन्हें सम्मान देकर भी एकता स्थापित की जा सकती है। यही विचार भागवत के संबोधन को सामान्य राजनीतिक भाषण से ऊपर उठाता है। उनका आग्रह था कि विविधता को स्वीकार ही नहीं, सम्मान और संरक्षण भी मिलना चाहिए।

संघ की सार्वजनिक छवि का एक बड़ा हिस्सा राजनीतिक विमर्श से निर्मित हुआ है, जबकि संघ स्वयं को सामाजिक संगठन और सेवा-आधारित सांस्कृतिक आंदोलन के रूप में प्रस्तुत करता रहा है। भागवत ने अमेरिका में भी सेवा, सामाजिक समरसता और संवाद को परिवर्तन का आधार बताया। यही वह बिंदु है जहां संघ की छवि को केवल चुनावी राजनीति के चश्मे से देखने की सीमा सामने आती है। किसी संगठन को समझने के लिए उसके राजनीतिक प्रभाव के साथ उसकी सामाजिक गतिविधियों, सेवा-कार्य, संगठनात्मक संस्कृति और वैचारिक आधार को भी देखना आवश्यक है। भागवत की यात्रा ने कम से कम इतना अवसर अवश्य दिया कि संघ को उसके अपने शब्दों और उसके सरसंघचालक की प्रत्यक्ष व्याख्या के आधार पर सुना जाए।

अमेरिका में बसे भारतीयों से भागवत ने एक संतुलित संदेश दिया। उन्होंने कहा कि जिस देश में वे रह रहे हैं, वह उनकी कर्मभूमि है और वहां के प्रति उनकी निष्ठा तथा दायित्व सर्वोपरि हैं। साथ ही भारत उनकी जन्मभूमि है, जिससे उन्हें मानवीय मूल्यों और सांस्कृतिक संस्कारों की विरासत मिली है। यह दृष्टि प्रवासी भारतीयों के सामने पहचान के संघर्ष के बजाय पहचान के समन्वय का मार्ग रखती है। अपनी जड़ों से जुड़े रहना और जिस समाज में रह रहे हैं उसके प्रति पूर्ण निष्ठा रखना-दोनों एक साथ संभव हैं। यही भारतीय संस्कृति की उदारता है। यह भी तथ्य है कि भागवत के कार्यक्रम का अमेरिका में विरोध हुआ और संघ की विचारधारा को लेकर तीखी आलोचनाएं सामने आईं। लेकिन लोकतांत्रिक समाज में किसी विचार का उत्तर उसे दबाकर नहीं, उसके साथ संवाद करके दिया जाता है। इस दृष्टि से यह यात्रा संघ के लिए भी एक परीक्षा थी। भागवत ने विरोध का उत्तर आक्रामक भाषा में देने के बजाय एकात्मता, मानवता और सह-अस्तित्व की बात की। यही इस यात्रा की सबसे बड़ी उपलब्धि मानी जा सकती है। आलोचक उनके शब्दों और संघ के व्यवहार के बीच अंतर का प्रश्न उठा रहे हैं, समर्थक इसे संघ के मूल विचारों की स्पष्ट अभिव्यक्ति मान रहे हैं। इस बहस का अंतिम निर्णय समय और व्यवहार करेगा, लेकिन इतना निश्चित है कि बहस अब अधिक प्रत्यक्ष और वैश्विक हो गई है।

मोहन भागवत की अमेरिका यात्रा को संघ की छवि पर वर्षों से चले आ रहे विवाद का अंतिम उत्तर मानना अतिशयोक्ति होगी। किंतु इसे एक महत्वपूर्ण मोड़ अवश्य कहा जा सकता है। जिन लोगों ने संघ को केवल राजनीतिक आरोपों और विरोधी व्याख्याओं के माध्यम से जाना है, उन्हें पहली बार इतने बड़े वैश्विक मंच पर उसके शीर्ष नेतृत्व की विचार-दृष्टि को सीधे सुनने का अवसर मिला। यह यात्रा संघ के लिए एक उजाला इसलिए बनी है कि इसमें प्रतिरक्षा की भाषा कम और आत्मविश्वास की भाषा अधिक दिखाई दी। इसमें यह कहने का प्रयास था कि भारतीयता किसी के निषेध से नहीं, सबके सम्मान से मजबूत होती है, हिंदुत्व किसी समुदाय के बहिष्कार से नहीं, मानवता की एकात्म दृष्टि से सार्थक होता है और भारत की शक्ति उसकी समानता में नहीं, उसकी विविधताओं के बीच बनी रहने वाली सांस्कृतिक एकता में है।

आज विश्व को केवल आर्थिक शक्ति, सैन्य शक्ति और तकनीकी प्रगति की आवश्यकता नहीं है। उसे ऐसा जीवन-दर्शन भी चाहिए जो मनुष्य को मनुष्य से जोड़ सके। भागवत के अमेरिकी संबोधन में भारत की इसी भूमिका की कल्पना दिखाई दी-एक ऐसा भारत जो अपनी परंपरा के बल पर विश्व को सह-अस्तित्व, संवाद और एकात्मता का रास्ता दिखा सके। मोहन भागवत की यह यात्रा इसलिए स्मरणीय रहेगी कि उसने संघ के बारे में चल रही बहस को भारत की सीमाओं से निकालकर विश्व के सार्वजनिक विमर्श में पहुंचा दिया। अब संघ की पहचान केवल उसके विरोधियों के आरोपों या समर्थकों के दावों से नहीं, बल्कि उसके विचार, उसके व्यवहार और समाज के साथ उसके संवाद से तय होगी। अंततः किसी विचारधारा की सबसे बड़ी शक्ति उसका प्रचार नहीं, उसका आचरण होता है। अमेरिका की धरती से भागवत ने जो संदेश दिया है, उसकी वास्तविक कसौटी भारत की धरती पर सामाजिक समरसता, सेवा, संवाद और सह-अस्तित्व के रूप में दिखाई देगी। यदि यह संदेश व्यवहार में उतरता है, तो यह केवल संघ की छवि को नहीं, भारत की वैश्विक सांस्कृतिक प्रतिष्ठा को भी नई ऊंचाई दे सकता है।

-ललित गर्ग

एससीओ का तीसरा स्तंभ बने भारत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शंघाई सहयोग संगठन यानी एससीओ की बैठक में भाग लेने जा रहे हैं। भौगोलिक आकार और सदस्य देशों की जनसंख्या के अनुसार विश्व का सबसे बड़ा क्षेत्रीय संस्थान एससीओ अपनी स्थापना की रजत जयंती मना रहा है। इस उपलक्ष्य में आशा है कि भारत अधिक सक्रिय भूमिका निभाते हुए अपने हितों को आगे बढ़ाएगा। भारत वर्ष 2017 से इस संस्था का स्थायी सदस्य है और अपनी अलग पहचान बनाने के लिए प्रयासरत है। चीन और रूस जैसे दिग्गज आरंभ से ही इस संगठन का हिस्सा रहे हैं। जबकि कजाखस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और किर्गिस्तान जैसे छोटे मध्य एशियाई देश भी संगठन के सह-संस्थापक थे, जो इन दो महारथी देशों के बीच अपने हितों को संतुलित करते आ रहे हैं। वर्ष 2017 से भारत जब पूर्ण सदस्य बना तो मध्य एशियाई देशों की अपेक्षा थी कि वह रूस और चीन के सापेक्ष तीसरे स्तंभ के तौर पर शक्ति संतुलन लाएगा। भारतीय सोच से यह अपेक्षा मेल भी खाती है, क्योंकि मध्य एशिया को नई दिल्ली में विस्तारित पड़ोस माना जाता है और वहां पैठ बनाना आर्थिक और भूराजनीतिक दृष्टिकोण से लाभदायी है। एससीओ में आकर भारत ने मध्य एशिया को ही संगठन के केंद्रबिंदु के रूप में रखने के सिद्धांत को बल दिया है, ताकि छोटे देशों को किसी के दबदबे में रहने पर विवश न होना पड़े।

देखा जाए तो यूरेशिया की भूराजनीति और प्रतिस्पर्धा के कारण एससीओ में भारत अब तक उतना प्रभावशाली नहीं हो पाया है। भारत के प्रमुख हितैषी रूस ने जब एससीओ में उसकी पूर्ण सदस्यता का प्रस्ताव रखा तो चीन ने उस पहल को रोकने के बजाय एक सौदेबाजी के तहत अपने करीबी मित्र पाकिस्तान को भी सदस्यता दिलाई, ताकि भारत संतुलन बनाने वाले के बजाय संतुलित होकर रह जाए। पाकिस्तान 2017 से ही चीन के कनिष्ठ साझेदार के रूप में एससीओ में भारत के लिए बाधाएं खड़ी करता आया है। सुरक्षा के मुद्दों पर भारत ने एससीओ में जब भी आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद के विरुद्ध दोहरे मापदंड को त्यागकर सख्त कदम उठाने की मांग की और साझा रणनीति बनाने का प्रस्ताव रखा तो पाकिस्तान ने चीनी मदद से उसमें अवरोध ही खड़े किए।

जैसे 2025 में एससीओ रक्षा मंत्रियों के घोषणापत्र के मसौदे में पाकिस्तान के भीतर बलूचिस्तान में जफर एक्सप्रेस रेल हमले की तो निंदा की गई, लेकिन भारत के पहलगाम में हुए आतंकी हमले का उल्लेख नहीं किया गया। इससे पहले 2023 में जब भारत ने एससीओ की अध्यक्षता के दौरान सीमापार आतंकवाद और आतंकी ठिकानों को खत्म करने के लिए संयुक्त घोषणापत्र में ठोस कार्रवाई वाली भाषा को शामिल करना चाहा तो चीन, पाकिस्तान ने उसे कमजोर कर दिया। एससीओ मूलतः प्रांतीय सुरक्षा को कायम करने के उद्देश्य से बनाया गया था, पर चीन और पाकिस्तान ने इस मोर्चे पर अपेक्षित प्रगति होने ही नहीं दी।

जहां तक भारत की बात है तो उसने आतंकवाद के सभी स्वरूपों से लड़ने की प्रतिबद्धता के अलावा एससीओ में संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के सम्मान को भी प्राथमिकता दी है। इसका परोक्ष निशाना एक तरह से चीन ही है, जिसने अपने बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव यानी बीआरआइ के तहत गुलाम जम्मू-कश्मीर के इलाकों पर पाकिस्तान के अवैध कब्जे को मान्यता दी है और छोटे विकासशील देशों को कर्ज में डुबोया है। दिल्ली संयुक्त बयान (2023) में भारत ने चीनी परियोजना बीआरआइ का समर्थन करने से इन्कार कर दिया था और इन विषयों पर असहमति के कारण उस वर्ष की शिखर बैठक को केवल तीन घंटों से कम अवधि में आनलाइन सम्मलेन कराकर निपटा दिया था।

एससीओ की भारतीय अध्यक्षता के दौरान निराशा के चलते भले ही इस संगठन की अहमियत पर सवाल उठे, लेकिन भारत मैदान छोड़कर भागने वालों में से नहीं है। खासकर जब वह मध्य एशिया के साथ व्यापार और रक्षा संबंध मजबूत करना चाहता है। इसी क्रम में भारत ने 2022 में मध्य एशिया के सभी पांच देशों के साथ पहली बार संयुक्त शिखर बैठक आयोजित की। इन देशों के साथ भारत के आर्थिक संबंध भी धीरे-धीरे प्रगाढ़ हो रहे हैं। पाकिस्तान द्वारा मध्य एशिया से सीधे जमीनी संपर्क रोके जाने के बावजूद भारत ने ईरान के चाबहार बंदरगाह और खासकर एयर फ्रेट कारिडोर का इस्तेमाल करके इन देशों को दवाइयां, मेडिकल उपकरण और मशीनरी का निर्यात बढ़ाया है। चीन और रूस की तुलना में भारत अब भी मध्य एशियाई देशों का बहुत बड़ा व्यापारिक साझेदार नहीं है, लेकिन पाकिस्तान के सापेक्ष अफगानिस्तान का रणनीतिक कायापलट और भारतीय सामान को मध्य एशिया तक पहुंचाने के लिए अफगानिस्तान का उत्साह व्यापार बढ़ाने के नए रास्ते खोल रहा है।

अफगानिस्तान को एससीओ का पूर्ण सदस्य बनाने के लिए तो भारत को पैरवी करनी चाहिए।

इसमें संदेह नहीं कि सूचना प्रौद्योगिकी और डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर में भारत चीन से आगे है और इन सेवाओं के लिए भौगोलिक कनेक्टिविटी की भी जरूरत नहीं है। भारत मध्य एशिया में प्रौद्योगिकी के मोर्चे पर नेतृत्वकर्ता बनने की स्थिति में है और वह एससीओ को इस क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने में प्रयासरत भी है। एससीओ का इतिहास भी देखें तो रूस ने यूरेशिया में चीन के आर्थिक वर्चस्व पर लगाम देने का प्रयास किया है। एससीओ में भारत के उत्थान से रूस आश्वस्त हो सकता है कि संगठन में आर्थिक मुद्दों को प्राथमिकता देने में कोई हर्ज नहीं है, क्योंकि भारत उनमें विविधीकरण ला सकता है। ऐसे में एससीओ के अंदर रूस-भारत तालमेल को नए अंदाज से आगे ले जाना अनिवार्य होगा। किर्गिस्तान में एससीओ सम्मलेन से इतर प्रधानमंत्री मोदी और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की द्विपक्षीय बैठक इस संदर्भ में अहम होने वाली है। कुल मिलाकर, एससीओ से भारत को मिले-जुले परिणाम प्राप्त हुए हैं, लेकिन अगर भारत अपनी निजी क्षमताओं और बदलते भूराजनीतिक समीकरणों के आधार पर इस संगठन में टिक कर अपनी स्थिति बेहतर बना लेता है, तो यूरेशिया में तीसरा ध्रुव बनने की आकांक्षा को पूरा कर सकेगा।

-धनंजय राजौरा

गोगा नवमी पर दिखेगा वीर गोगादेव का बाल स्वरूप, मां बाछल की गोद में करेंगे अठखेलियां

5 सितंबर को निकलेगा भव्य चल समारोह, डेढ़ माह की मेहनत से साकार हो रही आकर्षक झांकी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। क्षत्रिय चौहान परिवार में जन्मे लोक आराध्य एवं वीर योद्धा जाहरवीर गोगादेव जी की गोगा नवमी के अवसर पर निकलने वाले भव्य चल समारोह की तैयारियां शहर में जोर-शोर से चल रही हैं। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अगले दिन 5 सितंबर, शनिवार को शाम 7 बजे से परंपरानुसार विशाल चल समारोह धूमधाम के साथ निकाला जाएगा।

इस वर्ष चल समारोह में आकर्षण का केंद्र बनने जा रही झांकी में माता बाछल की गोद में बाल रूप में विराजित वीर गोगादेव अठखेलियां करते हुए नजर आएंगे। बाल स्वरूप में वीर गोगादेव की मनमोहक मुस्कान, चंचल भाव-भंगिमाएं और माता बाछल के वात्सल्य को झांकी के माध्यम से जीवंत रूप देने का प्रयास किया जा रहा है। यह दृश्य श्रद्धा के साथ-साथ मातृत्व और बाल स्नेह की भावनाओं को भी अभिव्यक्त करेगा। विगत 31 वर्षों से विभिन्न धार्मिक एवं सामाजिक अवसरों पर आकर्षक झांकियां तथा गोगा नवमी पर पवित्र निशान तैयार करने वाले शहर के कलाकार पटेल गजू चांवरे इस झांकी को अपने साथी कलाकारों के साथ अंतिम रूप देने में जुटे हैं। चांवरे ने बताया कि वीर गोगादेव धर्म एवं राष्ट्र रक्षा के लिए आततायी हमलावर महमूद गजनवी से संघर्ष करने वाले तथा गुरु गोरखनाथ जी के प्रिय शिष्य के रूप में श्रद्धा से पूजे जाते हैं। उनके शौर्य और बाल स्वरूप की भावनात्मक छवि को इस बार झांकी में विशेष रूप से दर्शाया जा रहा है। झांकी को आकर्षक और जीवंत स्वरूप देने में कलाकार आलोक बंजारे, शानू चावरे, विशाल चावरे (दादा), जितेंद्र बाली, जितेंद्र खत्री, सुमित सांगते, तृप्त चावरे, डुग्गू चावरे एवं रुद्र बाली सहित अन्य सहयोगी कलाकार जुटे हुए हैं। कलाकारों के अनुसार एक झांकी को तैयार करने में करीब एक से डेढ़ माह का समय लग जाता है। इसके लिए कलाकार लगातार मेहनत कर बारीकियों को अंतिम रूप देते हैं। पटेल गजू चांवरे को उनकी कला के लिए अनेक बार सार्वजनिक रूप से शील्ड, शाल-श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जा चुका है। गोगा नवमी के अवसर पर निकलने वाले चल समारोह में प्रतिवर्ष उनकी झांकियां श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र रहती हैं। कलाकार चांवरे ने समाजजनों एवं शहरवासियों से गोगा नवमी के पावन अवसर पर अधिक से अधिक संख्या में चल समारोह में शामिल होने का आग्रह किया है।

एफआईआर दर्ज होना ही बंधपत्र तोड़ने का सबूत नहीं

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। बंधपत्र की अवधि में आबकारी अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज होने के आधार पर अनिल वर्मा से 50 हजार की राशि जब्त करने के एसडीएम के आदेश को न्यायालय ने निरस्त कर दिया। न्यायाधीश डॉ. रविकांत सोलंकी ने आपराधिक पुनरीक्षण क्रमांक 160/2025 में सुनवाई करते हुए माना कि केवल एफआईआर दर्ज होना अपने आप में बंधपत्र की शर्तों के उल्लंघन को साबित करने के लिए पर्याप्त आधार नहीं है।मामले में अनिल वर्मा ने एक वर्ष तक परिशांति बनाए रखने के लिए 50 हजार का बंधपत्र निष्पादित किया था। बाद में उनके विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 36(सी) के तहत एफआईआर दर्ज होने पर एसडीएम न्यायालय ने बंधपत्र की राशि राजसात करने का आदेश दिया था।पुनरीक्षण पर सुनवाई के दौरान अदालत ने पाया कि संबंधित अपराध में दोषसिद्धि अथवा अपराध स्वीकार किए जाने का कोई अभिलेख उपलब्ध नहीं था। न्यायालय ने यह भी माना कि केवल एफआईआर के आधार पर बंधपत्र का उल्लंघन प्रमाणित नहीं माना जा सकता।इसके चलते अदालत ने 26 दिसंबर 2025 को एसडीएम द्वारा पारित 50 हजार राजसात करने का आदेश अपास्त करते हुए पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली।पुनरीक्षणकर्ता अनिल वर्मा की और से मुकेश शर्मा अधिवक्ता ने प्रभावी पैरवी की।

शांति समिति की बैठक का आयोजन 2 सितंबर को

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जिले में माह सितंबर, अक्टूबर एवं नवंबर में आने वाले पर्वों पर कानून एवं व्यवस्थाओं के लिए विचार विमर्श हेतु शांति समिति की बैठक का आयोजन 02 सितंबर 2026 को सायं 4.00 बजे कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में किया गया है। संयुक्त कलेक्टर एवं कार्यपालिक दंडाधिकारी ने समिति के सभी सदस्यों से बैठक में उपस्थिति का आग्रह किया हैं।

भाजपा अजजा मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील वसुनिया का बदनावर में जोरदार स्वागत

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा के नवनियुक्त जिलाध्यक्ष सुनील वसुनिया सोमवार को नियुक्ति के बाद पहली बार बदनावर क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान विभिन्न स्थानों पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। बदनावर नगर में नगर मंडल अध्यक्ष मनीष गुर्जर के नेतृत्व में लोह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल बस स्टैंड पर ढोल-ढमाकों के साथ वसुनिया का स्वागत किया गया।

वसुनिया ने अपने दौरे की शुरुआत क्षेत्र के विभिन्न गांवों से की। वे भैंसोला सहित अन्य गांवों में पहुंचे, जहां पूर्व राज्यमंत्री महेन्द्रसिंह पीपलीपाड़ा, बखतगढ़ मंडल अध्यक्ष संजयसिंह राठौर की उपस्थिति में भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद दोपहर में वे राणा पूंजा भील बस स्टैंड पहुंचे। यहां स्थित राणा पूंजा भील की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद ढोल-ढमाकों के साथ कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके पश्चात वसुनिया बदनावर बस स्टैंड पहुंचे, जहां भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्पमालाओं से उनका स्वागत किया। कार्यकर्ताओं में नवनियुक्त जिलाध्यक्ष के प्रथम दौरे को लेकर खासा उत्साह दिखाई दिया। नगर परिषद में भी अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, उपाध्यक्ष राजेंद्रसिंह पंवार की उपस्थिति में स्वागत किया गया।

सक्रिय कार्यकर्ताओं को मिलेगी जिम्मेदारी- कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष सुनील वसुनिया ने कहा कि पार्टी ने जो जिम्मेदारी दी है, उसका पूरी निष्ठा और ईमानदारी से निर्वहन करना है। जनजाति वर्ग के उत्थान के लिए केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा अनेक योजनाएं संचालित की जा रही हैं।

कलेक्टर ने दृष्टिहीन कन्या विद्यालय की छात्राओं से बंधवाई राखी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कलेक्टर ऋतु राज सिंह ने दृष्टिहीन कन्या विद्यालय देवास में पहुंचकर छात्राओं से राखी बंधवाई। इस दौरान बालिकाओं ने अपनी सुरीली आवाज में गीत गाकर कलेक्टर श्री सिंह का स्वागत किया।

कलेक्टर सिंह ने विद्यालय की बालिकाओं को रक्षाबंधन की बधाई देते हुए कहा कि मुझे आपके साथ रक्षाबंधन मनाने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा कि इस संस्था को कार्य करते हुए 50 वर्ष हो गए हैं यह अपने आप में एक बड़ी बात है। आप सभी धन्यवाद के पात्र है। यह बहुत गौरव की बात है कि आप इसी तरह इस संस्था को लगातार आगे बढ़ाते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आगामी अधिकारीगण एवं जनप्रतिनिधिगण द्वारा सहयोग किया जाएगा तथा इस संस्था को निरंतर ऐसे सुचारू रूप से चलाएंगे। उन्होंने कहा कि हमारा आपसे रिश्ता जुड़ा है, जो भी प्रशासन के संभव होगा आपके लिए किया जायेगा। सभी को भौतिक सुविधाएं मिले इसके लिए लगातार प्रयास किये जायेंगे। संस्था द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है। संस्था के माध्यम से आप और आप जैसी अन्य बालिकाओं को लाभ मिल रहा है। आप सभी भविष्य में अच्छा करें।

इस दौरान बलजीत सिंह सलूजा, राजेंद्र मूंदड़ा, राजेश व्यास, पूर्व महापौर जयसिंह ठाकुर, डॉ. समीरा नईम, गंगा सिंह सोलंकी, विद्यालय स्टॉफ तथा अन्य संबंधित उपस्थित थे।

विधायक ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र झोंकर के नव निर्मित भवन का लोकार्पण

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र झोंकर के नव निर्मित भवन का लोकार्पण सोमवार को विधायक अरुण भीमावद एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य द्वारा किया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कमला आर्य ने बताया कि नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का भवन 6 बिस्तरीय है, जिसका निर्माण करीब 1.59 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। उन्होंने बताया कि आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस स्वास्थ्य केंद्र के शुरू होने से क्षेत्र के ग्रामीणों एवं आस-पास के लोगों को बेहतर एवं सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इस दौरान अतिथियों ने स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों सहित क्षेत्र के गणमान्य नागरिक एवं ग्रामीणजन उपस्थित थे।

शुजालपुर-आष्टा मार्ग पर दूसरे दिन भी हुआ भीषण हादसा

अपने पिता को अस्पताल ले जा रहे पुत्र की बाईक को पिकअप ने मारी टक्कर, हादसे में दोनों की मौत

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। रविवार के बाद सोमवार को भी शुजालपुर-आष्टा मार्ग पर भीषण सड़क हादसा हो गया। जिसमें दो लोगों की मौत हो गई। घटना के बाद बाईक को टक्कर मारने वाला पिकअप चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। रविवार को भी बाईक सवार एक युवक की सड़क हादसे में मौत हो गई थी।

जानकारी के अनुसार तिलावद निवासी शिक्षक अमर सिंह मालवीय अपने पिता जगन्नाथ मालवीय को इलाज के लिए शुजालपुर ले जा रहे थे। वे तिलावद के शासकीय स्कूल में पदस्थ थे। दोपहर करीब 12.30 बजे सामने से आ रहे पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि अमर सिंह और जगन्नाथ मालवीय ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। वहीं हादसे के बाद पिकअप वाहन सड़क से नीचे उतरकर पलट गया, जबकि बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे में सीहोर जिले के गवाखेड़ी निवासी शिक्षक विजेंद्र ठाकुर भी गंभीर रूप से घायल हुए हैं। उन्हें तत्काल शुजालपुर सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

घटनास्थल पर सपीआर देकर किया जान बचाने का प्रयास

हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ भी लग गई। जिन्होंने हादसे के शिकार पिता-पुत्र की जान बचाने के लिए सीपीआर भी दिया, लेकिन हादसे के तुरंत बाद ही दोनो की मौत हो चुकी थी जिसके चलते लोगों का यह प्रयास भी काम नहीं आया। सूचना मिलते ही तिलावद पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों का पंचनामा तैयार कर पोस्टमार्टम के लिए पोलायकलां सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा। बताया गया है कि दुर्घटनाग्रस्त पिकअप वाहन अरनियाकला गांव के किसी व्यक्ति का है। हादसे के बाद पिकअप चालक मौके से फरार हो गया।

एक दिन पहले युवक भी हुआ था हादसे का शिकार- शुजालपुर-आष्टा मार्ग पर एक हफ्ते के भीतर तीसरा बड़ा सड़क हादसा है, जिसमें अब तक पांच लोगों की जान जा चुकी है। एक दिन पहले भी ऑप्टीकल पर काम करने वाले यश पंवार की भी सड़क हादसे में मोत हो गई थी जिसकी बाईक टर्न ले रही ट्रेक्टर-ट्राली से टकरा गई थी। वहीं सोमवार को फिर पिता-पुत्र की मौत हो गई। पुलिस फरार पिकअप चालक की तलाश कर रही है।

शंकरगढ़ की हरियाली अब वैज्ञानिक अध्ययन का हिस्सा, देश-विदेश में दर्ज हुई पुनर्वास की कहानी

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। कभी खनन के कारण उजड़कर बंजर हो चुकी शंकरगढ़ की पहाड़ी आज हरियाली से लहलहा रही है। वर्षों की मेहनत, जल-संरक्षण, समोच्च खाइयों, बंधान, व्यापक वृक्षारोपण और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी से शंकरगढ़ पहाड़ी के स्वरूप में उल्लेखनीय बदलाव आया है। अब यह पर्यावरण संरक्षण और पारिस्थितिक पुनर्वास का उदाहरण बनकर वैज्ञानिक जगत में भी पहचान बना रहा है। शंकरगढ़ में हुए इस उल्लेखनीय परिवर्तन को पहले राष्ट्रीय प्रतिष्ठित पत्रिका 'डाउन टू अर्थ' ने प्रकाशित किया था। इसके बाद उपग्रह चित्रों और वैज्ञानिक अध्ययन के माध्यम से शंकरगढ़ के पर्यावरणीय पुनर्वास की उपलब्धि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका 'इंडियन फॉरेस्टर' में भी दर्ज हुई है। जुलाई 2026 के अंक में 'पोस्ट माइनिंग इकोलॉजिकल रेस्टोरेशन इन शंकरगढ़ हिल्स 2017-2025' विषय पर लेख प्रकाशित किया गया है। इसमें खनन के बाद शंकरगढ़ पहाड़ियों के पारिस्थितिक पुनर्वास और वर्ष 2017 से 2025 के बीच हुए बदलावों का वैज्ञानिक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इस उपलब्धि पर भारतीय वन सेवा के तत्कालीन वन अधिकारी पी.एन. मिश्रा, ग्रीन आर्मी के अध्यक्ष समरजीत जाधव, ग्रीन आर्मी की पूरी टीम, प्रशासन, पुलिस, समस्त शासकीय विभाग, देवास वन विभाग, स्थानीय समुदाय तथा शंकरगढ़ के संरक्षण एवं पुनर्वास में योगदान देने वाले सभी संगठनों और संस्थाओं को बधाई दी गई है।

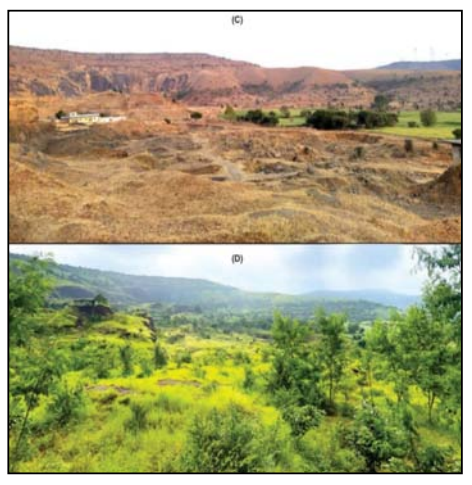

उजड़ी जमीन पर लौट सकती है हरियाली- शंकरगढ़ का यह प्रयास केवल एक पहाड़ी के हरा-भरा होने की कहानी नहीं है, बल्कि यह इस बात का प्रमाण है कि वन विभाग, प्रशासन, स्थानीय समुदाय और विभिन्न संस्थाएं मिलकर प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए काम करें तो उजड़ी और बंजर भूमि पर भी दोबारा हरियाली लाई जा सकती है। भारतीय वन सेवा के अधिकारी प्रदीप मिश्रा ने कहा कि शंकरगढ़ आज प्रकृति संरक्षण और पर्यावरण पुनर्वास के लिए प्रेरणा का स्रोत बन चुका है। यह हमें प्रकृति को बचाने, उसे संवारने और आने वाली पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य तैयार करने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि शंकरगढ़ में हुए कार्यों को वैज्ञानिक अध्ययन और उपग्रह चित्रों के माध्यम से प्रतिष्ठित वैज्ञानिक पत्रिका में स्थान मिलना इस पूरे प्रयास की महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

गांजा तस्कर को न्यायालय ने सुनाई सजा

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। विशेष सत्र न्यायाधीश (एनडीपीएस) न्यायालय ने गांजा तस्करी के आरोपी को 3 वर्ष के कठोर कारावास आरोपी देवेंद्रसिंह मेवाड़ा को दोषी ठहराया है। न्यायालय ने सोमवार को उसे 3 वर्ष के कठोर कारावास और 15 हजार रुपए के अर्थदंड सं दंडित किया है।

लोक अभियोजक एवं शासकीय अभिभाषक महेंद्रसिंह परमार ने बताया कि 1 जुलाई 2023 को शुजालपुर थाना पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शुजालपुर.पचोर रोड पर गोकुलधाम कालोनी के गेट के सामने एक व्यक्ति सफेद प्लास्टिक की थैली में गांजा लेकर खड़ा है। इस पर उप निरीक्षक नरेंद्र सिंह बुंदेला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पुलिस ने घेराबंदी कर देवेंद्रसिंह पिता केदारसिंह मेवाड़ा निवासी ग्राम टपका बसंतपुर थाना शुजालपुर को पकड़कर उसकी तलाशी ली जिसके पास थैली में 5 किलो 990 ग्राम गांजा बरामद हुआ था। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत प्रकरण दर्ज किया। जांच पूरी होने के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में पेश किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों और प्रमाणों के आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी पाया।

ओंकारेश्वर और सोमेश्वर महादेव ने जाने भक्तों के हाल

देर रात तक महादेव की भक्ति में डूबे रहे नगरवासी, सवारियां भी रही आकर्षण का केंद्र

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। चलो रे चलो भोले के द्वारे, हर-हर शंभू, बोल बम.....महादेव के ये भजन अलसुबह से ही पूरे शहर में महादेव की भक्ति का रस घोल रहे थे। शाम होते-होते पूरा शहर महादेव की भक्ति में रम गया। जैसे ही महादेव भक्तों के सामने आए वे भक्त निहाल हो गए। अवसर था भादौ के पहले सोमवार को निकली महादेव की सवारियों का, जिसका भक्तों ने पलक-पावड़े बिछाकर इंतजार किया तो सर झुकाकर और आशीर्वाद लेकर अपना जीवन धन्य किया।

सावन माह की समाप्ती के पश्चात भादौ माह में भी भक्तों को महादेव का सान्निध्य मिला और ओंकारेश्वर के साथ ही सोमेश्वर महादेव भक्तों को दर्शन देने के लिए ठाठ-बाट से निकले। जिससे शहरवासी उत्साहित हो गए और सवारी में शामिल हुए। सबसे पहले धानमंडी स्थित ओंकारेश्वर महादेव मंदिर से शाम को 5 बजे सवारी की शुरूआत हुई और ओंकारेश्वर महादेव अपने रथ में सवार होकर नगर भ्रमण पर निकले। सवारी में बैंड की धुन पर बज रहे भजन भी श्रद्धालुओं में भक्ति का रस घोल रहे थे। जिनकी संगीतमयी भजनों की धुन पर श्रद्धालू थिरकते हुए चले। जिन पर भक्तों ने पुष्पवर्षा कर उनका भी उत्साहवर्द्धन किया। शाही सवारी मंदिर से शुरू होकर वजीरपुरा, लालपुरा, कुम्हारवाड़ा होते हुए महादेव घाट मंदिर पहुंची जहां महादेव घाट मंदिर के पुजारी द्वारा ओंकारेश्वर महादेव का पूजन किया। इसके बाद यहां से सवारी मगरिया चैराहा, सोमवारिया बाजार, आजाद चैक, किला रोड होते हुए पुनः मंदिर पहुंची जहां महाआरती के बाद प्रसादी का वितरण किया गया।

सोमेश्वर महादेव ने भी जाने प्रजा के हाल, भक्त हुए निहाल- सोमवारिया बाजार स्थित सामेश्वर महादेव की पूरे वर्ष में भादौ माह के प्रथम सोमवार पर ही नगर भ्रमण करते हैं।

केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान 5 सितंबर को वस्त्र सिलाई प्रशिक्षण का करेंगे शुभारंभ

आरसेटी द्वारा खातेगांव विकासखंड की महिलाओं को दिया जाएगा वस्त्र सिलाई का प्रशिक्षण

देवास/ राजेन्द्र सिंह पंवार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। स्टार ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान द्वारा वर्षभर विभिन्न रोजगारान्मुखी निःशुल्क आवासीय प्रशिक्षण आयोजित किये जाते है। इसी के तहत खातेगांव में विकासखण्ड स्तरीय गैर-आवासीय प्रशिक्षण दिनांक 05 सितंबर 2026 से प्रारंभ किया जा रहा है। प्रशिक्षण का शुभारंभ केंद्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा किया जाएगा। जिसमें खातेगांव विकासखण्ड की महिलाओं को महिला वस्त्र निर्माण (सिलाई) के प्रशिक्षण दिया जाएगा। उक्त प्रशिक्षण में पात्र हितग्राहियों का चयन राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से किया जा रहा है, जिसमें 30 प्रशिक्षणार्थियों के लिए सीमित स्थान उपलब्ध रहेगा।

प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को कपड़ों की माप लेना एवं कटिंग, सिलाई के विभिन्न टांके, महिला परिधान निर्माण, फिनिशिंग एवं गुणवत्ता जांच के साथ-साथ उद्यमिता एवं स्वरोजगार हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को व्यावहारिक कौशल से जोड़कर उन्हें स्वयं का रोजगार प्रारंभ करने के लिए सक्षम बनाना है। इच्छुक महिलाएं प्रशिक्षण में प्रवेश के लिए 98931-93973 से शीघ्र संपर्क कर अपना पंजीयन करा सकती हैं। बैंक ऑफ इंडिया आरसेटी देवास ने ग्रामीण क्षेत्र की महिलाओं से अपील की है कि वे इस अवसर का लाभ उठाते हुए प्रशिक्षण में सहभागिता करें तथा अपने कौशल को विकसित कर स्वरोजगार एवं आत्मनिर्भरता की ओर कदम बढ़ाएं।

फोरलेन निर्माण बन रहा परेशानी, दुकानों के सामने हो रहे ग`

मामूली बारिश में ही बन जाता है तालाब, व्यापारी हो रहे परेशान

शाजापुर/दैनिक मालवा हेराल्ड। सनकोटा से टुकराना जोड़ तक चल रहा फोरलेन निर्माण अब स्थानीय व्यापारियों और रहवासियों के लिए गंभीर समस्या बन गया है। वाटर वर्क्स के सामने से टंकी चैराहे तक सड़क और नाली निर्माण के लिए की गई खुदाई के बाद काम अधूरा छोड़ दिया गया है। इस अधूरे निर्माण के कारण दुकानदारों, रहवासियों और राहगीरों को आवागमन में भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। दुकानों और मकानों के सामने गहरी खाइयां खोद दी गई हैं, जिससे स्थिति और भी जटिल हो गई है।

बारिश होने पर इन गड्ढों में पानी भर जाता है, जिससे मार्ग पर तालाब जैसी स्थिति बन जाती है। इस जलभराव के कारण वाहन चालकों और पैदल राहगीरों के लिए दुर्घटना का खतरा लगातार बना हुआ है। व्यापारियों का कहना है कि नाली निर्माण अधूरा रहने और सड़क की ऊंचाई बढ़ने के कारण बारिश के पानी की निकासी प्रभावित हुई है। पानी सीधे दुकानों और घरों में घुस रहा है, जिससे उन्हें नुकसान हो रहा है।

फीके रहे त्यौहार, नहीं हुआ व्यापार- व्यापारियों ने बताया कि निर्माण के दौरान दुकानों के सामने खुदाई भी की गई थी जिसके कारण वहां गड्ढे हो रहे हैं और मामूली बारिशमें ही ये गड्ढे तालाब बन गए थे जो अब तक बने हुए हैं। जिसके चलते ग्राहकों को दुकान तक पहुंचने में भी कठिनाई हो रही है, जिसका सीधा असर व्यापार पर पड़ रहा है। व्यापारियों के अनुसार राखी का त्यौहार भी इसी कारण फीका रहा, क्योंकि ग्राहक नहीं आ रहे थे। व्यापारियों ने बताया कि लंबे समय से निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण क्षेत्र के व्यापारी परेशान हैं। उनका कहना है कि इसी मार्ग से पीडब्ल्यूडी और प्रशासन के जिम्मेदार अधिकारी लगातार गुजरते हैं, इसके बावजूद अधूरे निर्माण की समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है।

जल्द पूरा करें निर्माण, ताकि समस्या का हो समाधान - व्यापारियों और स्थानीय नागरिकों ने जिला प्रशासन एवं संबंधित विभाग से मांग की है कि अधूरे निर्माण कार्य को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। साथ ही, गहरी खुदाई वाले हिस्सों को सुरक्षित किया जाए और बारिश के पानी की निकासी के लिए तत्काल उचित व्यवस्था की जाए। ताकि हम लोग व्यापार कर सकें और समस्या का सामधान हो सके। क्योंकि इस अधूरे निर्माण से अब व्यापारियों में आक्रोश पनप रहा है।

खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत तहसील स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियो ने दिखाया दम

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। जीवन में जितना शिक्षा का महत्व है उतना ही खेल का महत्व है, आज विभिन्न खेलों में भी युवाओं का विश्व स्तरीय करियर बन रहा है। प्रत्येक गांव में खेल को लेकर युवाओं की टीम होना चाहिए और नियमित उन्हें अपने खेल का प्रयास करते रहना चाहिए। खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित कर उन्हे आगे बढ़ाने के लिए हमारे निरंतर प्रयास जारी है।

उक्त विचार अंतरराष्ट्रीय खेल दिवस हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद जयंती के उपलक्ष में ग्राम पंचायत सुंदराबाद एवम खेल और युवा कल्याण विभाग द्वारा विधायक जितेंद्रसिंह पंड्या के आशीर्वाद एवं जिला खेल अधिकारी विजेंद्रसिंह देवड़ा के निर्देशानुसार तहसील स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता के दौरान सरपंच श्रीमती ज्योति अजय पंड्या सजग ने व्यक्त किए। श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर सुंदराबाद चौपाटी पर आयोजित खेलेगा भारत तो खिलेगा भारत अंतर्गत इस कार्यक्रम में खेल एवं युवक कल्याण विभाग ब्लॉक समन्वयक नंदकिशोर खटोलिया ने कहा कि बड़नगर कबड्डी के क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान रखता है। यहां की युवा टीम राष्ट्रीय स्तर पर अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुकी है। ग्राम सुंदराबाद में निरंतर विभिन्न सांस्कृतिक, साहित्यिक खेल गतिविधियों का आयोजन होता रहता है। ग्राम पंचायत सरपंच जी एवं समस्त ग्रामवासी इस हेतु बधाई के पात्र है।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड समन्वयक श्रीमती रेणुका श्रोत्रिय ने कहा कि खेल से शरीर स्वस्थ एवं मन मस्त रहता है। प्रत्येक गांव में सुबह-शाम कबड्डी सहित अन्य पारंम्परिक खेलो का नियमित अभ्यास होना चाहिए। कार्यक्रम के प्रारंभ में मुख्य अतिथि श्री मंशापूर्ण हनुमान मंदिर समिति संयोजक विनोद पंड्या, बाबूलाल यादव, सेवानिवृत शिक्षक तिलकराव कदम सरपंच श्रीमती ज्योति पंड्या, भाजपा मंडल महामंत्री कुंदन डोडिया आदि ने श्री मंशापूर्ण हनुमान जी का पूजन अर्चन किया। तत्पश्चात अतिथियों ने भारत माता की जय जयकार के साथ मैदान का पूजन किया। स्वागत भाषण सरपंच प्रतिनिधि अजय पंड्या सजग ने दिया। अतिथियों का पुष्पमालाओं से स्वागत पंच घनश्याम शिकारी, बाबूलाल चौधरी, भाजयुमो अध्यक्ष योगेश पंड्या, संजय सिंह राठौर, ठाकुरदास बैरागी, पंचायत सचिव धर्मेंद्र बैरागी, लोकेंद्र शर्मा, डॉ.गजराज पंड्या, अर्जुनसिंह डोडिया, दिनेश पाठक, गौरव बैरागी, आयुष पंड्या, अर्पित प्रजापत, विशाल बैरागी आदि ने किया। बड़नगर तहसील की विभिन्न प्रमुख कबड्डी टीमों बड़गांवा, बड़नगर, सुंदराबाद, अजडावदा, भाटपचलाना, झलारिया आदि ने उत्साह के साथ इस स्पर्धा में सहभागिता की। विजेता टीम झलारिया अ रही, जिन्हे ?2500 नगद, प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह तथा द्वितीय स्थान पर झलारिया ब को ?1500 नगद स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। स्पर्धा में सहभागिता करने वाली सभी टीमों को प्रमाण पत्र व स्मृति चिन्ह प्रदान किए गए। निर्णायक के रूप में उपस्थित अर्जुन पाटीदार एवम श्रीराम पाटीदार का भी ग्राम पंचायत द्वारा स्वागत अभिनंदन किया गया। संचालन दीपक पंड्या ने किया आभार ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष घनश्याम सिंह पंड्या ने माना।

सामूहिक सवारियों की परंपरा के सूत्रधार हरिकिशन मेलवाणी का भव्य स्वागत

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। भादवा मास के प्रथम सोमवार को नगर के चारों मंडलों द्वारा सामूहिक सवारियों के कारवां को एक साथ निकालने की परंपरा के सूत्रधार गीता भवन न्यास अध्यक्ष हरिकिशन मेलवाणी का प्रभात फेरी भक्त मंडल द्वारा साफा बांधकर भव्य एवं आत्मीय स्वागत किया गया।

प्रातःकाल नगर के प्रमुख मार्गों से निकली भव्य प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। भक्तजनों ने भक्ति एवं श्रद्धा से ओतप्रोत विभिन्न भजनों की प्रस्तुतियां देकर वातावरण को धर्ममय बना दिया। प्रभात फेरी नगर के प्रमुख मार्गों से होती हुई शिवाजी रोड स्थित श्री द्वारकाधीश मंदिर पहुंची। यहां प्रभात फेरी के भक्तजनों द्वारा श्री हरिकिशन मेलवाणी का पुष्पमालाओं एवं साफा बांधकर आत्मीय सम्मान किया गया।

इस अवसर पर प्रभात फेरी के सावरिया शर्मा, धर्मेन्द्र बिलाला एवं अजय राठौड़ ने श्री मेलवाणी द्वारा नगरहित एवं धार्मिक क्षेत्र में किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि नगर में सामूहिक सवारियों का कारवां एक साथ निकालने की परंपरा को प्रारंभ करने में श्री मेलवाणी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनकी पहल ने नगर की धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता को नई दिशा प्रदान की है। वक्ताओं ने उनके इस योगदान के लिए उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

जीवन में संकल्प लें और उसे पूरा करने में पूरी ताकत लगा दें- अपने स्वागत एवं सम्मान के प्रति उत्तर देते हुए हरिकिशन मेलवाणी ने कहा कि व्यक्ति को जीवन में सदैव कोई न कोई सकारात्मक संकल्प लेना चाहिए और उसे पूरा करने के लिए पूरी ताकत लगा देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हर व्यक्ति को धर्म से जुड़ना चाहिए। प्रभात फेरी प्रतिदिन नगर में धर्म और भक्ति की गंगा बहाने का कार्य कर रही है। धर्म एवं संस्कारों को आगे बढ़ाने से बढ़कर कोई श्रेष्ठ कार्य नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजन केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होते, बल्कि ये समाज को जोड़ने, नई पीढ़ी को संस्कारों से जोड़ने और आपसी सद्भाव को मजबूत करने का माध्यम भी हैं। प्रभात फेरी के दौरान भक्ति गीतों और जयकारों से नगर का वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में प्रभात फेरी के भक्तजन एवं धर्मप्रेमी नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सुकमाल सोनी ने सभी उपस्थितजनों का आभार व्यक्त किया।

आगर मालवा में शराब माफिया बेलगाम...

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। शराब कारोबार अब कानून नहीं, डायरी से चल रहा है। शराब कंपनी द्वारा लागू किया गया तथाकथित ÷डायरी सिस्टम÷ शासन और आबकारी नियमों की खुली धज्जियां उड़ाते हुए अवैध शराब बिक्री का मजबूत नेटवर्क बन चुका है। सूत्रों का दावा है कि इस डायरी सिस्टम के जरिए ठेकेदारों और सेल्समैन पर तय सीमा से कहीं अधिक शराब बेचने का दबाव बनाया जाता है। असली बिक्री का हिसाब सरकारी रजिस्टर में नहीं, बल्कि निजी डायरी में दर्ज होता है।

लायसेंसी दुकान पर भी अधिक मूल्य पर शराब बिक रही है, ठेकेदारों की मनमानी चरम पर है। एमआरपी से ज्यादा रेट पर शराब बेचकर ग्राहकों से खुलेआम लूट की जा रही है।

सवाल साफ है- जब सरकारी रिकॉर्ड ही झूठा है, तो आबकारी विभाग किस आधार पर जांच कर रहा है? ढाबों पर देर रात तक ठेके, गांव-गांव शराब की खुली सप्लाई ग्रामीण क्षेत्रों और ढाबों पर बेखौफ, बेरोकटोक और ओवररेट में बेची जा रही है। ठेकेदार द्वारा दी गई डायरी के दम पर निर्धारित समय के बाद भी बिक्री जारी रहती है।

स्थानीय लोग सवाल उठा रहे हैं कि अगर यह सब गैरकानूनी नहीं है तो फिर लाइसेंस, समय और रेट की शर्तें क्यों हैं? सबसे बड़ा सवाल यह है कि यह चुप्पी लापरवाही है या किसी गहरी सांठगांठ का संकेत?

उपलब्ध संसाधनों का मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ और सुविधाएं उपलब्ध करवाने में उपयोग करें - कलेक्टर डॉ. मीना

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया आकस्मिक निरीक्षण, उपलब्ध उपचार सुविधाओं का लिया जायजा

आगर-मालवा/दैनिक मालवा हेराल्ड। जिला चिकित्सालय में उपलब्ध मानव एवं अन्य संसाधनों का उपयोग कर मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ एवं सुविधाएँ उपलब्ध कराई जाए। यह निर्देश कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने सोमवार की शाम को जिला चिकित्सालय के आकस्मिक निरीक्षण करने के बाद आयोजित चिकित्सकों की बैठक में दिए। बैठक में एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दिनेश देहलवार, सिविल सर्जन डॉ. मनीष कुरील एवं अन्य शासकीय चिकित्सक उपस्थित थे। कलेक्टर डॉ. मीना सोमवार की शाम 04:00 बजे जिला चिकित्सालय पहुंचे, और लगभग डेढ़ घंटे तक जिला अस्पताल में रहकर ओपीडी पंजीयन केन्द्र, जन्म पंजीयन केन्द्र, प्रसूति वार्ड, पुरूष वार्ड, ब्लड बैंक सहित अन्य वार्डों का निरीक्षण कर मरीजों से चर्चा की और जिला चिकित्सालय में मिल रही उपचार सुविधाओं, भोजन की व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। कलेक्टर ने जन्म पंजीयन केन्द्र पर पंजीयन प्रमाण पत्र लेने आएं, मरीजों से भी चर्चा की। उन्होंने एसएनसीयू वार्ड का निरीक्षण कर भर्ती बच्चों के परिजनों से उपचार व्यवस्था के बारे मे चर्चा की। पुरूष वार्ड मे कलेक्टर ने गुराडिया के रामलाल एवं सेमली के बलराम से चर्चा कर जिला चिकित्सालय में मरीजों को मिल रही उपचार सुविधा एवं भोजन की गुणवत्ता के बारे में भी जानकारी ली।

आचार्य श्री मद विजय जयानंद सूरी जी के संयम अर्ध शताब्दी दिवस पर सामूहिक सामयिक,आयंबिल के साथ गुणानुवाद सभा एवं जीव दया कार्यक्रम सम्पन्न

महिदपुर/ यश असावरा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। विश्व पूज्य गुरुदेव श्री मद विजय राजेंद्र सूरी महाराजा जन्म द्विशताब्दी समर्पित मंगल वरदाय चातुर्मास में पुण्य सम्राट गुरुदेव जयंतसेन सुरीश्वर जी म.सा. की दिव्य कृपा प्राप्त पूज्य गच्छाधिपति आचार्य देवेश हृदय सम्राट नित्यसेनशुरीश्वर की आज्ञानुवर्तिनी चातुर्मास विराजित साध्वी श्री तत्वलता श्री जी महारासाहब आदि थाना 4 की शुभ निश्रा में त्रिस्तुतिक परंपरा के प्रभावी पट्टधर आचार्य देवेश चरित्र शिरोमणि,कठोर क्रिया पालक श्री मद विजय जयानंद सुरीश्वर जी गुरुदेव की संयम अर्धशताब्दी उत्सव स्थानीय खतरगच्छ आराधना भवन में सैकड़ों श्री संघ सदस्यों की उपस्थिति में मनाया गया। पूज्य गुरुदेव की 50 वीं दीक्षा दिवस पर सामूहिक सामयिक के साथ गुणानुवाद सभा का आयोजन त्रिस्तुतिक श्री संघ द्वारा किया गया।

गुणानुवाद सभा की शुरुआत परम गुरु भक्त आकाश मेहता द्धारा गुरुदेव के जीवन वृत्त पर एक आलेख प्रस्तुत किया,सभा में तपागच्छ संघ के सचिव श्री ललित गारडी नास्कावाला, आदिनाथ किला ट्रस्टी,लेखक चिंतक जैनेन्द्र खेमसरा,खतरगच्छ महिला मंडल से कुशल बेन धारीवाल, स्थानकवासी श्री संघ के पूर्व अध्यक्ष धर्मदास संघ के श्री राज कुमारजी सकलेचा, त्रिस्तुतिक महिला मंडल की संगीता मोदी,श्वेता बांठिया, सपना छजलानी आदि के साथ परम पूज्य साध्वी तत्वलता श्री जी महारासाहब ने गुरुदेव जयानंद सूरी जी के जीवन,दीक्षा वृत्त पर विभिन्न बिंदुओं के साथ उनके त्याग,संयम ,क्रिया धर्मपालन की महिमा की व्याख्या की। गुणानुवाद सभा का समापन त्रिसुतिक श्री संघ अध्यक्ष आशुतोष छजलानी द्वारा गुरुदेव के प्रेरक प्रसंग की व्याख्या करते हुए सभी का आभार व्यक्त किया। गुणानुवाद धर्म सभा का संचालन त्रिस्तुतिक संघ नवनियुक्त प्रदेश संरक्षक एवं स्थानीय संघ पूर्व अध्यक्ष मुकेश बांठिया ने किया।

संयम दिवस पर सामूहिक आयंबिल श्री मति शीला शरद जी भटेवरा चातुर्मास लाभार्थीत आयंबिल खाता सेठ सेतानमल जी बुरड़ भवन में संपन्न हुए। दोपहर पश्चात जीवदया के लिए स्थानीय गोपाल गोशाला में गुरुदेव राजेन्द्र जयानंद भक्त मंडल के सदस्यों द्वारा जीव दया सेवा की गई जिसमें आशीष जम्बू चोपड़ा जीवदया मित्र मंडल ने व्यवस्था सहयोग प्रदान किया।

आज सभी कार्यक्रम में सहयोग गुरु राजेंद्र जयानंद मित्र मंडल का रहा। प्रभावना का लाभ गुरु भक्त मंडल एवं वर्षीतप आराधक सीमाजी राजकुमार सकलेचा द्वारा लिया गया।

मेवाड़ा माली समाज का सामूहिक (कज्जली) कजरी तीज व्रत उद्यापन महोत्सव संपन्न

50 जोड़ों ने लिया धर्म लाभ, भव्य चल समारोह और प्रसादी का हुआ आयोजन

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। श्री मेवाड़ा माली समाज ट्रस्ट, बड़नगर के तत्वावधान में भादवा सुदी तीज के पावन अवसर पर भव्य एवं ऐतिहासिक सामूहिक (कज्जली) कजरी तीज व्रत उद्यापन महोत्सव पूर्ण धार्मिक विधि-विधान, अपार श्रद्धा और जन-उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर समाज के लगभग 50 भाग्यशाली जोड़ों ने एक साथ सम्मिलित होकर सामूहिक व्रत उद्यापन का धर्म लाभ अर्जित किया।

आयोजन की विस्तृत जानकारी देते हुए समाज के अध्यक्ष नारायण खट्टिया ने बताया कि उत्सव का शुभारंभ प्रातः 8:00 बजे मेवाड़ा माली मंदिर से भव्य चल समारोह के साथ हुआ। ढोल-नगाड़ों और धार्मिक जयकारों के साथ निकला यह चल समारोह नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए नदी घाट पहुँचा, जहाँ वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विधि-विधान पूर्वक सामूहिक पूजन एवं अर्चन संपन्न कराया गया।

उद्यापन में शामिल हुए 50 से अधिक जोड़े - इस सामूहिक धार्मिक अनुष्ठान में बड़नगर सहित आसपास के विभिन्न क्षेत्रों (रतलाम, इंदौर, जावरा, गौतमपुरा, राजगढ़, कजलाना, चेचट-राजस्थान आदि) से आए 47 से अधिक जोड़ों ने पूर्ण निष्ठा और पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ व्रत का सामूहिक उद्यापन किया।

विशाल भोजन प्रसादी एवं सामाजिक सौहार्द- नदी घाट पर पूजन संपन्न होने के पश्चात प्रातः 11:00 बजे से श्री मेवाड़ा माली धर्मशाला (बड़नगर) में विशाल भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ, जिसमें समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं, वरिष्ठ जनों व मातृशक्ति ने सहभोज का आनंद लिया। समाज द्वारा फिजूलखर्ची रोकने व सादगी को बढ़ावा देने के लिए बनाए गए नियमों (जैसे सीमित पत्रिकाएं, सादगीपूर्ण व्यवहार) का भी सभी सदस्यों ने पूरी निष्ठा से पालन किया।

सहयोगी संगठन रहे सक्रिय- महोत्सव को सफल बनाने में मेवाड़ा माली समाज नवयुवक मण्डल एवं मेवाड़ा माली समाज महिला मण्डल (बड़नगर) के कर्मठ कार्यकर्ताओं ने व्यवस्थाओं में अपनी सक्रिय और सराहनीय सेवाएं प्रदान कीं। सफल आयोजन के उपरांत मेवाड़ा माली समाज ट्रस्ट की कार्यकारिणी ने सभी व्रत उद्यापनकर्ता परिवारों, दानदाताओं, समाज के प्रबुद्ध जनों एवं पत्रकार बंधुओं का सहृदय आभार व्यक्त किया।

संकट चतुर्थी व्रत रख, महिलाओं ने मांगा अखंड सौभाग्य

बड़नगर/ महेश सोनगरा/ दैनिक मालावा हेराल्ड। प्राचीन हिंगलाज माता मंदिर रंगार सेरी में सोमवार को महिलाओं ने संकट चतुर्थी व्रत रखकर भगवान गणेश,, ओर चौथ माता की पूजा कर कथा सुनी पुजारी देवपुरी गोस्वामी ने बताया कि इसको बहुला चौथ भी कहते हैं भगवान श्री कृष्ण की गायों में एक गाय का नाम बहुला था वह श्री कृष्ण को बहुत प्यारी थी। चौथ के दिन श्री कृष्ण और गाय, बछड़े की पूजा करने से बच्चों की लंबी उम्र एवं सुख समृद्धि की प्राप्ति होती है। महिलाओं ने चंद्रोदय होने पर चंद्रमा की पूजाकर अपने पति के लिए अखंड सौभाग्य का वर मांगा।

प्रतिष्ठित व्यवसायी एमजी सेठ का निधन

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी एवं धर्मनिष्ठ श्रावक मांगीलाल पोखरना (एमजी सेठ, कोद वाले) का रविवार को निधन हो गया। वे संतोष कुमार जी के बड़े भाई एवं नीरज पोखरना के पूज्य पिता थे। उनके निधन के समाचार से पूरे क्षेत्र और जैन समाज में शोक की लहर छा गई। रविवार दोपहर उनकी अंतिम यात्रा निज निवास अरिहंत कॉलोनी, मंडी रोड से निकाली गई, जो नागेश्वर मुक्तिधाम पहुँची जहाँ उनका अंतिम संस्कार संपन्न हुआ। अंतिम यात्रा में बड़ी संख्या में समाजजनों, व्यवसायियों एवं गणमान्य नागरिकों ने शामिल होकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। दिवंगत मांगीलाल पोखरना अत्यंत सरल, मिलनसार, गंभीर और धर्मनिष्ठ प्रवृत्ति के व्यक्तित्व थे। धर्म उनके लिए केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की शैली था। बिना किसी आडंबर के सभी के साथ आत्मीय संबंध निभाना उनके व्यक्तित्व की मुख्य पहचान रही। उनका निधन परिवार एवं समाज के लिए एक अपूरणीय क्षति है। समाजजनों ने अरिहंत प्रभु से दिवंगत आत्मा की शांति एवं शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है।

स्व. निर्भय सिंह पटेल की 30वीं पुण्यतिथि पर पुण्य स्मरण समारोह आयोजित

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री श्रद्धेय स्वर्गीय दादा श्री निर्भय सिंह पटेल जी की 30वीं पुण्यतिथि के अवसर पर देपालपुर में पुण्य स्मरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में उपस्थित जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वर्गीय दादा निर्भय सिंह पटेल जी को श्रद्धासुमन अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर वक्ताओं ने स्वर्गीय दादा निर्भय सिंह पटेल जी के व्यक्तित्व एवं उनके जनसेवा से जुड़े कार्यों को याद करते हुए उनके साथ जुड़े अनेक संस्मरण साझा किए। वक्ताओं ने कहा कि दादा निर्भय सिंह पटेल ने अपने राजनीतिक एवं सामाजिक जीवन में जनहित और क्षेत्र के विकास को सदैव प्राथमिकता दी, जिसके कारण आज भी क्षेत्रवासियों के बीच उनकी स्मृतियां जीवंत हैं।

पुण्य स्मरण समारोह में जनपद अध्यक्ष श्री गूमानसिंह पंवार, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अंतरसिंह मौर्य, नगर मंडल अध्यक्ष श्री देवकरण दरबार, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अनीता महेश पुरी, श्री राजेंद्र देथलिया, भाजपा जिला उपाध्यक्ष श्री सत्यनारायण पटेल तथा नगर परिषद उपाध्यक्ष श्री गोपाल कटेसरिया सहित भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देपालपुर के हरि ओम पुरी गोस्वामी ने राष्ट्रीय ग्रैप्लिंग कुश्ती चैंपियनशिप में जीता स्वर्ण पदक

देपालपुर/ अंकित भोला परमार/ दैनिक मालवा हेराल्ड। उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित वंदना कटारिया स्टेडियम में आयोजित नेशनल ग्रैप्लिंग कुश्ती चैंपियनशिप 2026 में देपालपुर नगर के होनहार पहलवान हरि ओम पुरी गोस्वामी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मध्य प्रदेश का नाम रोशन किया है।

राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में सीनियर वर्ग के अंतर्गत 66 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिस्पर्धा करते हुए हरि ओम पुरी गोस्वामी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। इस

उल्लेखनीय उपलब्धि के साथ ही उन्होंने आगामी एशियाई ग्रैप्लिंग कुश्ती चैंपियनशिप के लिए भी अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है।

हरि ओम पुरी गोस्वामी कुश्ती प्रशिक्षक अनुपाल सिंह से प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। उनकी इस सफलता पर प्रशिक्षक सहित खेल जगत और नगरवासियों में हर्ष का माहौल है।

देपालपुर नगर के वरिष्ठजनों एवं समाजजनों ने हरि ओम पुरी गोस्वामी को राष्ट्रीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। नगरवासियों ने विश्वास व्यक्त किया कि हरि ओम आगामी एशियाई चैंपियनशिप में भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

7 सितंबर को निकलेगी भव्य राजसी सवारी, महाप्रसादी के लाभार्थी होंगे धीरजसिंह पंवार

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भगवान महाकाल की भक्ति और आस्था से सराबोर बदनावर नगर में श्री महाकाल मंडल न्यास समिति के तत्वावधान में आगामी 7 सितंबर 2026, सोमवार को भव्य राजसी सवारी निकाली जाएगी। राजसी सवारी को लेकर श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमी नागरिकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। आयोजन के दौरान भगवान महाकाल की भव्य सवारी नगर के प्रमुख मार्गों से निकलेगी। सवारी में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। धार्मिक आयोजन को लेकर समिति द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

महाप्रसादी का आयोजन- राजसी सवारी के अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन भी किया जाएगा। इस महाप्रसादी के लाभार्थी श्री धीरजसिंह जी पंवार बदनावर, जिला धार रहेंगे। श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंचकर महाप्रसादी का लाभ लेंगे।

श्री महाकाल मंडल न्यास समिति, बदनावर ने क्षेत्र के सभी धर्मप्रेमी नागरिकों एवं श्रद्धालुओं से राजसी सवारी में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर आयोजन की शोभा बढ़ाने तथा महाप्रसादी का लाभ लेने का आग्रह किया है।

समय सीमा बैठक में में कलेक्टर ने दिए निर्देश, जन विश्वास अभियान में प्राप्त शिकायतों का निरंतर फॉलोअप कर निराकरण सुनिश्चित करें- डॉ. मीना

आगर मालवा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। जन विश्वास अभियान के दौरान प्राप्त शिकायतो, समस्याओं का संबंधित अधिकारी निरंतर फॉलोअप करें और उनका निराकरण सुनिश्चित करें। प्रधानमंत्री आवास योजना 2.2 के तहत जिले को पर्यासन संख्याव में लक्ष्य मिला है, जनपद सीईओ और सीएमओ पात्र हितग्राहियों को चिन्हित कर उनके पोर्टल पर आवेदन करवाएं और उन्हें आवास का लाभ प्रदान करें। यह निर्देश कलेक्टर डॉ. शेर सिंह मीना ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष आगर में समय सीमा पत्रों के निराकरण की समीक्षा बैठक में विभागीय समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को दिए। बैठक में एडीएम डॉ. शालिनी श्रीवास्तव, जिला पंचायत सीईओ बीएस सोलंकी, डिप्टी कलेक्टर प्रेम नारायण परमार, एसडीएम देव कुंवर सोलंकी सहित अन्य

जिला अधिकारी उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर डॉ. मीना ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि वह आगामी जनविश्वास शिविर में आयोजित आधार पंजीयन शिविर में क्षेत्र के सभी शालाओं के आधार पंजीयन से शेष रहे विद्यार्थियों के आधार का पंजीयन सुनिश्चित करवाएं। उन्होंने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिए कि? वह जनविश्वास शिविरों में शेष हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड का पंजीयन करवाकर उन्हें कार्ड प्रदान करें, कोई भी पात्र आयुष्मान पंजीयन से शेष न रहे।

बैठक में कलेक्टर ने छात्रवृत्ति के लंबित आवेदनों का निराकरण करने, जातिप्रमाण पत्रों के प्रकरणों का भी तत्परता पूर्वक निराकरण करने, समग्र ई-केवाईसी से शेष हितग्राहियों का समग्र ई-केवाईसी करवाने, शेष किसानों की फार्मर आईडी बनाने, स्वीकृत सभी 13 नवीन आंगनवाड़ी केंद्र भवनों का निर्माण कार्य तत्काल प्रारंभ करवाने तथा 50 दिवस से अधिक लंबित सीएम हेल्पलाइन तथा ग्रेडिंग माह की सीएम हेल्पलाइन का सर्वोच्च प्राथमिकता से निराकरण करवाने के निर्देश भी दिए। कलेक्टर ने फसल बीमा योजना के तहत बैंकों द्वारा प्रीमियम लेने के बाद भी किसानों को फसल बीमा की राशि का भुगतान नहीं करने पर संबंधित बैंकों से बीमा क्लेम, संबंधित किसानों को भुगतान सुनिश्चित करवाने के निर्देश भी जिला अग्रणी बैंक प्रबंधक को दिए हैं। बैठक में बताया गया कि आगामी जनविश्वास शिविर 5 सितंबर को आगर विकासखंड की पंचायत बापचा में आयोजित किया जा रहा है। सभी जिला अधिकारी इस शिविर के पूर्व अपनी संस्थाओं कार्यालय का निरीक्षण कर, निरीक्षण प्रतिवेदन पोर्टल पर ऑनलाइन दर्ज करें। कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों को 18 वर्ष से अधिक आयु के हितग्राहियों के नवीन आधार पंजीयन का सत्यापन तत्काल करनें के निर्देश भी दिए।

भैसोला पुनर्वास क्षेत्र में विस्थापितों का फूटा गुस्सा, पाटीदार के निशाने पर विधायक शेखावत

पाटीदार आंदोलन करें, तो मेरा उन्हें समर्थन है -विधायक, बदनावर

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। ग्राम भैसोला में बन रहे पीएम मेगा पार्क विस्थापित एवं पुनर्वास क्षेत्र में रह रहे दर्जनों गरीब और आदिवासी परिवारों की स्थिति अत्यंत चिंताजनक बनी हुई है। देश हित का हवाला देकर अपनी जमीनें और पक्के मकान देने वाले इन विस्थापितों को पिछले कई महीनों से बुनियादी सुविधाओं के अभाव में कंकड़-पत्थरों और अस्थायी टिन-शेड के नीचे दिन काटने को मजबूर होना पड़ रहा है। पुनर्वास स्थल पर पानी की कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। ग्रामीण और छोटे बच्चे कई महीनों से पीने के पानी के लिए तरस रहे हैं। वही क्षेत्र में शौचालय के गड्ढे बंद पड़े हैं। %स्वच्छ भारत अभियान% के बड़े-बड़े दावों के बावजूद महिलाओं के लिए शौचालय या कमोड की कोई सुविधा नहीं है, जिससे उन्हें मजबूरी में खुले में शौच जाना पड़ रहा है।

विस्थापितों की आवाज़ बने युवा नेता सचिन वासुदेव पाटीदार ने बताया की क्षेत्रीय विधायक भंवर सिंह शेखावत ने चुनाव के दौरान वादा किया था कि किसी का घर या जमीन नहीं छीनी जाएगी। लेकिन जीतने के बाद पिछले तीन वर्षों से उन्होंने इस क्षेत्र के विस्थापितों की सुध तक नहीं ली। दर्द सुनाते दर्द विस्थापितों को केवल वोट बैंक की तरह इस्तेमाल करने और झूठे आश्वासन देकर उनके मौलिक अधिकारों से वंचित रखने का आरोप लगाया गया है। प्रदर्शनकारियों ने शासन-प्रशासन में बैठे अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों को चुनौती दी है कि वे अपने परिवार के साथ आकर इस बस्ती में बिना पानी और बिना शौचालय के 3 दिन बिताकर दिखाएं, ताकि उन्हें गरीबों का दर्द समझ आए।

पाटीदार ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि 7 दिनों के भीतर विस्थापितों को पीने का पानी, काम करते शौचालय और बुनियादी सुविधाएं प्रदान नहीं की गई, तो पूरा बदनावर क्षेत्र एक बड़े लोकतांत्रिक आंदोलन की राह पर बढ़ेगा। विकास के नाम पर विस्थापित हुए इन परिवारों का धैर्य अब जवाब दे रहा है। यदि शासन और प्रशासन ने समय रहते इस मामले पर संज्ञान नहीं लिया, तो क्षेत्र में व्यापक जन-आंदोलन की स्थिति बन सकती है।

आज भी पीएम मेगा पार्क विस्थापित एवं पुनर्वास क्षेत्र में मूलभूत चीजों का अभाव है, जिसकी मांग हम बार-बार प्रशासन से करते आए हैं एवं विधानसभा में भी इस मामले को उठाया है। अगर सचिन पाटीदार आंदोलन करें, तो मैं उनके साथ जाऊंगा, मेरा उन्हें समर्थन है। भंवर सिंह शेखावत -विधायक, बदनावर

आपके द्वारा मुझे जानकारी मिली है, इस हेतु अनुविभागीय अधिकारी बदनावर एवं एमपीआरडीसी को अवगत कराकर आवश्यक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाएगी।

-सुरेश नागर, तहसीलदार, बदनावर

हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा श्री कृष्ण पर्व

अमझेरा में गूंजेगी श्रीकृष्ण की बांसुरी - लीला, लोक और भक्ति से सजेंगी दो सांझ

अमझेरा/ आशीष-पंचोली/ दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास, मध्यप्रदेश शासन, संस्कृति विभाग द्वारा नगर अमझेरा में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर 'श्रीकृष्ण पर्व' का भव्य एवं दिव्य आयोजन किया जा रहा है। जिसके अंतर्गत 3 एवं 4 सितम्बर को शाम 7 बजे से थाना परिसर के पीछे दो दिवसीय कार्यक्रम होंगे श्रीकृष्ण पर्व के पहले दिन 'श्रीकृष्ण लीला' नृत्य नाटिका की प्रस्तुति श्री हर्षित शर्मा एवं साथी, भोपाल द्वारा की जाएगी। मंच पर कृष्ण के जीवन और उनकी लीलाओं के प्रसंग नृत्य, अभिनय और संगीत के माध्यम से जीवंत होंगे। इसके बाद सुविख्यात गायक शर्मा बंधु एवं साथी, उज्जैन की भक्ति गायन प्रस्तुति कृष्ण-भक्ति के सुरों से वातावरण को सराबोर करेगी। लोक एवं शास्त्रीय भावों से जुड़ी इन स्वर-लहरियों में श्रोताओं को श्रीकृष्ण के उस रूप का अनुभव होगा, जो कभी नटखट कान्हा है, कभी प्रेम का प्रतीक और कभी धर्म की रक्षा के लिए खड़ा योद्धा।

और दूसरे दिन 'रुक्मिणी हरण एवं विवाह' प्रसंग पर केंद्रित नृत्य नाटिका दुर्गा मिश्रा एवं साथी, भोपाल द्वारा प्रस्तुत की जाएगी। कृष्ण और रुक्मिणी की प्रेम-कथा का यह प्रसंग केवल पौराणिक आख्यान नहीं, बल्कि प्रेम, साहस और अपने निर्णय पर अडिग रहने की कथा भी है। वहीं, सुश्री आकृति सोनी एवं साथी, इंदौर की भक्ति गायन प्रस्तुति इस सांस्कृतिक संध्या को भक्ति के माधुर्य से पूर्ण करेगी। संचालक, संस्कृति एन.पी. नामदेव ने बताया कि अमझेरा को भगवान श्रीकृष्ण और रुक्मिणी हरण से जुड़े पौराणिक प्रसंग का साक्षी माना जाता है।

मान्यता है कि रुक्मिणी को शिशुपाल से विवाह से बचाने के लिए श्रीकृष्ण उन्हें अमझेरा से लेकर द्वारका की ओर चले थे। रुक्मिणी के भाई रुक्मी ने श्रीकृष्ण का पीछा किया और दोनों के बीच युद्ध हुआ, जिसमें श्रीकृष्ण ने रुक्मी को पराजित किया। यही वह कथा-भूमि है, जहां कृष्ण का प्रेम, पराक्रम और लोकजीवन एक साथ दिखाई देते हैं। अमझेरा के प्राचीन मंदिर, तालाब, छतरियां, कुएं और किला इस क्षेत्र की ऐतिहासिक समृद्धि की कहानी कहते हैं।

बदनावर के दामाद न्यायमूर्ति अमित लाहोटी का हुआ ऐतिहासिक सम्मान

बदनावर/ मनीष शर्मा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। नगर के प्रतिष्ठित सोमानी परिवार द्वारा अपने दामाद अमित लाहोटी के मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पद पर नियुक्त होने के ऐतिहासिक अवसर पर एक भव्य अभिनंदन समारोह का आयोजन स्थानीय निजी गार्डन में किया गया। इस अवसर पर न्यायिक जगत की प्रमुख हस्तियों, प्रशासनिक अधिकारियों, समाजसेवियों और विभिन्न शहरों से आए समाजजनों ने शिरकत कर न्यायमूर्ति लाहोटी का पुष्पमाला, शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया।

न्यायमूर्ति अमित लाहोटी की यह यात्रा पारिवारिक संस्कारों और न्यायिक परंपरा की सुदृढ़ नींव पर टिकी है। वर्ष 2003 में विधि स्नातक (रूक्ष) उत्तीर्ण करने के बाद उन्होंने गुना जिला न्यायालय से वकालत की शुरुआत की। दो दशकों से अधिक समय तक उन्होंने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय की ग्वालियर, जबलपुर एवं इंदौर पीठों में निष्पक्षता और निडरता से पैरवी की। विगत 9 वर्षों में भारत के सर्वोच्च न्यायालय में जटिल संवैधानिक, नागरिक और आपराधिक मामलों में अपनी विद्वता की छाप छोड़ी। वर्ष 2024 में सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत उनका ऐतिहासिक केस शिव प्रताप सिंह राणा बनाम मध्य प्रदेश राज्य प्रमुख लॉ जर्नल्स में अमर नजीर बना। इसके अतिरिक्त पर्यावरण संरक्षण, अवैध खनन पर रोक और बेघर बच्चों के पुनर्वास जैसे सामाजिक मुद्दों पर भी उनका उल्लेखनीय योगदान रहा है।

समारोह में मुख्य रूप से धार की विशेष न्यायाधीश मैरी मार्गरिट फ्रांसिस, बदनावर के जिला न्यायाधीश जी.सी. मिश्रा, धार की मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नताशा शेख पटेल, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव प्रदीप कुमार सोनी, जिला रजिस्ट्रार धर्मकुमार, प्रधान न्यायाधीश नेहा, बदनावर न्यायाधीश पारूल गोहिया, एसडीएम प्रियंका मिमरोट एवं तहसीलदार सुरेश नागर के साथ जनप्रतिनिधि नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव व समाजजन, गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। परिवार के वरिष्ठ मदनलाल सोमानी, मोहन सोमानी, अशोक सोमानी, मनोज सोमानी, रमेश सोमानी एवं गोपाल सोमानी के सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश जैसे संवैधानिक और महत्वपूर्ण पद पर न्यायमूर्ति अमित लाहोटी की नियुक्ति न केवल परिवार, बल्कि संपूर्ण क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व का विषय है।

दादा गुरुदेव की जन्म द्विशताब्दी महोत्सव का संदेश लेकर नागदा पहुंचा भरतपुर तीर्थ का प्रतिनिधि मंडल

श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन श्रीसंघ ने किया भरतपुर तीर्थ के ट्रस्टीगण का आत्मीय बहुमान

नागदा/ राजेश सकलेचा/ दैनिक मालवा हेराल्ड। गुरु राजेन्द्र की जन्मभूमि राजस्थान की पावन तीर्थभूमि श्री भरतपुर महातीर्थ में आयोजित होने वाले दादा गुरुदेव परम पूज्य श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. की जन्म द्विशताब्दी महोत्सव का भावपूर्ण अग्रिम निमंत्रण लेकर श्री राजेन्द्रसूरि जैन कीर्ति मंदिर तीर्थ, भरतपुर के ट्रस्टीगण नागदा पहुंचे।

प्रतिनिधिमंडल ने सर्वप्रथम नागदा में चातुर्मास हेतु विराजमान पूज्य साध्वी श्री अर्हमव्रता श्रीजी म.सा. आदि ठाणा-4 के दर्शन-वंदन कर मांगलिक श्रवण किया तथा दादा गुरुदेव श्री की जन्म द्विशताब्दी के अवसर पर आयोजित होने वाले भव्यातिभव्य महोत्सव का भावपूर्ण अग्रिम निमंत्रण श्रीसंघ को प्रदान किया।

अखिल भारतीय श्री राजेन्द्र जैन नवयुवक परिषद के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी ब्रजेश बोहरा ने बताया कि भरतपुर तीर्थ से नागदा पधारे प्रतिनिधिमंडल में तीर्थ ट्रस्ट अध्यक्ष बाबूलाल लालचंद कटारिया संघवी (धानसा-दिल्ली), महामंत्री विमलकुमार नैनमल वेदमूथा (भूति-सूरत), उपाध्यक्ष शेषमल बाबूलाल क्षत्रीय वोरा (सुराणा-दिल्ली), कोषाध्यक्ष कान्तीलाल मगराज संघवी (आकोली-अहमदाबाद), सहकोषाध्यक्ष राजेन्द्रकुमार शंकरलालजी दंगवाड़ा (बड़नगर) तथा सहमहामंत्री मुकेशकुमार सोमतमल दोशी (भीनमाल-मुंबई) शामिल रहे।

बहुमान करने वालों में मनीष जैन,सुरेन्द्र कांकरिया,शरद आंचलिया, अभय चोपड़ा, ब्रजेश बोहरा, सुभाष गोलड़ा तथा सुरेश ओरा प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

दादा गुरुदेव श्रीमद् विजय राजेन्द्रसूरीश्वरजी म.सा. की जन्म द्विशताब्दी के उपलक्ष्य में 8 जनवरी से 16 जनवरी 2027 तक भव्यातिभव्य अष्टाह्निका महोत्सव गुरु राजेन्द्र की जन्मभूमि श्री भरतपुर महातीर्थ में आयोजित किया जाएगा। मुख्य गुरुपर्वोत्सव एवं गुरु सप्तमी पोष सुदी सातम, शुक्रवार, 15 जनवरी 2027 को श्रद्धा एवं भक्ति के साथ मनाई जाएगी।

भरतपुर तीर्थ ट्रस्ट मंडल द्वारा सम्पूर्ण भारत के श्रीसंघों तक इस ऐतिहासिक महोत्सव का अग्रिम निमंत्रण पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। इसी क्रम में प्रतिनिधिमंडल विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर गुरु भक्तों को भावपूर्ण अग्रिम निमंत्रण प्रदान कर रहा है।

केन्द्रीय जेल में बंदी भाइयों की कलाई पर बहनों ने बांधी राखी

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। जेल मुख्यालय के निर्देशानुसार विगत 28 अगस्?त को रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर केन्द्रीय जेल में परिरुद्ध बंदियों को उनकी बहनों से प्रत्यक्ष मुलाकात कराते हुए राखी बंधवाने की विशेष व्यवस्था की गई।

केन्द्रीय जेल अधीक्षक श्री मनोज कुमार साहू ने बताया कि रक्षाबंधन पर्व के अवसर पर जेल प्रशासन द्वारा विशेष तैयारियां की गईं। जेल परिसर में आने वाली बहनों का स्वागत किया गया तथा उनके लिए पेयजल एवं टेंट की व्यवस्था की गई। जेल नियमों का पालन करते हुए प्रार्थना भवन में कुमकुम-चावल की थाली उपलब्ध कराई गई, जिससे बहनें अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांध सकें। इस दौरान कई बहनें अपने भाइयों से मिलने के लिए भावुक नजर आईं। जेल स्टॉफ द्वारा उन्हें सम्मानपूर्वक प्रवेश कराया गया तथा आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुलाकात कराई गई। केन्द्रीय जेल उज्जैन में कुल 1216 पुरुष बंदियों से 3439 महिला बहनों एवं 1429 बच्चों तथा 56 महिला बंदिनियों से 30 पुरुष भाइयों एवं 36 महिला बहनों की प्रत्यक्ष मुलाकात कराते हुए राखी बंधवाने की प्रक्रिया पूर्ण कराई गई।

धोखाधड़ी करने वाले 6 आरोपियों को 10 साल की सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। वर्ष 2016 में चिटफंड कंपनी के खिलाफ धोखाधड़ी का प्रकरण माधवनगर थाना पुलिस ने दर्ज किया था, जो न्यायालय में पिछले 9 सालों से विचाराधीन था। लम्बी चली सुनवाई के बाद पंचम अपर सत्र न्यायाधीश राकेश कुमार शर्मा ने शनिवार को फैसला सुनाते हुये कंपनी से जुड़े 6 संचालकों पूनमचंद पिता रणछोड़ पाटीदार 61 वर्ष निवासी इन्दौर हाल मुकाम झाबुआ, नानालाल पिता नारायण पाटीदार 58 वर्ष निवासी ग्राम बनी पेटलावद, जिला झाबुआ, प्रदीप पिता जगदीश पाटीदार 38 वर्ष निवासी खण्डवा, मोहनलाल पिता मेघराज पाटीदार 48 वर्ष निवासी संतनगर रतलाम, मीरा पति सुंदरसिंह नायक 50 वर्ष निवासी ग्राम रब्बापुर झाबुआ और रमेशचंद्र पिता प्रीतमलाल पाटीदार 54 वर्ष निवासी तिरूपतिनगर, रतलाम को धारा 409/34 भादवि में 10 वर्ष, 420/34 भादवि में 5 वर्ष की सजा से दंडित किया है। मीडिया सेल प्रभारी कुलदीप सिंह भदौरिया ने बताया कि माधवनगर थाना पुलिस को फरियादी मंगला, रेखा, कृष्णा, शिववती, गणेश पाल, सुनीता, साधना और राकेश ने शिकायत दर्ज कराई थी कि वर्ष 2010 में 311 सिद्धि विनायक टावर शहीद पार्क स्थित चिटफण्ड कंपनी प्रज्ञा डोयरीज एंड एगो लि. कंपनी के संचालक और कर्ताधर्ताओं ने बताया था कि कंपनी डोयरी प्राडक्ट का व्यापार करती है, रुपए जमा करेंगे तो डेढ़ गुना रूपया वापस मिलेगा, एफडी पांच साल डबल होगी। एक किश्त जमा होने के बाद सदस्य मृत्यु होती है तो संपूर्ण बीमा राशि का लाभ मिलेगा। विश्वास कर 40 लाख रुपए कंपनी में जमा किए थे। लेकिन कुछ साल बाद कंपनी पर ताला लगाकर सभी भाग निकले है। पुलिस द्वारा प्रकरण का अभियोग पत्र न्यायालय प्रस्तुत किया था। प्रकरण में अभियोजन पैरवीकर्ता राजेंद्र सिंह चौहान, अपर लोक अभियोजक एवं सहयोगी अजय कुमार पांडे अपर लोक अभियोजक के तर्कों से सहमत होकर आरोपियों को न्यायालय द्वारा सजा सुनाई गई है। प्रकरण में विवेचक निरीक्षक अनिल शुक्ला की विवेचना महत्वपूर्ण रही थी। मामले में अब भी 2 आरोपी अर्पित भावसार, चंचल सोनी फरार है।

रात 11 बजे शहर बंद, सड़क पर पुलिस का पहरा... नशे में वाहन चलाने वाले 15 पकड़े

चेकिंग में 7 पर आर्म्स एक्ट की कार्रवाई, 40 वाहन चालकों के काटे चालान

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। शहर में कानून व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने के लिए उज्जैन पुलिस का विशेष चेकिंग और निगरानी अभियान लगातार जारी है। पुलिस ने जिलेभर में संदिग्धों, गुंडा बदमाशों और असामाजिक तत्वों की जांच के साथ यातायात नियम तोड़ने वालों पर भी कार्रवाई की।

अभियान के दौरान शराब पीकर वाहन चलाने वाले 15 वाहन चालकों के खिलाफ धारा 185 मोटर व्हीकल एक्ट में कार्रवाई कर वाहन जब्त किए गए। चेकिंग के दौरान पुलिस ने 7 आरोपियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत वैधानिक कार्रवाई की। वहीं यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 40 वाहन चालकों के चालान काटे गए। पुलिस अधिकारियों और थाना प्रभारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में संदिग्ध व्यक्तियों और आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त लोगों की सघन निगरानी की।

पुलिस के विशेष अभियान के तहत शहर के विभिन्न प्रतिष्ठानों को निर्धारित समय रात 11 बजे तक बंद कराया जा रहा है। इसके बाद सड़कों और प्रमुख स्थानों पर पुलिस की निगरानी बढ़ाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि अभियान का उद्देश्य केवल कार्रवाई करना नहीं, बल्कि शहर में सुरक्षित माहौल बनाना और असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अंकुश लगाना है। पुलिस की सख्ती का असर भी दिखाई देने लगा है। अभियान के दौरान कई युवा रात में समय पर अपने घर पहुंचे। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले और आपराधिक गतिविधियों में शामिल व्यक्तियों के खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

सावन में उज्जैन की सड़कों पर लाखों वाहनों का दबाव रहा

महाकाल दर्शन और सवारी के बीच नानाखेड़ा सबसे व्यस्त- देवास रोड, इंदौर रोड और मक्सी रोड पर भी बढ़ा ट्रैफिक

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। श्रावण माह में महाकाल दर्शन और बाबा महाकाल की सवारियों के चलते शहर की सड़कों पर वाहनों का दबाव तेजी से बढ़ा। 1 से 25 अगस्त तक केवल बाहरी मार्गों पर लगे कैमरों में 27 लाख 71 हजार से अधिक वाहनों की आवाजाही दर्ज हुई। इनमें करीब 13 लाख 74 हजार 744 वाहन शहर में प्रवेश करने वाले, जबकि 13 लाख 96 हजार 334 वाहन शहर से बाहर निकलने वाले रहे।

ट्रैफिक डीएसपी दिलीप परिहार के अनुसार शहर के प्रमुख बाहरी मार्गों पर कैमरों से मिले आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। इसमें नानाखेड़ा मार्ग सबसे व्यस्त रहा। यहां 1 से 25 अगस्त के बीच 5 लाख 4 हजार 399 वाहन शहर में आए, जबकि 4 लाख 31 हजार 534 वाहन बाहर निकले। देवास रोड से भी 2 लाख 46 हजार 648 वाहन शहर में आए और 1 लाख 57 हजार 744 वाहन बाहर गए। कैमरों से मिले आंकड़ों में इंदौर रोड के अलावा मक्सी रोड भी बड़े ट्रैफिक कॉरिडोर के रूप में सामने आया। मक्सी मार्ग से शहर में प्रवेश करने वाले वाहनों की संख्या 1 लाख 66 हजार 167 रही, जबकि बाहर जाने वाले वाहनों की संख्या 2 लाख 94 हजार 302 दर्ज हुई। इंदौर रोड से हरिफाटक मार्ग पर भी 2 लाख 28 हजार 464 वाहन शहर में आए और 2 लाख 58 हजार 857 बाहर निकले। श्रावण में बढ़े यातायात का असर पार्किंग व्यवस्था पर भी दिखाई दिया। आंकड़ों के अनुसार नीलकंठ पार्किंग में 26,549, महादेव पार्किंग में 6,295 और रूद्र सागर पार्किंग में 8,625 वाहन खड़े किए गए। ट्रैफिक पुलिस के मुताबिक महाकाल क्षेत्र में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने के साथ प्रमुख मार्गों पर वाहनों का दबाव भी बढ़ा है।

श्रावण में श्रद्धालुओं की बढ़ी आवाजाही का सीधा असर शहर के ट्रैफिक पर पड़ा। नानाखेड़ा सबसे ज्यादा दबाव वाला मार्ग रहा, जबकि देवास रोड, मक्सी रोड और इंदौर रोड भी लगातार व्यस्त रहे।

उड़ीसा का गांजा तस्कर 8 दिन की रिमांड पर

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। कार सवार युवकों के पास से मिले 53.327 किलोग्राम गांजा उपलब्ध करने वाले तस्कर को उड़ीसा से गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया। जिसे सोमवार दोपहर कोर्ट में पेश कर 8 दिन की रिमांड पर लिया गया। चिमनगंज थाना पुलिस ने 22 अगस्त की रात कानीपुरा पर घेराबंदी करते हुये बिना नम्बर की हुंडई ऑरा कार को पकड़ा था। जिसमें सवार तीन युवक आदर्श नायक ग्राम इटावा तराना हाल मुकाम राज रॉयल कालोनी, तेजस वर्मा देवनगर आगररोड और साहिल हैला निवासी बड़ा मोहल्ला पानबिहार को हिरासत में लेकर उनकी कार की डिक्की में रखे 53.327 किलो ग्राम गांजे के 25 पैकेट बरामद किये थे। तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा में प्रकरण दर्ज कर कोर्ट में पेश किया गया था, जहां से 31 अगस्त तक रिमांड पर लिया गया है। पूछताछ में तीनों ने उड़ीसा के भुवनेश्वर में रहने वाले सचिन पिता प्रकाशचंद्र डिगल से गांजा लेकर आना कबूल किया था। थाना प्रभारी विवेक कनोडिया ने एक टीम गांजा तस्कर की तलाश में उड़ीसा भेजी थी, जहां से सचिन डिगल को गिरफ्तार कर उज्जैन लाया गया है। बताया जा रहा है कि तस्कर सचिन पूर्व में भी युवकों को गांजा उपलब्ध करा चुका था, एसआई दिनेश भट्ट ने बताया कि पूर्व में गिरफ्तार तीनों युवकों का सोमवार को रिमांड खत्म हो पर जेल भेज दिया गया। तस्कर सचिन को 8 दिन की रिमांड पर लिया गया है।

महाकाल मंदिर कर्मचारियों को चाकू मारने वालों को भेजा जेल

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। महाकाल मंदिर में सफाई कर्मचारी को शनिवार रात चाकू मारने वाले तीन युवकों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। तीनों को रात में उसी स्थान पर जुलूस निकाला। जहां रास्ता मांगने पर तीनों ने सफाई कर्मचारी पर चाकू से हमला किया था। सोमवार दोपहर तीनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेजा गया है। महाकाल थाना प्रभारी गगन बादल ने बताया कि शनिवार रात 11 बजे के लगभग महाकाल लोक और धनुष द्वारा के बीच महाकाल मंदिर के सफाई कर्मी उमेश पिता रमेश टेटवाल निवासी नाग तलाई रणजीत हनुमान को रिक्शा से महाकाल लोक जाते समय रास्ता मांगने पर तीन युवकों ने चाकू मार कर घायल कर दिया था। घायल के बयान दर्ज करने पर सामने आया था कि हमला करने वाले गोगा देव छड़ी निशान जुलूस में शामिल थे। थाना प्रभारी के अनुसार उक्त जुलूस निकालने वालों की जानकारी जुटाकर चाकू मारने वालों को चिन्हित किया गया और रोनक (19) पिता कैलाश हरित, निवासी विकास नगर, इंदौर; हाल निवासी 12 खोली, बेगमबाग, हर्ष उर्फ बाबू पंवार (21) पिता संतोष पंवार, निवासी 12 खोली और अर्पित उर्फ काजू (18) पिता आशीष फतरोड़ निवासी 12 खोली, बेगमबाग, उज्जैन को गिरफ्तार कर लिया गया।

1 से 30 सितम्बर तक मनाया जाएगा पोषण आहार माह

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। पोषण संबंधी जनजागृति के लिये दिनांक 01 से 30 सितम्बर 2026 तक पोषण आहार माह मनाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अशोक कुमार पटेल द्वारा बताया गया कि पोषण सप्ताह को मनाने का प्रमुख उद्देश्य लोगो के विभिन्न आहार और पोषण संबंधी समस्याओं की पहचान करना उनका समाधान एवं नियंत्रण करने के लिये उचित तकनीक का पता लगाना, इसके अलावा इस दौरान विभिन्न अभियानों और उन्मुखीकरण कार्यक्रमों के माध्यमों से लोगों में जागरूकता पैदा करना, लोगों को विभिन्न खाद्य पदार्थों की पोष्टिकता की जानकारी प्रदान करना और स्वस्थ्य खान-पान आदतों को विकसित करना एवं पर्याप्त शारीरिक गतिविधियों को प्रोत्साहित करना है।

इस दौरान पोषण संबंधी जागरूकता का प्रचार-प्रसार किया जाएगा। अच्छे स्वास्थ्य के लिये पोषण का क्या महत्व है यह समझाया जाता है। जानकारी देने के लिये कार्यशाला, सेमिनार, स्वास्थ्य शिक्षा प्रदान करने हेतु, ग्रुप डिस्केशन आदि का आयोजन भी किया जाएगा।

संतुलित पोषण आहार, नियमित शारीरिक सक्रियता उत्तम स्वास्थ्य की आधारशिला है। आहार में पोषक तत्वों की कमी से शारीरिक, मानसिक विकास प्रभावित होता है एवं स्वास्थ्य पर भी गहरा प्रभाव पड़ता है। खराब पोषण के कारण प्रतिरक्षण क्षमता कमजोर हो जाती है व रोगों की संभावना बड़ जाती है।

रात में अचानक हुआ जीआरपी-आरपीएफ का रोलकॉल

स्टेशन और ट्रेनों में सुरक्षा का प्लान तैयार

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। रेलवे स्टेशन और चलती ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा को लेकर जीआरपी और आरपीएफ ने अब तालमेल और तेज करने की तैयारी की है। इसी कड़ी में रविवार रात थाना जीआरपी उज्जैन में जीआरपी एवं आरपीएफ के अधिकारी-कर्मचारियों का संयुक्त रात्रि रोलकॉल आयोजित किया गया। इसमें ट्रेनों और रेलवे स्टेशन पर अपराध रोकने से लेकर संदिग्धों की निगरानी और सूचना मिलते ही तत्काल कार्रवाई करने की रणनीति पर चर्चा हुई।

रोलकॉल में जीआरपी थाना प्रभारी निरीक्षक सुनील कुमार गुप्ता और आरपीएफ प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र यादव ने अधिकारी-कर्मचारियों को यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने कहा कि रेलवे परिसर या चलती ट्रेन में किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने पर दोनों बल आपसी समन्वय से तत्काल कार्रवाई करें।

स्टेशन से ट्रेन तक संयुक्त चेकिंग और गश्त- अधिकारियों ने चलती ट्रेनों और रेलवे स्टेशनों पर होने वाले अपराधों की प्रभावी रोकथाम के लिए संयुक्त चेकिंग और गश्त पर जोर दिया। संदिग्ध व्यक्तियों पर लगातार नजर रखने, वांछित आरोपियों और अपराधियों की धरपकड़ करने तथा यात्रियों को सुरक्षित और सुगम आवागमन उपलब्ध कराने के लिए जीआरपी और आरपीएफ की टीमें बेहतर समन्वय से काम करेंगी।

रोलकॉल में खास तौर पर यह तय किया गया कि किसी एक बल को मिलने वाली महत्वपूर्ण सूचना दूसरे बल तक पहुंचने में देरी नहीं होनी चाहिए। इससे अपराध की सूचना मिलने के बाद कार्रवाई का समय कम किया जा सकेगा।

112, 139 और कंट्रोल रूम की सूचना पर तत्काल एक्शन- पुलिस अधिकारियों ने निर्देश दिए कि डायल-112, रेलवे हेल्पलाइन 139 या कंट्रोल रूम से मिलने वाली किसी भी सूचना को तत्काल जीआरपी और आरपीएफ के बीच साझा किया जाए। जरूरतमंद यात्री या पीड़ित तक समय पर मदद पहुंचाने के लिए सूचना मिलते ही संबंधित टीम को सक्रिय किया जाए।

रेलवे परिसर में संदिग्ध गतिविधि, यात्री से जुड़ी शिकायत, अपराध या किसी अन्य आपात स्थिति की जानकारी मिलने पर आपसी समन्वय स्थापित कर तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए।

अपराधियों के साथ संदिग्धों पर भी नजर- संयुक्त रोलकॉल में वांछित और अपराधियों की धरपकड़ के साथ-साथ संदिग्ध व्यक्तियों पर सतत निगरानी रखने को भी प्राथमिकता दी गई। स्टेशन परिसर, प्लेटफॉर्म और चलती ट्रेनों में संदिग्ध गतिविधियों की जानकारी मिलने पर जीआरपी-आरपीएफ की टीम मिलकर कार्रवाई करेगी।

मालिक, प्रकाशक, मुद्रक विजय शर्मा द्वारा 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से प्रकाशित एवं भगवती ऑफसेट 44, बहादुरगंज, उज्जैन (म.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक - विजय शर्मा, मो.नं. 94250-22499, फोन 0734-2553435 प्रधान संपादक : शुभम ताम्रकार (सभी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र उज्जैन रहेगा)

भादौ की पहली सवारी में पांच स्वरूपों में दिए महाकाल ने दर्शन

सीएम ने की आरती- हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा, पहली बार सवारी में शामिल हुआ रोबोट

उज्जैन/ दैनिक मालवा हेराल्ड। भादौ माह की पहली और महाकालेश्वर भगवान की पांचवीं सवारी सोमवार शाम परंपरागत उल्लास और भक्तिभाव के साथ निकली। मंदिर के सभामंडप में प्रभारी मंत्री ने भगवान महाकाल का पूजन-अर्चन किया। इसके बाद बाबा महाकाल को पालकी में विराजित कर नगर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। मंदिर के मुख्य द्वार पर सशस्त्र पुलिस बल के जवानों ने पालकी में विराजित भगवान को सलामी दी। सवारी मार्ग पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु बाबा के दर्शन के लिए उमड़े।

सवारी में बाबा महाकाल ने पांच स्वरूपों में भक्तों को दर्शन दिए। आगे घुड़सवार पुलिस दल, सशस्त्र पुलिस बल, होमगार्ड, भजन मंडलियां, झांझ मंडली और पुलिस बैंड चल रहे थे। प्रभारी मंत्री गौतम टेटवाल भी सवारी में झांझ-मंजीरे बजाते हुए शामिल हुए। सवारी के ऊपर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की गई, जिससे पूरा मार्ग भक्तिमय नजर आया।

रामघाट पर सीएम ने की आरती- सवारी के रामघाट पहुंचने पर बाबा महाकाल का मां शिप्रा के जल से अभिषेक किया गया। इसके बाद विधि-विधान से पूजन और आरती की गई। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव भी रामघाट पर सवारी के पूजन में शामिल हुए। पुजारी आशीष शर्मा ने पूजन-अर्चन करवाया। मुख्यमंत्री ने भगवान महाकाल की आरती कर प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

84 महादेव की झांकी बनी आकर्षण- इस बार सवारी में 84 महादेव की धार्मिक झांकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। झांकी के माध्यम से भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों की धार्मिक झलक दिखाई गई। इसके साथ करीब 1100 बटुक भी सवारी में शामिल हुए। आदिवासी दल के कलाकारों ने पारंपरिक नृत्य की प्रस्तुति दी। शहर में चल रहे विकास कार्यों पर आधारित झांकियां भी सवारी का हिस्सा बनीं।

पहली बार रोबोट ने भजन पर किया डांस- महाकाल की सवारी में इस बार नया आकर्षण भी देखने को मिला। पहली बार एक रोबोट को सवारी में शामिल किया गया। रामघाट पर भजन की धुन पर रोबोट ने डांस किया। रोबोट की प्रस्तुति देखने के लिए श्रद्धालुओं की नजरें उस पर टिक गईं। बच्चों और युवाओं में इसे लेकर खास उत्साह दिखाई दिया।

300 से ज्यादा पुलिस जवानों ने दी संगीतमय प्रस्तुति- सवारी में मध्यप्रदेश पुलिस के 300 से अधिक जवानों ने पुलिस बैंड के साथ भक्तिमय और पारंपरिक धुनों की प्रस्तुति दी। मंदिर के गेट नंबर-1 और महाकाल चौराहे पर पुलिस बैंड की प्रस्तुति ने माहौल को और भक्तिमय बना दिया। बैंड की धुनों के बीच श्रद्धालु बाबा महाकाल के जयकारे लगाते रहे। सवारी के दौरान धार्मिक परंपरा, लोक संस्कृति और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिला। एक ओर 84 महादेव की झांकी और बटुकों की मौजूदगी ने धार्मिक स्वरूप को मजबूत किया, वहीं हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा और रोबोट की प्रस्तुति ने सवारी को खास बना दिया।

आय से अधिक संपत्ति मामले में परिवहन निरीक्षक को सजा

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। भ्रष्टाचार के मामले में विशेष न्यायालय ने बड़ी सजा सुनाई है। लोकायुक्त के आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के प्रकरण में तत्कालीन परिवहन निरीक्षक सेवाराम खांडेकर को 4 साल सश्रम कारावास और 60 लाख रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई गई है।

विशेष न्यायाधीश भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम उज्जैन ने सोमवार को फैसला सुनाते हुए आरोपी को भेरूगढ़ जेल भेज दिया। जुर्माना नहीं भरने पर 1 साल अतिरिक्त कारावास भुगतना होगा। लोकायुक्त संगठन के अनुसार आरोपी के खिलाफ 11 नवंबर 2011 को थाना विशेष पुलिस स्थापना भोपाल में अपराध क्रमांक 122/2011 दर्ज किया गया था। डीएसपी ओपी सागोरिया ने लोकायुक्त टीम के साथ आरोपी के घर 11/3 अलकनंदा नगर उज्जैन पर छापा मारा था, जहां विलासिता के सामान, भारी मात्रा में नगदी और ज्वेलरी मिली थी। बाद में विवेचना डीएसपी एसएस उदावत ने की। जांच में सामने आया कि आरोपी की कुल आय 27,37,628 रुपये थी, जबकि व्यय 1,84,15,129 रुपये पाया गया, जो आय से 572 प्रतिशत अधिक था। इस पर 30 अगस्त 2014 को कोर्ट में चालान पेश किया गया था। प्रकरण में लोकायुक्त की ओर से विशेष लोक अभियोजक मनोज पाठक और डीडीपी संजय मीणा ने पैरवी की, जिसमें आरक्षक संजीव कुमारिया ने सहयोग किया।

राष्ट्रीय खेल दिवस पर एक दिवसीय 7-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर जिला खेल एवं युवा कल्याण विभाग, एवं जिला हॉकी संघ के संयुक्त तत्वावधान में गत दिवस देवास रोड स्थित पॉलिटेक्निक खेल परिसर में एक दिवसीय 7-ए-साइड हॉकी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री विजेन्द्र देवड़ा ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रतियोगिता के शुभारंभ अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री ओम जैन, अध्यक्ष, म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मंडल उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी श्री विजेन्द्र देवड़ा ने की। विशेष अतिथि श्री दिलीप भार्गव तथा अतिथि श्री अनिल केन, प्राचार्य, शासकीय विद्यालय, घट्टिया एवं श्री अनिल निकम, व्यायाम शिक्षक, सांदीपनि विद्यालय, उज्जैन उपस्थित रहे।

अतिथियों द्वारा मेजर ध्यानचंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया गया। मंचासीन अतिथियों का स्वागत श्री नरेन्द्र श्रीवास्तव, जिम्नास्टिक प्रशिक्षक, श्री गोपाल सिंह गौतम, हॉकी प्रशिक्षक, श्रीमती प्रियंका भदौरिया, हॉकी प्रशिक्षक, श्री कुलदीप अजमावद, हॉकी प्रशिक्षक एवं सुश्री सपना कछवाय, हॉकी प्रशिक्षक द्वारा किया गया।

प्रतियोगिता में खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। प्रतियोगिता में उज्जैन की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि घट्टिया की टीम द्वितीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर उपस्थित अतिथियों द्वारा प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त टीमों को ट्रॉफी एवं टी-शर्ट पुरस्कार स्वरूप प्रदान किए गए।

मक्सी रोड फोरलेन की चौड़ाई पर जनप्रतिनिधियों ने उठाए सवाल

52 फीट की जगह कुछ हिस्सों में 30–40 फीट में बन रही सड़क, जताई आपत्ति

उज्जैन/दैनिक मालवा हेराल्ड। सिंहस्थ की तैयारियों के तहत उज्जैन-मक्सी मार्ग को फोरलेन किया जा रहा है, लेकिन कुछ प्रमुख क्षेत्रों में सड़क की चौड़ाई को लेकर सवाल खड़े हो गए हैं। यहां निर्धारित 52 फीट के बजाय महज 30 से 40 फीट जगह में सड़क बनाए जाने की बात सामने आई है। इससे भविष्य में यातायात दबाव बढ़ने पर जाम की स्थिति बनने की आशंका जताई गई है।

तराना विधानसभा क्षेत्र के जिला पंचायत सदस्य ओमप्रकाश राजोरिया ने सड़क की चौड़ाई कम किए जाने पर आपत्ति जताते हुए फोरलेन का निर्माण निर्धारित मापदंड के अनुसार करने की मांग की है। राजोरिया के अनुसार कायथा और विजयगंज मंडी सहित कुछ स्थानों पर सेंटर से निर्धारित 52 फीट की जगह 30 से 40 फीट में ही सड़क बनाई जा रही है। इसमें करीब चार फीट हिस्से में नाली भी बनाई जा रही है। ऐसे में फोरलेन बनने के बाद भी सड़क अपेक्षित चौड़ाई की नहीं रह जाएगी।

राजोरिया ने कहा कि सिंहस्थ के दौरान उज्जैन में लाखों श्रद्धालु और वाहन पहुंचेंगे। ऐसे में मक्सी रोड पर भी यातायात का दबाव बढ़ना तय है। यदि सड़क का निर्माण निर्धारित 52 फीट की चौड़ाई में नहीं किया गया तो भविष्य में यातायात प्रबंधन में परेशानी आ सकती है और कई स्थानों पर जाम की स्थिति बन सकती है।

उन्होंने पूरी सड़क का निर्माण निर्धारित 52 फीट की जगह में कराने की मांग की, ताकि भविष्य में यातायात व्यवस्था के लिए दोबारा सड़क चौड़ी करने की जरूरत न पड़े। राजोरिया ने इस संबंध में एमपीआरडीसी के महाप्रबंधक विजय सिंह से भी चर्चा की।

उन्होंने बताया कि सड़क का निर्माण शासन से स्वीकृत टीसीएस (टाइप क्रॉस सेक्शन) के अनुसार किया जा रहा है। उनका कहना है कि निर्माण स्वीकृत मानकों के अनुरूप ही कराया जा रहा है और शासन द्वारा निर्धारित स्वीकृति के विपरीत जाकर काम नहीं किया जा सकता। इसके बाद अब सड़क की कुल जमीन और वास्तविक कैरिजवे की चौड़ाई को लेकर सवाल खड़ा हुआ है।

जनप्रतिनिधि का कहना है कि सिंहस्थ जैसे बड़े आयोजन को देखते हुए सड़क की वर्तमान और भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर निर्माण होना चाहिए।